मिस्र की लोक कथाऐं

चयन और अनुवाद
सुषमा गुप्ता

2022

Book Title: Mishra Ki Lok Kathayen (Folktales of Egypt)
Cover Page picture : Pyramid and Sphinx of Egypt
Published Under the Auspices of Akhil Bhartiya Sahityalok

E-Mail: hindifolktales@gmail.com
Website: www.sushmajee.com/folktales/index-folktales.htm

Map of Egypt

विंडसर, कैनेडा

2022

Contents

देश विदेश की लोक कथाऐं

लोक कथाऐं किसी भी समाज की संस्कृति का एक अटूट हिस्सा होती हैं। ये संसार को उस समाज के बारे में बताती हैं जिसकी वे लोक कथाऐं हैं। आज से बहुत साल पहले, करीब **100** साल पहले, ये लोक कथाऐं केवल ज़बानी ही कही जातीं थीं और कह सुन कर ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को दी जाती थीं इसलिये किसी भी लोक कथा का मूल रूप क्या रहा होगा यह कहना मुश्किल है।

आज हम ऐसी ही कुछ अंग्रेजी और कुछ दूसरी भाषा बोलने वाले देशों की लोक कथाऐं अपने हिन्दी भाषा बोलने वाले समाज तक पहुँचाने का प्रयास कर रहे हैं। इनमें से बहुत सारी लोक कथाऐं हमने अंग्रेजी की किताबों से, कुछ विश्वविद्यालयों में दी गयी थीसेज़ से, और कुछ पत्रिकाओं से ली हैं और कुछ लोगों से सुन कर भी लिखी हैं। अब तक **2500** से अधिक लोक कथाऐं हिन्दी में लिखी जा चुकी हैं। इनमें से **550** से भी अधिक लोक कथाऐं तो केवल अफ्रीका के देशों की ही हैं।

इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि ये सब लोक कथाऐं हर वह आदमी पढ़ सके जो थोड़ी सी भी हिन्दी पढ़ना जानता हो और उसे समझता हो। ये कथाऐं यहाँ तो सरल भाषा में लिखी गयी है पर इनको हिन्दी में लिखने में कई समस्याऐं आयी है जिनमें से दो समस्याऐं मुख्य हैं।

एक तो यह कि करीब करीब **95** प्रतिशत विदेशी नामों को हिन्दी में लिखना बहुत मुश्किल है चाहे वे आदमियों के हों या फिर जगहों के। दूसरे उनका उच्चारण भी बहुत ही अलग तरीके का होता है। कोई कुछ बोलता है तो कोई कुछ। इसको साफ करने के लिये इस सीरीज़ की सब किताबों में फुटनोट्स में उनको अंग्रेजी में लिख दिया गया हैं ताकि कोई भी उनको अंग्रेजी के शब्दों की सहायता से कहीं भी खोज सके। इसके अलावा और भी बहुत सारे शब्द जो हमारे भारत के लोगों के लिये नये हैं उनको भी फुटनोट्स और चित्रों द्वारा समझाया गया है।

ये सब कथाऐं "देश विदेश की लोक कथाऐं" और "लोक कथाअऐं की क्लासिक पुस्तकें" नाम की सीरीज के अन्तर्गत छापी जा रही हैं। ये लोक कथाऐं आप सबका मनोरंजन तो करेंगी ही साथ में दूसरे देशों की संस्कृति के बारे में भी जानकारी देंगी। आशा है कि हिन्दी साहित्य जगत में इनका भव्य स्वागत होगा।

सुषमा गुप्ता
2022

मिस्र की लोक कथाऐं

मिस्र देश केवल अफ्रीका का ही नहीं बल्कि संसार भर का बहुत ही मशहूर देश है क्योंकि यहाँ पर दुनियाँ की बहुत पुरानी सभ्यता के प्रतीक पिरैमिड मौजूद हैं।

अफ्रीका में मिस्र देश सुदूर उत्तर पूर्व की ओर स्थित है। इसकी उत्तरी सीमा भूमध्य सागर से मिलती है और उसकी पूर्वी सीमा लाल सागर से मिलती है। सारे संसार में यह बहुत पुराने समय से अपने पिरैमिड के लिये बहुत मशहूर है। वे दुनियाँ के आठ आश्चर्यों में से एक हैं। इसके अलावा वहाँ की नील नदी भी बहुत मशहूर है। और तीसरे वहाँ की ममी बहुत मशहूर हैं जो वहाँ के पिरैमिडों में रखी हुई हैं।

मिस्र शिक्षा का भी एक बहुत बड़ा केन्द्र रह चुका है। उसकी अलैक्ज़ैन्ड्रिया की लाइब्रेरी बहुत मशहूर है। यह पुराने संसार की सबसे बड़ी और सबसे मशहूर लाइब्रेरी थी। जबसे यह बनी थी तबसे तीसरी शताब्दी बी सी तक, या कहें कि **30** बी सी में रोम के मिस्र को जीतने तक यह बहुत फली फूली और शिक्षा का मुख्य केन्द्र रही। उसके बाद कई सालों में इसको कई बार जलाया गया जिससे इसकी बहुत सारी पुस्तकें जो पैपीरस पर लिखी हुई थीं जल कर नष्ट हो गयीं। यह आग किसने लगायी यह पता नहीं चल सका है। इसके नष्ट होने के बाद लोगों ने एक और लाइब्रेरी इस्तेमाल करनी शुरू कर दी थी पर कौन्सटैनटिनोपिल के सौकेट्स का कहना है कि वह लाइब्रेरी भी पोप थियोफिलस ने **391** ए डी में नष्ट करवा दी थी।

स्वेज़ नहर बन जाने के कारण अब इसके बन्दरगाहों का महत्व बहुत बढ़ गया है।

अभी अभी यहाँ खोज हुई है कि यहाँ के पिरामिडों में दफ़न किये राजा टूटनखामुन के पास एक ब्लेड मिला है जो आकाश के मीटियोराइट[1] के एक हिस्से से बना है।[2] टूटनखामुन के मकबरे को मिले हुए अभी केवल तीन साल ही हुए हैं कि खुदायी करने वालों ने उसकी ममी जिस कपड़े में लिपटी हुई थी उसमें इस ब्लेड को पाया है। यह ब्लेड लोहे का बना हुआ है और उसका हैन्डिल सोने का है। हैन्डिल के सिरे पर एक पत्थर के क्रिस्टल[3] की घुंडी लगी हुई है। उसके रखने के केस पर फूलों और पंखों का डिजाइन बना है। इटली और मिस्र के वैज्ञानिकों का कहना है कि उसके ब्लेड का लोहा आसमान के मीटियोराइट से आया है। इस तरह से से इस ब्लेड का लोहा किसी मीटियोराइट का है।

मिस्र की लोक कथाओं पर हिन्दी में यह पहली पुस्तक है। आशा है कि मिस्र की ये लोक कथाऐं तुम लोगों को बहुत पसन्द आयेंगीं। मिस्र के बारे हमने कुछ और जानकारी इस पुस्तक के पीछे दे रखी है।

---

[1] The iron of the blade comes from the space meteorite.

[2] Read its full description here – http://www.rdmag.com/article/2016/06/king-tutankhamuns-blade-came-space?et_cid=5327129&et_rid=705989949&type=headline&et_cid=5327129&et_rid=705989949&linkid=http%3a%2f%2fwww.rdmag.com%2farticle%2f2016%2f06%2fking-tutankhamuns-blade-came-space%3fet_cid%3d5327129%26et_rid%3d%%subscriberid%%%26type%3dheadline.
The full text is given at its back for reference purposes.

[3] Translated for the words “Rock Crystal”

Some Names of Egypt used in these folktales…

--Osiris – Osiris is the god of Dead People or underworld of Egyptians and Isis is his wife
--Isis – is the wife of Osiris
--Snefru – was the Pharaoh of Egypt. He was the father of Pharaoh Khufu who built the Great Pyramids of Giza, Egypt.
--Ra – is the Sun God of Egypt. In the beginning there were only Ra and his wife Nut.
--Duat – is the World of the Dead
--Seven Hathors – in Egyptian mythology they write the destiny of the newborn at the time of his or her birth.
--Nine gods mean "Ennead" – a collective name for all the gods of a particular locality, not necessarily means nine by counting. For example, Ennead of Thebes comprised 15 gods. This Bata was a bovine god – bull.
--Khnumu – he created the Man and his double, the Ka, from clay.
--Horus – is the son of Osiris and Isis
--Seth – is Horus' uncle being the brother of Osiris, and Horus is the son of Osiris and Isis.
--Jeb is an Egyptian God
--Thoth – the son of Ra, the Sun God. He is the god of wisdom and magic. His head is of Ibid bird's.
--Silene – is the Moon Goddess
--First day Nut gave birth to Osiris, second day to Horus, third day to Seth, fourth day to Isis and the fifth day to Nephthys.
--Ba – The Ba refers to all non physical qualities that make up the personality of humans. Animals were sometimes thought to be the Ba of gods, the Bennu bird was called the Ba of Ra, the Apis bull was worshipped as the Ba of Ptah. Prior to the New Kingdom, no representations of the Ba are certain. The first illustrations of the Ba are found in the Book of the Dead. The Ba was associated with only human beings and gods.
--Judgment Hall of Maat - The Egyptian Hall of Maat is where the judgment of the dead was performed in the afterlife. It is also known as the "Hall of the Two Truths" Unlike Semitic Religions, Egyptians had no concept of a general judgment day when all those who had lived in the world should receive rewards and punishment for their deeds; on the contrary each soul was dealt with individually, and was either permitted to pass into the kingdom of Osiris, or was destroyed
--Ka means double.
--Khou means Spirit
-- Anubis – is the male jackal god of embalmimg. Horus is his brother

मिस्र – परिचय

हालाँकि यहाँ मिस्र का परिचय देने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि वह इतना महत्वपूर्ण देश है कि बच्चा बच्चा उसका नाम जानता है – पिरैमिड के सिलसिले में और नील नदी के सिलसिले में।

पर लोग उसके बारे में केवल इतना ही जानते हैं इससे ज़्यादा और कुछ नहीं। यहाँ हम उसके बारे कुछ और नयी बातें बतायेंगे जो आम लोगों को पता नहीं हैं।

मिस्र अफ्रीका महाद्वीप के सुदूर उत्तर पूर्व में स्थित है। इसके उत्तर में भूमध्य सागर है और इसके पूर्व के किनारे पर लाल सागर है। यह बहुत दिनों पहले की बात नहीं है यानी **1870** से पहले यूरोप एशिया और अफ्रीका तीनों मिले हुए जमीन के टुकड़े थे।

पहले हवाई जहाज़ तो थे नहीं सो लोग पानी के जहाज़ों से ही यात्रा किया करते थे तो जैसे अगर किसी को हिन्दुस्तान से लन्दन जाना होता था तो वह दक्षिण अफ्रीका के केप से हो कर जाता था।

इस मामले को आसान करने के लिये **17** नवम्बर **1869** को लाल सागर को भूमध्य सागर को जोड़ने वाली स्वेज़ कैनाल खोली गयी। जिससे हिन्दुस्तान से यूरोप का समुद्री रास्ता बहुत छोटा हो गया। और अफ्रीका एशिया और यूरोप से जमीन के रास्ते से अलग हो गया।

मिस्र का अलैक्ज़ैन्ड्रिया[4] नाम का शहर जो इसके भूमध्य सागर के किनारे पर बसा हुआ है इसका बहुत पुराना शहर है। इसे महान अलैक्ज़ैन्डर ने बसाया था। यह इसकी शिक्षा का केन्द्र था।

यहाँ बहुत बड़ी और मशहूर अन्तर्राष्ट्रीय लाइब्रेरी थी और यह उत्तर का भूमध्य सागर का बहुत बड़ा मशहूर और बहुतायत से इस्तेमाल किया जाने वाल बन्दरगाह था।

मिस्र के समय को समय के तीन हिस्सों में बाँटा जाता है – प्राचीन साम्राज्य, मध्य साम्राज्य और नया साम्राज्य।[5] इसके समय के तीनों हिस्सों में इसके राजा लोग फैरो[6] कहलाते थे और वे सभी एक खास तरीके से व्यवहार करते थे।

पिरैमिड

प्राचीन साम्राज्य के फैरो पिरैमिडों में दफ़नाये जाते थे। पिरैमिड बनाने में बहुत देर लगती थी। पिरैमिड बनाने में बहुत पैसा लगता था। पिरैमिड को कहीं छिपाया नहीं जा सकता था। पिरैमिडों के साथ और भी कई समस्याऐं थीं।

मिस्र के सारे लोग अपनी अपनी कब्रों के लिये कुछ सामान बनवाते थे। वे सब छोटे छोटे साइज़ के होते थे जो जरूरत पड़ने पर अपने पूरे साइज़ के हो सकते थे। फैरो इन सब चीज़ों को अपने

---

[4] Alexandria

[5] Ancient Dynasty, Middle Dynasty and the New Dynasty

[6] Pharaoh

साथ ही दफ़न करवाना चाहते थे ताकि उनको इस ज़िन्दगी के बाद वाली ज़िन्दगी में किसी चीज़ की कमी न हो। पर फैरो की कब्र में दफ़न करवाने वाली ये चीज़ें बहुत कीमती होती थीं।

उसके बाद पिरैमिड खत्म हो गये। मध्य साम्राज्य में फैरों को जमीन के अन्दर ही दफ़नाया जाने लगा। मिस्र के लोग बहुत अच्छी कब्र बनाते थे। खुदायी करने वाले लोग जानते हैं कि किस समय में कौन फैरो था।

प्राचीन समय के फैरों का यह विश्वास था कि अगर उनका नाम कहीं किसी जगह नहीं लिखा गया तो उनका नाम आगे वाली ज़िन्दगी से बिल्कुल मिट जायेगा। और हर आदमी अपनी आगे वाली ज़िन्दगी को खूब अच्छे से जीना चाहता था इसलिये फैरो हर जगह अपना नाम खुदवा कर जाते थे। खुदायी करने वालों को अभी तक सारी कब्रें नहीं मिल पायी हैं।

नये साम्राज्य में सारे फैरो छिपी हुई कब्रों में ही दफ़नाये गये पर वे सब एक ही जगह दफ़नाये गये। वैज्ञानिक लोग उस जगह को "राजाओं की घाटी"[7] पुकारते हैं। प्राचीन मिस्र वालों के लिये यह केवल एक समझौता था। इस समय ही मिस्र ने दुनियाँ की एक बड़ी ताकत बन कर दुनियाँ पर राज्य किया।

[7] Valley of the Kings

नील नदी

मिस्र की दूसरी खासियत है नील नदी। यह दुनियाँ की सबसे बड़ी नदी है। बहुत दिनों तक तो यही पता नहीं था कि यह कहाँ से निकलती है।

आज से **7500** साल पहले कुछ लोग नील नदी के आस पास आ कर बसे थे। उस समय वहाँ पर हरे भरे मैदान थे इसलिये खाने पीने की कोई तकलीफ नहीं थी। फिर वहाँ की जलवायु थोड़ी गर्म होने लगी तो वहाँ रेगिस्तान बढ़ने लगा। लोग नील नदी की तरफ खिसकने लगे।

वे आपस में सन्देश लिख कर भेजने के लिये तस्वीरों का इस्तेमाल करते थे जिन्हें वे पैपीरस पौधे से बने हुए कागज पर लिख कर भेजते थे।

मिस्र का पहला राजा या फैरो राजा नारमर या राजा मैनेस[8] **2950** बीसी में था जो अपर और लोअर मिस्र को मिला कर उस पर राज्य करता था। उसकी कई पीढ़ियों ने वहाँ राज्य किया।

पहला पिरैमिड स्टैप पिरैमिड[9] था जो सकारा में, मैमफिस के पास **2650** बीसी में बनवाया गया था। फिर ये पिरैमिड **1700** बीसी तक बनते रहे।[10]

---

[8] King Narmer, or Warrior King Menes

[9] Step Pyramid. See its picture above. It has six steps.

[10] Pyramids are found in Mexico also, and in fact the greatest Pyramid exists in Cholula, Puebla in Mexico.

गीज़ा यानी मिस्र के पिरैमिड **2550** से **2450** बीसी में बनाये गये थे। फिर **1539** से **1069** तक के मिस्र के राजाओं ने यह निश्चय किया कि वे "राजाओं की घाटी" में राजाओं को दफ़नायेंगे। वहॉ केवल तिरेसठ कब्रें मिली हैं जिनमें मशहूर राजा रैमैसैज़ **2** और टूटनखामून[11] की कब्रें भी हैं।

एक मजेदार बात और। यहॉ कई स्त्रियों ने भी राज किया जिनमें से एक स्त्री बहुत मशहूर थी जिसका नाम था हैटशैपसट[12]। इसने अपने पति की मौत के बाद मिस्र पर राज किया था – **1473–1458** बीसी में। इसने यह राज्य एक रानी की तरह से नहीं बल्कि एक फैरो की तरह से किया।

यह आदमियों वाले कपड़े पहनती थी। कभी कभी नकली दाढ़ी भी लगाती थी। "राजाओं की घाटी" में उसका मकबरा एक बहुत ही शानदार मकबरा था पर बदकिस्मती से उसकी मौत के बाद उसकी ममी चुरा ली गयी थी। केवल उसका जिगर ही मिला जो एक शीशी में सुरक्षित था।

332 बीसी में अलैक्ज़ैन्डर द ग्रेट ने मिस्र को जीत लिया था वहॉ उसने अलैक्ज़ैन्ड्रिया नाम का शहर बसाया और उसे अपनी राजधानी बनाया।

---

[11] Ramesses II and Tutankhamun. Ramesses II became the King at the age of 30 and he reigned for 67 years. He had many wives. He had 111 sons and 51 daughters. Tutankhamun is believed to be dead at the age of 18 in 1322 BC. The reason of his death is still unknown.

[12] Hatshepsut

उसकी मौत के बाद उसके एक बहुत करीब के दोस्त टोलेमी[13] ने वहाँ का राज्य सँभाल लिया और फिर उसके परिवार ने मिस्र पर तीन सौ साल तक राज किया।

मिस्र की मशहूर क्लियोपैट्रा 7 मिस्र की आखिरी फैरो और टोलेमी वंश की आखिरी सन्तान थी जिसने 51 बीसी से 30 बीसी तक राज किया। इसके बाद फैरो लोग खत्म हो गये।

क्लियोपैट्रा 7 के रोम के राजा जूलियस सीज़र[14] से सम्बन्ध थे जिनसे इसके एक बेटा था। सीज़र को 44 बीसी में मार दिया गया था। बाद में क्लियोपैट्रा ने आत्महत्या कर ली। जब वह मरी तब वह केवल उन्तालीस साल की थी।

इसकी मौत के साथ साथ मिस्र का अपना एक युग खत्म हो गया क्योंकि फिर यह रोम के अधिकार में आ गया और उसका एक प्रान्त बन गया।

पहली शताब्दी में सेन्ट मार्क मिस्र में ईसाई धर्म ले कर आये और 7वीं शताब्दी तक यह एक ईसाई धर्म प्रधान देश रहा पर इसके बाद 640 एडी में इसे अरबों ने जीत लिया और फिर यहाँ इस्लाम धर्म ज़ोरों पर फैल गया। इसके बाद ही कैरों को यहाँ की राजधानी बनाया गया। बगदाद के बाद यही अरब साम्राज्य की सबसे समृद्ध राजधानी है।

---

[13] Ptolemy

[14] Cleopatra VII, Julius Caesar

अगली छह शताब्दियों तक यहाँ मुस्लिम ही राज्य करते रहे। मध्य **14**वीं शताब्दी की "काली मौत"[15] ने यहाँ की चालीस प्रतिशत जनता को नष्ट कर दिया था।

1500 के बाद इसे तुर्कों ने जीत लिया तो यह औटोमान साम्राज्य का एक हिस्सा हो गया। उसके बाद यहाँ छह अकाल पड़े जिनसे यहाँ की एक छठा हिस्सा जनसंख्या मारी गयी।

1798 में फ्रांस ने इन पर हमला कर दिया जिसे ब्रिटेन ने हरा दिया। उसके बाद अलबेनिया के मुहम्मद अली पाशा ने राज्य किया जिसका वंश **1952** तक चला।

आधुनिक मिस्र का इतिहास बहुत ही नया है। यह सन **1922** से शुरू होता है जब इन्हें ब्रिटिश लोगों से आजादी मिली। **1952** की क्रान्ति के बाद मिस्र ने अपने आपको एक गणतन्त्र घोषित कर दिया। **1958** में यह सीरिया से मिल गया और संयुक्त अरब गणतंत्र का एक हिस्सा बन गया। **1961** में यह फिर टूट गया और फिर अगले चालीस सालों तक इज़रायल से लड़ता रहा। अन्त में फिर इसे इज़रायल को छोड़ना ही पड़ा।

आज भी यहाँ मुसलमान लोग ईसाई लोगों से बहुत अधिक रहते हैं। आज भी इसका सरकारी धर्म इस्लाम है और राष्ट्रीय भाषा अरबी है।

---

[15] Black Death – this affected Italy also, so it seems that this was a great epidemic which covered many areas.

1 जादू की बाँसुरी[16]

एक बार मिस्र देश में एक सुन्दर राजकुमार रहता था। उसका नाम था तमीनो[17]। वह एक अक्लमन्द और चतुर आदमी बनना चाहता था इसलिये वह एक अच्छे गुरू की खोज में भटक रहा था।

एक दिन जब वह नील नदी के पास से गुजर रहा था तो अचानक एक बहुत बड़े अजगर[18] ने उस पर हमला कर दिया।

तमीनो को अपनी जान के लाले पड़ गये। वह बेचारा अपनी जान बचाने के लिये इतना भागा, इतना भागा कि उससे और ज़्यादा भागा नहीं गया और वह जमीन पर गिर गया और गिरते ही थकान और डर से बेहोश हो गया।

उस अजगर ने भी उसका पीछा किया और अपना सिर उठा कर उसे काटने ही वाला था कि न जाने कहाँ से तीन सुन्दरियाँ प्रगट हुईं और उन्होंने बिजली की सी तेज़ी से तलवार के एक ही वार से उस अजगर के दो टुकड़े कर दिये।

उन्होंने आपस में कहा — "अब हमें चल कर इस सुन्दर राजकुमार के बारे में रात की रानी को बताना चाहिये।" सो वे रात की रानी को उस राजकुमार के बारे में बताने चली गयीं।

[16] Magical Flute – a folktale from Egypt, Africa.

[17] Tamino – the name of the Prince

[18] Translated for the word "Python". See its picture above.

जब रात की रानी ने तमीनो के बारे में सुना तो वह उसे देखने के लिये वहाँ खुद आयी।

उसने राजकुमार से कहा — "राजकुमार यह देखो, यह मेरी बेटी पामीना[19] की तस्वीर है। इसे एक दुष्ट जादूगर चुरा कर ले गया है जिसका नाम सारस्त्रो[20] है। अगर तुम इसे उस जादूगर से छुड़ा कर ले आओगे तो यह तुम्हारी रानी बन जायेगी।"

तमीनो ने उस तस्वीर को देखा तो वह उसको देखते ही बोला — "मैं तुरन्त ही चला जाता हूँ और इस राजकुमारी को सारस्त्रो के चंगुल से छुड़ा कर ले आता हूँ।"

वह तुरन्त ही उस राजकुमारी को लाने के लिये इसलिये राजी हो गया था क्योंकि उसे उस तस्वीर वाली लड़की से प्यार हो गया था।

रात की रानी बोली — "रुको, तुम अकेले नहीं जाओगे। मैं पापाजीनो[21] को तुम्हारे साथ भेजती हूँ। वह मेरा चिड़िया पकड़ने वाला आदमी है और सारस्त्रो का पता जानता है।

मैं तुम दोनों को एक एक जादू का बाजा दूँगी जो तुम्हारे काम आयेगा। पापाजीनो के पास जादू की घंटियाँ होंगी और तुम्हारे पास जादू की बाँसुरी। वे तुम दोनों के काम आयेंगी।"

---

[19] Pamina – the daughter of the Queen of Night

[20] Sarastro – the name of the magician who took away Pamina, the daughter of the Queen of Night

[21] Papagino – the bird catcher of the Queen of Night

पापाजीनो ऊपर से ले कर नीचे तक सुन्दर पंखों से सजा हुआ था। उसके पास एक चिड़ियों का पकड़ने वाला बाजा भी था। उस बाजे से वह चिड़ियों को पकड़ कर अपने सुनहरे पिंजरे में बन्द कर लेता था।

रात की रानी ने राजकुमार को जादू की बाँसुरी दी और पापाजीनो को जादू की घंटियाँ। जब दोनों को अपने अपने जादू के बाजे मिल गये तो वे दोनों अपने सफर पर निकल पड़े।

पापाजीनो को सारस्त्रो का घर मालूम था सो जब वे नील नदी के किनारे बने एक महल के पास पहुँचे तो पापाजीनो बोला — "यही है सारस्त्रो का घर।"

तभी तमीनो ने पामीना को एक खिड़की में खड़े देखा। उसको लगा कि पामीना तो अपनी तस्वीर से भी ज़्यादा सुन्दर है। पापाजीनो बोला — "हम लोग खिड़की से चढ़ते हैं और पामीना को ले कर रात की रानी के पास चलते हैं। अभी हमें कोई देख भी नहीं रहा है।"

तमीनो और पापाजीनो दोनों खिड़की के रास्ते चढ़ कर महल के अन्दर पहुँचे तो पामीना तो उनको देख कर डर ही गयी लेकिन तभी तमीनो ने अपने होठों पर उँगली रखते हुए कहा — "चुप, शोर नहीं करो और डरो भी नहीं। हम तुम्हारे दोस्त हैं और तुम्हें सारस्त्रो से बचाने तथा तुम्हें तुम्हारी माँ रात की रानी के पास ले जाने के लिये आये हैं।"

तभी दरवाजा खुला और सारस्त्रो के आदमी अन्दर आ गये । उनके सरदार ने पामीना को पकड़ लिया और उसे रस्सी से बॉधना शुरू कर दिया।

पापाजीनो को अपनी घंटियों की याद आयी तो उसने वे घंटियॉ बजा दीं। घंटियों के बजते ही वे सभी आदमी ऐसे गिर गये जैसे किसी ने उनको मार कर गिरा दिया हो।

पापाजीनो ने आश्चर्य से कहा — "अरे, मैंने तो सोचा भी नहीं था कि मेरी घंटियॉ ऐसा काम करेंगी।"

तमीनो बोला — "आओ पापाजीनो, पामीना की रस्सियॉ खोलने में मेरी मदद करो।"

पापाजीनो पामीना की रस्सियॉ खोलने में तमीनो की मदद करने लगा। वे अभी रस्सियॉ खोल ही रहे थे कि फिर कोई दरवाजे पर दिखायी दिया। वह आदमी बहुत ही लम्बा था और बहुत ही शानदार कपड़े पहने था।

पापाजीनो ने हकलाते हुए पूछा — "तु तु तुम क कौन हो?"

उस लम्बे आदमी ने जवाब दिया — "मैं सारस्त्रो हूॅ, अक्लमन्दी के मन्दिर का बड़ा पुजारी।"

पापाजीनो ने झुक कर कहा — "मेहरबानी कर के हमें कोई नुकसान न पहॅुचाइये, सारस्त्रो जी। अगर आप हमें अभी चले जाने देंगे तो हम वायदा करते हैं कि हम आपको फिर कभी तंग नहीं करेंगे।"

सारस्त्रो ने अपना हाथ ऊपर उठाया और बोला — "तुम इतने डरे हुए क्यों हो? तुम बिल्कुल मत डरो। मैं तुम्हें कुछ नहीं कहूँगा।"

तमीनो बोला — "मगर रात की रानी तो कहती है कि आप एक दुष्ट जादूगर हैं।"

सारस्त्रो बोला — "रात की रानी झूठ बोलती है। वह तो खुद ही एक चुड़ैल जादूगरनी है। मैंने यहाँ पामीना को उसके पंजों से बचा कर रखा हुआ है।"

पापाजीनो ने पूछा — "और तुम्हारे ये रक्षक जिन्होंने हमको बाँधने की कोशिश की?"

सारस्त्रो बोला — "वे तुम्हारे साथ इतनी निर्दयता का बर्ताव नहीं कर सकते। अगर उन्होंने ऐसा किया है तो उनको इसकी सजा जरूर मिलेगी। आओ तुम लोग मेरे साथ आओ।"

कहता हुआ सारस्त्रो उन सबको एक बड़े से सुन्दर कमरे में ले गया जहाँ उसने उनको मीठे रसीले फल खिलाये। इस बीच तमीनो ने सारस्त्रो को बताया कि वह अक्ल और सत्य की खोज में इधर उधर भटक रहा है।

सारस्त्रो ने कहा — "तब भगवान ने तुमको ठीक जगह पर भेजा है क्योंकि तुम अगर हमारे साथ रहोगे तो एक दिन जरूर ही अक्लमन्द बन जाओगे।

लेकिन हमारे साथ रहने से पहले तुम्हें दो इम्तिहान देने पड़ेंगे — पहला तो यह कि तुम मन्दिर के एक कमरे में रहोगे जिसका नाम है "शान्ति घर"।

वहाँ कुछ भी हो पर तुम कुछ बोलोगे नहीं और न ही तुम अपना मुँह खोलोगे। यह तुम्हारी इच्छा शक्ति का इम्तिहान होगा। क्या तुम इस इम्तिहान के लिये तैयार हो?"

तमीनो ने जवाब दिया — "हाँ मैं तैयार हूँ।"

फिर उसने पापाजीनो से कहा — "आओ पापाजीनो, हम और तुम दोनों एक साथ मिल कर यह इम्तिहान देंगे।"

सारस्त्रो का एक पुजारी तमीनो और पापाजीनो दोनों को जमीन के नीचे बने एक कमरे में ले गया जो मन्दिर के काफी भीतर था। उसमें कोई खिड़की नहीं थी और जब उस कमरे का दरवाजा भी बन्द हो गया तब तो उस कमरे में बिल्कुल ही अँधेरा हो गया।

पापाजीनो गिड़गिड़ाया — "तमीनो, मुझे डर लग रहा है।"

तमीनो ने फुसफुसाते हुए कहा — "चुप पापाजीनो, यह हमारे चुप रहने का इम्तिहान है।"

कुछ देर के बाद उस कमरे का दरवाजा खुला और दो सुन्दर लड़कियाँ दो थाल में बहुत ही बढ़िया खाना लिये अन्दर आयीं।

पापाजीनो तो उनको देख कर बिल्कुल ही भूल गया कि वह चुप रहने का इम्तिहान दे रहा है वह तुरन्त बोला — "मुझे तो बहुत

ज़ोर की भूख लग रही है।" पर तमीनो ने उन पर कोई ध्यान नहीं दिया।

जब उनका वह इम्तिहान खत्म हो गया तो सारस्त्रो उनको देखने आया और बोला — "बहुत अच्छे तमीनो। तुम इस इम्तिहान में तो पास हो गये, अब तुम मेरे पीछे आओ।" कह कर वह उन दोनों को अपने साथ ले गया।

दोनों उसके पीछे पीछे चल दिये। चलते चलते वे लोग मन्दिर के पीछे वाली गुफा में पहुँचे। सारस्त्रो ने उनसे कहा — "यहाँ भी कुछ भी होता रहे तुमको बस यहीं खड़े रहना है।" और वह उनको वहीं खड़ा छोड़ कर चला गया।

जब तमीनो और पापाजीनो वहाँ खड़े हुए थे तो अचानक एक भट्टी का दरवाजा खुला और उसमें से लपटें निकलने लगीं। वह गुफा गर्म होती गयी और उसमें धुऑ भी भरता गया और फिर उस गुफा में इतना अधिक धुऑ भर गया कि उस धुएँ की वजह से पापाजीनो और तमीनो दोनों को साँस लेना भी मुश्किल हो गया।

पापाजीनो चिल्लाया — "बचाओ, बचाओ, मेरे पंख जले जा रहे हैं।" और वह गुफा से निकल कर नील नदी में कूद गया।

लेकिन तमीनो वहीं शान्त खड़ा रहा। आखिर धीरे धीरे गर्मी कम होती गयी और धुऑ भी छँट गया। और फिर भट्टी का दरवाजा भी बन्द हो गया।

सारस्त्रो वहाँ आ गया था। वह तमीनो से बोला — "तमीनो बहुत अच्छे, यह तुम्हारी अग्नि परीक्षा थी। इससे वीरता का इम्तिहान होता है।

तुमने ये दोनों ही इम्तिहान पास कर लिये हैं इसलिये अब तुम हमारे साथ रह सकते हो और मिस्र के ओसिरिस[22] और आइसिस देवताओं से अक्ल ले सकते हो।"

पापाजीनो ने तुरन्त पूछा — "और मैं?"

सारस्त्रो ने जवाब दिया — "तुम्हारे लिये मैं कुछ नहीं कह सकता क्योंकि तुम यह दोनों ही इम्तिहान पास नहीं कर सके। पर अगर तुम चाहो तो यहाँ रह कर तमीनो की सेवा कर सकते हो।"

इसी समय एक बिजली चमकी और कड़की और वहाँ रात की रानी प्रगट हुई। वह चिल्लायी — "रुक जाओ, पापाजीनो मेरा है, और पामीना भी। मैं यहाँ उनको लेने आयी हूँ। अब तुम मुझे नहीं रोक सकते सारस्त्रो, मेरी ताकत तुमसे ज़्यादा है।"

कह कर रात की रानी ने अपनी जादू की छड़ी उठायी और पापाजीनो और पामीना को अपने पीछे आने के लिये कहा। लेकिन उसी समय तमीनो को अपनी जादू की बाँसुरी का ध्यान आया जो उसे रात की रानी ने दी थी।

उसे उस बाँसुरी पर भरोसा तो नहीं था कि वह बाँसुरी पापाजीनो और पामीना को रात की रानी के चंगुल से निकाल लेगी

[22] Osiris is the god of Dead People and Isis is his wife

परन्तु फिर भी उसने उसे बजाना शुरू कर दिया। एक अजीब सी धुन उस बाँसुरी में से निकली।

रात की रानी के हाथ से उसकी जादू की छड़ी छूट गयी और एक बार फिर वह बिजली की चमक और कड़क के साथ गायब हो गयी।

पापाजीनो खुश हो कर बोला — "अहा, अच्छा हुआ रात की रानी चली गयी। मैं रात की रानी का चिड़िया पकड़ने वाला नहीं बनना चाहता था। वह हमेशा ही मुझ से लड़ती झगड़ती रहती थी। अच्छा हुआ आज यह सब खत्म हो गया।"

पामीना बोली — "बहादुर राजकुमार तमीनो, मैं भी तुम्हारे साथ इस मन्दिर में रहना चाहती हूँ।"

इस पर सारस्त्रो ने कहा — "हाँ हाँ, क्यों नहीं। और जब यह पढ़ लिख कर लायक बन जाये तब तुम इससे शादी भी कर सकती हो।" इस सबसे तमीनो बहुत अधिक खुश था।

उसका उद्देश्य पूरा हो चुका था। वहाँ रह कर उसने मिस्र के देवताओं से बहुत सारी अक्लमन्दी हासिल की और उसके बाद पामीना के साथ वह अपने राज्य वापस लौट गया।

घर पहुँच कर तमीनो ने पामीना से शादी कर ली और वे दोनों खुशी खुशी रहने लगे।

2 बतख का बदसूरत बच्चा[23]

देश में बहुत सुहावना मौसम था क्योंकि गर्मी का मौसम आ गया था। गेहूँ की सुनहरी बालियाँ धूप में जगमगा रही थीं। हरे हरे घास के मैदान फैले पड़े थे जहाँ सारस मिस्र की भाषा में खूब बात कर रहे थे।

मैदान के चारों ओर बड़े बड़े जंगल थे और जंगलों में कई झीलें थीं। देश में वह बहुत सुन्दर जगह थी।

वहीं एक बहुत बड़ा घर था जिसके चारों ओर गहरी खाई थी और खाई में पानी भरा था और पानी में पानी में रहने वाली पत्तियाँ थीं। वे पत्तियाँ कहीं कहीं तो कई फीट लम्बी थीं। इससे ऐसा लगता था जैसे पानी में जंगल हो।

ऐसे ही एक जंगल में एक बतख अपने घोंसले में बैठी थी। वह वहाँ अपने अंडे से रही थी। उसे वहाँ बैठे बैठे बहुत देर हो गयी थी सो वह बहुत थक गयी थी।

उसकी थकान उन बतखों को देख कर और बढ़ गयी थी जो उसके आस पास तैरने का आनन्द ले रही थीं। कोई उससे बात करने के लिये भी नहीं रुक रही थी।

---

[23] An Ugly Duckling – a folktale of Egypt, Africa
[This story is very similar to "The Ugly Duckling", written by Hans Christian Andersen, but this story is told and heard in this way in Egypt.]

आखिर वे अंडे फूटने लगे और उनमें से नन्हे मुन्ने बच्चे झॉकने लगे थे। वे बोले "पिप, पिप"।

मॉ बोली "क्वैं, क्वैं, जल्दी बाहर निकलो।" और बच्चे जितनी जल्दी हो सकता था उतनी जल्दी बाहर निकल आये और हरी हरी घास को आश्चर्य से देखने लगे।

हरा रंग ऑख के लिये अच्छा होता है इसलिये उनकी मॉ ने उनको घास को जी भर कर देखने दिया।

बच्चे बोले — "ओह, दुनियॉ कितनी बड़ी है मॉ।"

मॉ ने कहा — "मेरे बच्चो, इस सबसे भी अधिक है दुनियॉ में देखने के लिये। इस मैदान से चारों ओर रास्ते जाते हैं और बहुत दूर दूर तक जाते हैं। मैं भी अभी उतनी दूर तक नहीं गयी हूॅ। तुम जब बड़े हो जाओ तब उधर जाना।

अभी मेरा काम पूरा नहीं हुआ है। अभी तो यह बड़ा अंडा सेने को है। पता नहीं इसे अभी कितने दिन लगेंगे। मैं बहुत थक गयी हूॅ।" और फिर वह उस बड़े अंडे पर बैठ गयी।

एक और बतख उससे मिलने आयी तो उस बतख ने उससे पूछा "कैसा चल रहा है?"

घोंसले में बैठी बतख बोली — "एक अंडे को बहुत समय लग रहा है। ऐसा लगता है जैसे कि इसमें से बच्चा निकलेगा ही नहीं।

दूसरों को देखो, वे सब कितने प्यारे बच्चे हैं, अपने पिता की तरह। और वह गन्दा पिता, वह कभी मेरे पास आने की सोचता भी नहीं।"

बूढ़ी बतख ने कहा — "ज़रा उस अंडे को मैं भी तो देखूँ, हो सकता है वह टर्की का अंडा हो। एक बार मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ था।"

फिर वह अंडा देख कर बोली — "अरे, यह तो टर्की का ही अंडा है। इसे छोड़ दो। मेरा कहा मानो तो इसको ऐसे ही रहने दो।"

घोंसले वाली बतख ने जवाब दिया — "अब जब इतने दिन तक मैंने इसको सेया है तो कुछ समय और सही।"

"जैसा तुम चाहो।" कह कर वह बूढ़ी बतख वहाँ से चली गयी।

कुछ दिनों बाद वह बड़ अंडा भी फूट गया और बच्चा बोला "पिप, पिप"। वह बच्चा बहुत बड़ा और बदसूरत था।

माँ ने उसको देखा और बोली — "यह कितना बड़ा बतख है और दूसरे बच्चों से कितना अलग भी है। मुझे लगता है कि यह टर्की का ही बच्चा है। कोई बात नहीं अभी पता चल जायेगा। यदि यह बतख का बच्चा है तो पानी में तैरेगा नहीं तो नहीं।"

अगले दिन मौसम अच्छा था तो मॉ बतख अपने बच्चों को साथ ले कर पानी में निकली। "क्वैं क्वैं, जल्दी आओ।" और एक एक कर के उसके सारे बच्चे पानी में कूद गये।

पल भर के लिये वे पानी में डूब गये परन्तु तुरन्त ही फिर होशियार तैराकों की तरह से तैरने लगे। वे सारे बच्चे पानी में ही थे। वह बदसूरत बच्चा भी तैर रहा था।

मॉ बतख ने सोचा — "यह बच्चा तो टर्की का बच्चा नहीं है। देखो तो कितनी अच्छी तरीके से तैरने के लिये वह अपनी टॉगों का इस्तेमाल कर रहा है। वह मेरा बच्चा है। वह सुन्दर भी है।

क्वैं क्वैं, मेरे पीछे आओ बच्चो, मैं तुम्हें दुनियॉ दिखाऊॅ। मेरे पास ही रहना और बिल्ली का ख्याल रखना।" कह कर वह बतख दूसरी बतखों की तरफ चल दी।

बड़ी ज़ोर ज़ोर से आवाजें आ रही थीं। लगता था कि दो बतख परिवार लड़ रहे थे। मॉ बतख ने देखा कि एक बिल्ली एक सॉप जैसी मछली[24] का सिर ले कर जा रही है।

"ओह, तो दोनों परिवारों में से किसी को यह सिर नहीं मिला इसी लिये वे दोनों परिवार लड़ रहे थे। बच्चो, यही है तुम्हारी ज़िन्दगी। उसको भी अगर उस सिर का एक टुकड़ा मिल जाता तो अच्छा रहता।"

---

[24] They meant Eel fish. See its picture above.

फिर उसने अपने बच्चों से कहा — "अरे, अपनी टॉगों का ठीक से इस्तेमाल करो और हिलते हुए मेरे पास आओ। और देखो उस बतख के सामने अपनी गर्दन ठीक से झुकाना क्योंकि वह बहुत ही इज़्ज़तदार बतख है हमारे लिये।

यह स्पेन के पुराने खानदान की बतख है इसी लिये इतनी मोटी है। उसकी टॉग के चारों ओर वह लाल पट्टी देखो, इसका मतलब है कि इसका मालिक इसको कभी अपने से दूर नहीं करेगा और आदमी और जानवर दोनों ही इसका आदर करेंगे। अब अपनी गर्दन झुकाओ और बोलो क्वैं।"

बच्चों ने अपनी मॉ का कहा माना लेकिन दूसरी बतखों ने देखा और बोलीं — "क्या हमें इन सबके लिये जगह देनी होगी? क्या यहॉ पर पहले ही अधिक भीड़ नहीं है? और उस बड़े वाले को देखो ज़रा। हम लोग उसके साथ तो किसी तरह भी नहीं रह सकते।"

और एक बतख उड़ी और उस बदसूरत बच्चे की गर्दन में काट लिया।

मॉ बतख ने कहा — "उसे छोड़ दो, उसने तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ा है।"

जिस बतख ने उसे काटा था वह बोली — "वह बहुत बड़ा है और शरारती है, हम उसको एक दो बार तो मजा चखायेंगे ही।"

बूढ़ी बतख जिसकी टॉगों में लाल पट्टी थी, बोली — "बधाई हो। तुम्हारे बच्चे बहुत ही प्यारे हैं। पर उसको क्या हुआ वह जो पीछे की तरफ है, क्या तुम उसके बारे में कुछ सोच सकती हो?"

मॉ बतख बोली — "वह सुन्दर तो नहीं है और उसका स्वभाव भी बड़ा अजीब सा है पर वह तैरता बहुत अच्छा है बल्कि दूसरों से कुछ ज़्यादा ही अच्छा तैरता है।

वह अपने अंडे में देर तक रहा शायद इसी लिये उसकी शक्ल ऐसी हो गयी है। जैसे जैसे वह बड़ा होता जायेगा शायद और सुन्दर हो जाये।"

बूढ़ी बतख ने उसकी गर्दन सहलायी और बोली — "फिर वह तो नर बतख है जिसकी शक्ल ज़्यादा माने नहीं रखती। इसका स्वास्थ्य अच्छा है बस यह सबसे अच्छी बात है।

मुझे पूरा भरोसा है कि वह अपने आपको दुनियॉ में रहने के लायक जरूर बना लेगा। तुम्हारे दूसरे बच्चे सुन्दर हैं। अब तुम घर बैठो और जब कभी तुम्हें उस मछली का सिर मिल जाये तो तुम उसे मेरे पास ले आना।" सो वे सब अपने घर चले गये।

लेकिन वह बदसूरत बच्चा बेचारा बहुत परेशान था। उसको बतखें ही नहीं बल्कि मुर्गियॉ भी बहुत तंग करतीं थीं। वे सभी ज़ोर ज़ोर से बोलती थीं — "अरे यह तो बहुत बड़ा है, अरे यह तो बहुत बड़ा है।"

एक बार एक टर्की मुर्गे ने जो कलंगी के साथ ही पैदा हुआ था और अपने आपको किसी बादशाह से कम नहीं समझता था उसके ऊपर से उड़ कर इतनी ज़ोर से छलॉग लगाई और उसको अपनी चोंच से इतना तंग किया कि उसका तो चेहरा ही नीला पड़ गया।

वह बेचारा बहुत दुखी हुआ क्योंकि वह बहुत बदसूरत था और सभी उसका मजाक बनाते थे।

पहला दिन तो उसके लिये बुरा था ही पर हर अगला दिन उसके लिये और बुरा ही होता गया। सब उसके पीछे भागते सो वह बेचारा कभी इधर भागता तो कभी उधर।

उसके भाई बहिन भी उसको बहुत तंग करते। वे कहते — “भगवान करे तुम्हें बिल्ली उठा कर ले जाये।”

यहॉ तक कि उसकी मॉ भी उससे छुटकारा पा लेना चाहती थी। बतखें उसे काटती थीं, मुर्गियॉ उसको चोंचें मारती थीं और रसोई की नौकरानी जब सबके लिये अच्छा खाना लाती थी तो उसको वह खाना वह पैर से मार मार कर देती थी।

जब वह यह सब और ज़्यादा नहीं सह सका तो उससे वहॉ नहीं रहा गया और किसी प्रकार वह वहॉ से उड़ कर दूसरी तरफ की जमीन पर झाड़ियों में आ गया तभी उसको चैन आया।

लेकिन वहॉ बहुत सारी छोटी छोटी चिड़ियॉ बैठी थीं वे उसको खतरा समझ कर उड़ कर उससे बहुत दूर जा बैठीं।

बतख के बच्चे ने सोचा, "शायद मैं बहुत बदसूरत हूँ इसी लिये ये यहाँ से उड़ गयीं।" और उसने अपनी आँखें बन्द कर लीं और वह वहाँ से भी दौड़ गया।

दौड़ते दौड़ते वह एक ऐसी जगह आ पहुँचा जहाँ जंगली बतखें रहती थीं। वह थका माँदा रात भर वहीं पड़ा रहा।

सुबह को वहाँ की जंगली बतखें उस अजनबी को देखने आयीं। वे उसको चारों तरफ से घूर घूर कर देखने लगीं फिर बोलीं — "तुम किस जाति के बतख हो?"

बच्चा कुछ नहीं बोला बल्कि सिर झुका झुका कर चारों ओर इधर उधर देखने लगा।

उन्होंने फिर कहा — "तुम हमारे यहाँ तब तक रह सकते हो जब तक तुम हमारे यहाँ की किसी बतख से शादी नहीं कर लेते।"

पर उस बेचारे को शादी से क्या करना था उसे तो केवल रहने के लिये जगह चाहिये थी। वह उन जंगली बतखों के साथ दो दिन रहा।

तीसरे दिन वहाँ दो जंगली हंस आये। उनको भी अंडे से निकले हुए ज़्यादा दिन नहीं हुए थे।

वे उस बच्चे को देख कर चिल्लाये — "हालाँकि तुम इतने बदसूरत हो पर फिर भी हम तुम्हें पसन्द करते हैं। क्या तुम हमारे साथ दुनियाँ देखना पसन्द करोगे? यहीं पर पास में एक और मैदान है जहाँ बहुत सारे सुन्दर सुन्दर हंस रहते हैं।

वे बहुत छोटे हैं और बोलना सीखना चाहते हैं। क्योंकि तुम उनसे बिल्कुल अलग हो इसलिये वे शायद तुम्हें अपने पास रख लें।"

इतने में खटाक, खटाक, दो आवाजें हुईं और वे दोनों हंस पत्थर की मार से मर कर वहीं दलदल में गिर पड़े। पानी में खून ही खून हो गया।

और फिर दो आवाजें और आयीं, खटाक, खटाक, और जंगली हंसों का झुंड वहाँ से उड़ गया। ऐसी ही कुछ और भी आवाजें हुईं।

असल में वहाँ कुछ शिकारी आ गये थे। कुछ पेड़ों पर चढ़े हुए थे और कुछ पेड़ों के पीछे छिपे हुए थे। उनके शिकारी कुत्ते कीचड़ में छप छप करते भागे आ रहे थे।

बेचारा बतख का बच्चा बहुत डरा हुआ था। उसने अपना सिर अपने पंखों के बीच में छिपा लिया।

बच्चे के मुँह से एक आह निकली — "भगवान तुम्हारा लाख लाख धन्यवाद है कि मैं इतना बदसूरत हूँ कि कुत्ते भी मेरा कुछ बिगाड़ना नहीं चाहते।"

वह वहीं पर काफी देर तक शान्त पड़ा रहा। जब गोलियों की आवाजें आनी बन्द हो गयीं तो वह वहाँ से भाग लिया।

शाम को वह एक बहुत पुराने और टूटे फूटे मकान के पास आ पहुँचा। उसने देखा कि मकान के दरवाजे का एक कब्जा[25] कुछ टूटा हुआ था जिससे उसमें जाने के लिये जगह बन गयी थी।

वह मकान एक बुढ़िया का था और वह बुढ़िया वहाँ अपनी मुर्गी और बिल्ले के साथ रहती थी। उसके बिल्ले का नाम सोनी था और वह अपनी मुर्गी को बहुत प्यार करती थी।

अगली सुबह बिल्ले ने बतख के बच्चे को देख लिया और उसने गुर्राना शुरू कर दिया और मुर्गी ने कुकड़ूँ कूँ की आवाज निकालनी शुरू कर दी। उनकी आवाज सुन कर बुढ़िया बाहर निकली।

उस बुढ़िया को कम दिखायी देता था इसलिये उसने बतख के बच्चे को मोटी बतख समझ लिया।

वह बोली — "चलो अच्छा हुआ मुझे यह बतख मिल गयी, अबसे मैं इसको भी खाया करूँगी। अच्छा हो अगर यह नर बतख न हो। कोई बात नहीं यह भी जल्दी ही पता चल जायेगा।"

बच्चा वहाँ तीन हफ्ते तक रहा पर उसने कोई अंडा नहीं दिया। बिल्ला उस घर का राजा था और मुर्गी वहाँ की रानी थी।

एक दिन मुर्गी ने बतख से पूछा "क्या तुम अंडे दे सकते हो?"

बच्चे ने कहा "नहीं"।

"तो चुप रहो। ज़्यादा शोर मचाने की जरूरत नहीं।"

[25] Translated for the word "Hinge". See its picture above.

बिल्ले ने पूछा — "क्या तुम अपनी कमर मोड़ सकते हो? मेरी तरह गुर्रा सकते हो?"

"नहीं"

"तब तो तुम्हारे अन्दर अक्ल ही नहीं है। यह काम तुम दूसरे अच्छे लोगों पर छोड़ दो।"

वह बतख का बच्चा दुखी सा एक कोने में बैठा था। अब उसे ताजा हवा और धूप खाने की इच्छा हो आयी। उसके मन में तैरने की भी इच्छा थी। तैरने की इच्छा उसकी इतनी तेज़ थी कि वह इस इच्छा को मुर्गी से कह बैठा।

मुर्गी ने उसे डॉटा — "क्या मामला है। ऐसा लगता है कि खाली बैठे बैठे तुम्हारे दिमाग में शरारतें आती हैं। या तो अंडे दो या फिर गुर्राना सीख लो तब तुम ठीक हो जाओगे।"

"लेकिन पानी पर तैरना कितना अच्छा लगता है। पानी में कूद मारने में कितना मजा आता है।"

"लगता है तुम्हारी अक्ल चरने चली गयी है। मैं और बिल्ला और हमारे घर में सबसे अक्ल्मन्द वह बुढ़िया तैरने के बारे में क्या सोचते हैं, कुछ मालूम है तुम्हें? पूछो पूछो। अरे अपना सिर भिगोना किसको अच्छा लगेगा?"

"तुम मेरी बात ही नहीं समझ पा रही हो मुर्गी रानी।"

"अच्छा, अगर मैं तुम्हारी बात नहीं समझ पा रही तो कौन समझ पायेगा? ज़रा बताओ तो? अब यह मत कहना कि बिल्ले और बुढ़िया से अधिक अक्लमन्द भी कोई और है इस दुनियाँ में।

और तुम अब बोलो नहीं। तुमको तो भगवान को धन्यवाद देना चाहिये कि तुम हम जैसे दयावान दोस्तों के बीच में हो।

मेरी बातें तुम्हें खराब लग रही होंगी मगर वह सब तुम्हारी भलाई के लिये ही है। हम तुम्हारे दोस्त हैं। तुम्हारी भलाई इसी में है कि या तो तुम अंडे देना शुरू कर दो या फिर गुर्राना सीख लो।"

"मैं तो यहाँ से बाहर जाना चाहूँगा।"

"जैसी तुम्हारी इच्छा।"

बच्चा यह सुन कर वहाँ से चल दिया। वह पानी के ऊपर तैरा, उसने पानी के नीचे डुबकी मारी मगर वह जहाँ भी गया वहीं उसे उसके साथ वालों ने घूरा क्योंकि वह बहुत बदसूरत था।

पतझड़ आया, जंगल के पेड़ों के पत्ते पीले और कत्थई रंग के होने लगे। हवा ठंडी हो गयी, बेचारा बच्चा बड़ी कठिनाई से अपना समय गुजार रहा था।

एक शाम एक झाड़ी में से बहुत ही सुन्दर चिड़ियों का झुंड निकला। बच्चे ने ऐसी चिड़ियाँ पहले कभी नहीं देखी थीं। वे हंस थे। वे सब दूध जैसे सफेद थे और उनकी गर्दनें भी खूब लम्बी लम्बी थीं। वे सब खूब ऊँचे उड़ रहे थे।

खूब ठंड पड़ रही थी। बतख का बच्चा पानी में चारों तरफ तैरता रहा ताकि पानी जमने न पाये परन्तु पानी का घेरा दिन ब दिन कम होता जा रहा था। पर क्योंकि ठंड बहुत थी सो एक दिन वह पानी में जम गया।

अगली सुबह एक किसान उधर से निकला तो उसने अपनी कुल्हाड़ी से बर्फ तोड़ कर उस बच्चे को बाहर निकाला और अपने घर ले आया। यहाँ आ कर बच्चे की जान में जान आयी।

किसान के बच्चे उसके साथ खेलना चाहते थे पर बच्चा बहुत डरा हुआ था। वह डर के मारे वहाँ से उड़ा तो दूध की भरी बालटी में जा पड़ा। सारा दूध छपाक से कमरे में बिखर गया।

किसान की पत्नी ने चीख कर हाथ हिलाया तो वह मक्खन के बर्तन में जा पड़ा और वहाँ से फिर आटे के डिब्बे में जा पड़ा।

वह औरत फिर चीखी और अबकी बार वह बच्चे के पीछे डंडा ले कर दौड़ी। उसके पीछे उसके बच्चे भी बतख के बच्चे को पकड़ने के लिये दौड़े।

यह अच्छा था कि उस समय दरवाजा खुला था सो बच्चा बाहर निकल कर एक झाड़ी में छिप गया। जाड़े भर बच्चा खूब परेशान रहा। फिर वसन्त आ गया।

यकायक उसने अपने पंख फैलाये। उसके पंख फैलाने में जैसी आवाज हुई वैसी आवाज पहले कभी नहीं हुई थी और इससे पहले कि वह इस बारे में कुछ सोचता वह एक बगीचे में खड़ा था।

सेब के पेड़ फूल रहे थे। वहॉ पास में ही तीन हंस घूम रहे थे। उन्होंने भी अपने पंख फैलाये और पानी के ऊपर बड़ी शान से तैरने लगे। उनको देख कर वह बच्चा बहुत दुखी हो गया।

उसने सोचा कि मैं उन चिड़ियों के पास चलूॅ पर कहीं ऐसा न हो कि वे मेरी बदसूरती की वजह से अपने पास आने के जुर्म में मेरा भुरता ही बना दें।

मगर मैं बतखों से काटे जाने की बजाय इन हंसों के हाथ से मर जाना ज़्यादा पसन्द करूॅगा। और यह सोच कर वह तुरन्त अपने पर फैला कर पानी के ऊपर उड़ गया। जब उन्होंने एक बतख को आते देखा तो वे अपने आधे खुले पंखों से उसके पास आये।

बतख का बच्चा डर के मारे चिल्लाया — "मुझे मार दो, मुझे मार दो।" और उसने अपना सिर नीचा कर दिया इस उम्मीद में कि अब तो वे उसे मार ही देंगे।

तभी उसने पानी में अपनी परछॉई देखी और देखा कि अब वह बदसूरत बतख का बच्चा नहीं रह गया था बल्कि खूबसूरत हंस बन गया था।

उसके बतख के घर में पैदा होने से कोई फर्क नहीं पड़ता था। वह कहीं भी रहता वहीं हंस बनता। क्योंकि वह हंसों के अंडे से निकला था इसलिये हंस बना।

तभी कुछ बच्चे आ गये और उन्होंने उनको रोटी और केक के टुकड़े फेंके और कहने लगे — "देखो, उस सबसे छोटे और नये हंस को देखो, वह कितना सुन्दर है।"

वह नया हंस उन बच्चों की यह बात सुन कर बहुत खुश हुआ।
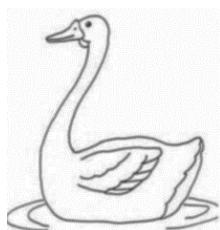
3 जादूगर उबानेर और उसका मोम का मगर[26]

वैस्टकार पैपीरस[27] में लिखी हुई जादूगर उबानेर और उसके मोम के मगर की कहानी राजकुमार खफ्रा अपने पिता राजा खूफू को सुनाते हैं। यह कहानी इस तरह है —

“तीसरे राजवंश के एक राजा नैबका[28] के राज में एक बहुत ही बढ़िया जादूगर रहता था जिसका नाम था उबानेर। वह मैमफिस के पीटा मन्दिर के खैर–हैब[29] का सरदार था। वह बहुत ही पढ़ा लिखा और एक लायक आदमी था।

उसकी शादी तो हो गयी थी पर उसकी पत्नी एक नौजवान किसान को चाहती थी जो खेतों में काम करता था। एक बार उसने उसको बढ़िया कपड़ों की भेंट भेजी।

इस भेंट के मिलते ही उसने जादूगर की पत्नी से शादी करने की इच्छा प्रगट की। उसने कहा कि वह इस बारे में जादूगर की पत्नी के साथ उसके बागीचे वाले घर में बात करेगा।

वह उसके घर गया। दोनों बैठ कर बातें करने लगे। दोनों ने शाम तक खूब बीयर पी। फिर किसान अपने घर चला गया।

---

[26] The Magician Ubaaner and His Wax Crocodile – tale from Egypt, Africa.
This story taken from the Web Site : https://www.experience-ancient-egypt.com/ancient-egyptian-culture/ancient-egyptian-literature/the-magician-ubaaner-his-wax-crocodile

[27] Westcar Papyrus

[28] Nebka was one of the Kings from Third Dynasty

[29] Kher-Heb of Ptah temple of Memphis

घर के नौकर को पता चल गया कि क्या हुआ था। उसने सोचा कि वह इस बात की खबर अपने मालिक को जरूर देगा। जैसे ही सुबह हुई वह उबानेर के पास गया और उसे बताया कि उसकी पत्नी ने क्या किया था।

उबानेर ने अपने नौकर से अपना ऐबोनी लकड़ी का बक्सा जिस पर सोने चाँदी का काम किया गया था लाने के लिये कहा। इस बक्से में उसके जादूगरी का सामान और औजार रखे हुए थे।

उसमें से उसने थोड़ा सा मोम निकाला और उसकी एक मगर की शक्ल बनायी। इसके बाद उसने उसके ऊपर कुछ जादू के शब्द पढ़े और उससे कहा जब वह नौजवान किसान मेरी झील में नहाने आये तो तू उसके पैर पकड़ लेना।

यह कहने के बाद उसने वह मगर अपने नौकर को दे दिया और उससे कहा कि जब वह नौजवान किसान मेरी झील में नहाने के लिये आये जैसे कि वह रोज आता है तो तुम इस मगर को उसके पीछे छोड़ देना।

कुछ समय बाद एक दिन और किसान और उसकी पत्नी ने अपने बागीचे वाले घर में साथ साथ गुजारा।

घर से जाने के बाद वह झील में नहाने के लिये घुसा। नौकर ने मालिक के कहे अनुसार उसका पीछा किया और वह मोम का मगर उसके पीछे झील में फेंक दिया। मगर पानी में गिरते ही सात

क्यूबिट[30] लम्बा एक मगर बन गया और उस नौजवान को खा गया।

जब यह सब हो रहा था तो उबानेर राजा के पास बैठा हुआ था। वह वहाँ सात दिन तक रहा। उस समय नौजवान झील में था और उसको साँस लेने के लिये हवा भी नहीं मिल पा रही थी।

सात दिन के बाद राजा ने उबानेर से कहा कि "चलो ज़रा सैर कर के आते हैं।"

जब वे लोग सैर कर रहे थे तो उबानेर ने राजा से पूछा कि क्या वह कोई आश्चर्यजनक चीज़ देखना चाहता था जो एक नौजवान किसान के साथ हुई थी। राजा राजी हो गया।

उबानेर राजा को झील के किनारे ले गया। वहाँ पहुँच कर उबानेर ने मगर पर एक जादू फेंका और उसको नौजवान किसान के साथ झील में से बाहर आने के लिये कहा।

जब राजा ने उसे देखा तो राजा डर गया पर जादूगर ने निडर हो कर उसको अपने हाथ में उठा लिया। लो वह बड़ा मगर तो वहाँ से गायब हो गया और उसकी हथेली पर बस एक मोम का मगर का पुतला रखा रह गया।

उसके बाद उबानेर ने राजा को उस मोम के मगर की कहानी सुनायी कि यह सब क्या हुआ था।

[30] 1 Cubit = 18" long, so 7 Cubit long means approximately 3 and ½ yards long.

हिज़ मैजेस्टी ने मोम के मगर से कहा — "तुम तुरन्त जाओ और तुम्हारा जो कुछ भी हो उसे भी अपने साथ ले जाओ।"

आश्चर्य। वह मोम का पुतला उस नौजवान को ले कर झील में चला गया और एक बार फिर से ज़िन्दा मगर बन गया। वह नौजवान को ले कर वहाँ से चला गया और फिर किसी को नहीं मालूम कि उसका क्या हुआ।

तब राजा ने उबानेर की पत्नी को पकड़वा मँगवाया। उसके नौकर उसकी पत्नी को पकड़ कर महल के उत्तर की तरफ ले आये। वहाँ ला कर उसको जला दिया गया। उसकी राख नदी में बहा दी गयी।"

जब खूफू ने यह कहानी सुन ली तो उसने अपने पुरखे नैबका की कब्र पर बहुत सारी भेंटें चढ़ायीं। और उबानेर को भी बहुत सारी भेंटें दीं।

इस तरह किसान और उस जादूगर की पत्नी का यह अन्त हुआ।

4 जब एक चूहा वजीर बना[31]

जब चूहा वजीर बना – यह कहानी एक बहुत ही सुन्दर जानवरों की कहानी है जिसे पुराने मिस्र के लोग बहुत पसन्द करते थे। जानवर मिस्र के लोगों की ज़िन्दगियों का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा थे।

यहाँ तक कि देवी देवता भी जानरों का रूप रख लिया करते थे। वे उन जानवरों की पूजा भी करते थे जिनमें वहाँ की जनता को किसी देवी देवता के गुण दिखायी पड़ जाते थे – जैसे साँपों को भगाना या फिर उनके बच्चों की रक्षा करना।

पर वे पुराने मिस्र के लोगों के लिये एक मनोरंजन का साधन भी थे। इनमें सबसे ज़्यादा लोकप्रिय और मजेदार कहानी है "शेर और बकरे का शतरंज खेलना"।

पर अभी हम आपको एक चूहे की कहानी सुनाते हैं जिसको किस तरीके से मशहूर होने की बजाय शर्म उठानी पड़ी।

एक बार जानवरों के राज्य में फैरो का एक वजीर था जो बहुत ही अक्लमन्द न्याय करने वाला और दयालु था। उसकी सलाह की बहुत कद्र की जाती थी और वह सारे राज्य के कामों की बड़ी अच्छी तरह से देखभाल करता था।

पर वह 110 साल का था। एक दिन वह लेटा और मर गया।

---

[31] The Mouse as a Vizier – tale from Egypt, Africa.
This story taken from the Web Site : https://www.experience-ancient-egypt.com/ancient-egyptian-culture/ancient-egyptian-literature/mouse-as-vizier

अब राजा को दूसरा वजीर चाहिये था। उसने दूसरे वजीर की खोज शुरू की पर उसके दरबार में उतना अक्लमन्द कोई भी नहीं था जो शेर को अपने वजीर की जगह जँच सके। तो उसने सोचा कि वह एक पहेली रखेगा और जो कोई भी उसे हल कर देगा वह उसको अपना वजीर बना लेगा।

उसने पूछा — "शहद से मीठा क्या है और पित्त[32] से कड़वा क्या है?"

पहेली का यह सन्देश चारों तरफ फैला दिया गया कि जो कोई इस पहेली का जवाब देगा उसको राजा शेर अपना वजीर बनायेंगे। सब जानवर इस बारे में विचार करने लगे कि ऐसा क्या हो सकता है जो शहद से मीठा हो और पित्त से कड़वा हो।

पर यह सवाल तो बहुत मुश्किल था। करीब करीब चाँद का एक महीना गुजर गया और कोई इसका जवाब ले कर राजा के पास नहीं पहुँचा। राजा अब नाउम्मीद हो चुका था। उसको लग रहा था कि अब उसके राज्य में कोई इतना अक्लमन्द जानवर ही नहीं है जिसे वह अपना वजीर बना ले।

कि एक दिन एक छोटा चूहा राजा के पास दौड़ा आया और चिल्ला कर बोला — "वजीर का दफ्तर।"

[32] Translated for the word "Bile". Bile is the juice of food which helps in digestion.

जवाब तो ठीक था सो चूहे को जानवरों के राज्य का नया वजीर बना दिया गया। राजा ने उसको बहुत सारा सोना दिया और उसको बताया कि एक वजीर के क्या क्या काम होते हैं।

इस तरह से चूहा जानवरों के राज्य का वजीर बन गया।

अब यह तो बड़ी खुशी की बात थी सो सब जगह चूहे के वजीर बनने के उत्सव मनाये जाने लगे। चूहे के पैर धोये गये। उसके गले में एक बो बॉधी गयी।

एक बिल्ले ने उसको वाइन पीने के लिये दी। एक दूसरे नौकर ने उसके ऊपर पंखा झला। इस रस्म को देखने के लिये उसका परिवार एक गाड़ी में बैठ कर आया। साथ में उसके रिश्तेदार और दोस्त भी आये।

चूहा आ कर एक छोटे से मंच पर बैठ गया। उसने बहुत बढ़िया कपड़े पहने हुए थे। उसके सिर पर एक कमल का फूल लगा हुआ था। एक जानवर उसके पीछे खड़ा था। सारी जगह फूलों की मालाऐं ही मालाऐं लगी हुई थीं।

एक बिल्ले ने चूहे को खाना ला कर दिया। उसके पीछे पीछे एक लोमड़ा आया जिसने चूहे का फूलों का गुलदस्ता दिया। लोमड़ा बहुत घबरा रहा था और वह कुछ हकलाता सा बोल रहा था।

एक लोमड़ा हार्प बजा रहा था और चूहे की प्रशंसा में उसे बिना रुके लगातार बजाये जा रहा था।

और दूसरे जानवर भी उसका सम्मान करने के लिये वहाँ आये। उन्होंने उसे भेंटें भी दीं। किसी ने उसे कपड़े दिये किसी ने गहने। किसी ने उसे हथियार दिये तो किसी ने वाइन। किसी ने उसे फूल दिये तो किसी ने कुछ और।

संगीत बराबर चलता रहा और सब कुछ शान्ति से निपट गया।

पर इस हॅसी खुशी के बीच कुछ परेशानियाँ उठ खड़ी हुईं। पहली तो यह कि जब मगर चूहे को अपनी शुभकामनाऐं देने आया तो वह अपने साथ एक छोटी सी मछली ले कर आया था जो उसे बहुत अच्छी लगती थी।

एक मादा हयीना ने जब उसे देखा तो वह उसको बहुत स्वादिष्ट लगी। उसको देख कर उसके मुँह में पानी आ गया। जब उसने उसे खाना चाहा तो मगर ने अपनी पूँछ फटकार कर उसको मादा हयीना से बचा लिया। अच्छा हुआ कि छोटी सी मछली को कोई नुकसान नहीं पहुँचा।

एक कुत्ते के बच्चे ने यह सब होते हुए देखा लिया तो उसने जा कर अपनी माँ से कहा। माँ इस घटना को वजीर को बताना चाहती थी पर जो मादा हयीना उस मछली को खाना चाहती थी उसके पति

ने कुतिया से विनती की कि वह अभी जा कर उसे न बताये क्योंकि इससे शान्ति भंग होने का डर था।

कुतिया मान गयी और सारा दिन बिना किसी बड़ी घटना के निकल गया।

अब जब सब कुछ खत्म हो गया तो चूहे ने अपना दफ्तर सॅभाला। अपना काम करना शुरू किया। जानवरों के लड़ाई के मुकदमे।

एक बार एक कुत्ते और एक बिल्ले को जो अपराधी थे उसने जेल भेज दिया। अब उसका गुस्सा होने वाला और झगड़ने वाला स्वभाव दिखायी दे रहा था।

वह बहुत जल्दी गुस्सा हो जाता और गुस्से में भर कर किसी को भी बहुत कड़ी सजा दे देता। यह खास करके तब ज़्यादा होता जब मुकदमा चोरी का होता।

एक बार नूबिया[33] का एक बच्चा एक बिल्ले से पिट कर वहॉ आया। नूबिया के बच्चे ने केवल कुछ खजूर चुरा लिये थे इसी लिये उस बिल्ले ने उसे पीटा था। और बच्चा कितना भी चिल्लाया रोया चूहे ने उसको और ज़्यादा सजा के लिये कह दिया।

जब फैरो ने यह सुना तो उसने चूहे को बुलाया और उससे अपनी गलती सुधारने के लिये कहा।

---

[33] Nubia means larger Ethiopia

अब चूहे ने क्या किया?

उसने नूबिया के बच्चे को पकड़ा और उससे बिल्ले को पीटने के लिये कहा। उसने कहा "बिल्ले ने तुझे पीटा तो अब तू बिल्ले को पीट।"

अब बिल्ले ने तो कुछ किया नहीं था। उधर नूबिया का बच्चा भी यह करने से हिचक रहा था पर चूहे ने उससे जबरदस्ती बिल्ले को इतना पिटवाया कि वह रोने लगा।

यह सुन कर फैरो फिर से बहुत गुस्सा हो गया। वह अपने राज्य में किसी तरह का गर्म दिमाग वाला जानवर नहीं रखना चाहता था। सो उसने चूहे से उसका वजीर का ओहदा छीन लिया और सब चूहों को जमीन के नीचे रहने का हुक्म दे दिया।

इसी लिये तब से सारे चूहे जमीन के अन्दर रहते हैं।

5 टूटे हुए जहाज़ के नाविक की कहानी[34]

टूटे हुए जहाज़ के नाविक की कहानी एक ऐसी कहानी है जो मध्य साम्राज्य के समय की है। यह अपनी तरह की अकेली ही कहानी है – जहाज़ टूटने पर समुद्र के किनारे पर फेंके जाने वालों की कहानियॉ, वीरान टापुओं की कहानियॉ और समुद्री यात्राओं की कहानियॉ।

यह कहानी सेंट पीटर्सबर्ग के इम्पीरियल म्यूजियम में एक पैपीरस पर लिखी हुई पायी गयी। जिस लिखने वाले ने इसकी नकल की उसका नाम मिलता है – अमेनी–अमेना।[35] इसका मतलब होता है "चालाक उँगलियों वाला"।

यह कहानी शुरू होती है कि एक नौकर अपने मालिक को उसकी समुद्री यात्रा से वापसी पर तसल्ली दे रहा है क्योंकि वह अपने मिशन में फेल हो चुका है। नाविक बेचारा चिन्तित है कि राजा क्या कहेगा पर उसका नौकर उसको सलाह देता है कि इस परेशानी के समय में उसे किस तरह से बर्ताव करना चाहिये।

इस समय वह नौकर अपनी एक समुद्री यात्रा का हाल बताता है कि कैसे उसका जहाज़ टूट गया था और फिर वह कैसे बचा।

---

[34] Tale of the Shipwrecked Sailor – tale from Egypt, Africa.
This story taken from the Web Site : https://www.experience-ancient-egypt.com/ancient-egyptian-culture/ancient-egyptian-literature/tale-of-the-shipwrecked-sailor

[35] Ameni-Amenaa – the scriber's name

अक्लमन्द नौकर बोला — "अपने मन को शान्त रखिये मालिक क्योंकि इतने दिनों तक जहाज़ पर रहने के बाद हम लोग कम से कम अपने देश वापस आ गये हैं। हमारे जहाज़ ने हमारी धरती को छू लिया है। सारे लोग एक दूसरे के गले लग लग कर खुशियाँ मना रहे हैं।

इसके अलावा हम सब तन्दुरुस्त हैं और सब ज़िन्दा हैं हममें से कोई भी खोया नहीं है। हालाँकि हम लोग सेनमुत होते हुए ववात यानी नूबिया[36] के किनारे तक हो आये हैं फिर भी हम सब शान्ति से वापस आ गये हैं और अब अपनी धरती देख रहे हैं।

मेरे मालिक सुनिये मेरा और कोई सहारा नहीं है। जा कर नहाइये धोइये और अपनी कहानी हिज़ मैजेस्टी से कहिये।"

मालिक बोला — "तुम्हारा दिल अभी भी कुछ घूमते हुए से शब्द कह रहा है। पर हालाँकि किसी आदमी का मुँह उसे बचा सकता है या फिर उसके शब्द उसके चेहरे को ढक सकते हैं पर तुम जो कुछ मुझसे कहलवाना चाहते हो वह मुझसे साफ साफ कहो।"

नाविक बोला — "अब मैं आपको वह बताता हूँ जो कुछ मेरे साथ हुआ, मेरे अपने साथ। एक बार मैं फैरो की खानों तक जा रहा था। मैं एक जहाज़ पर समुद्र में निकल गया। जहाज़ एक सौ पचास क्यूबिट[37] लम्बा और चालीस क्यूबिट चौड़ा था।

---

[36] We have been to Wawat, means Nubia, means Gretaer Ethiopia. through Senmut (Kush)

[37] 1 Cubit = 18", so 150 Cubit = 150 x 18" = 2700" = 75 yards long

उसमें मिस्र के सबसे अच्छे एक साह पचास जहाज़ को खेने वाले थे जिन्होंने सातों आसमान और धरती देखे हुए थे। जिनके दिल शेर के दिलों से भी मजबूत थे।

उन्होंने कहा कि हवा उलटी तो नहीं बहेगी या फिर बहेगी ही नहीं। पर जैसे ही हम धरती के पास पहुँचे कि हवाऐं चलने लगीं। वे इतनी तेज़ चल रही थीं कि वे समुद्र की लहरों को आठ आठ क्यूबिट तक ऊपर उठा रही थीं।

जहाँ तक मेरा सवाल था मैंने एक लकड़ी का लट्ठा पकड़ रखा था पर जो लोग जहाज़ में थे वे सब मर गये। उनमें से एक भी नहीं बचा। एक लहर ने मुझे एक टापू पर फेंक दिया। उसके बाद तीन दिन तक मैं वहाँ अकेला ही रहा जहाँ मेरे दिल के अलावा मेरे कोई और साथी नहीं था।

मैं वहाँ एक झाड़ी मे लेटता और उसकी छाया ही मेरे ओढ़ने की चादर थी। किसी चीज़ को पकड़ने के लिये जब मैं अपने हाथ आगे बढ़ाये तो मुझे अंजीर सब तरह के अनाज कई तरह के तरबूज और मछलियाँ और चिड़ियें ही मिलीं। वहाँ किसी चीज़ की कोई कमी नहीं थी।

मैंने खूब पेट भर कर खाया और थोड़ा सा अपनी बाँहों मे भरा और जो कुछ ज़्यादा था उसे वहीं पर छोड़ा। फिर मैंने एक गड्ढा खोदा और उसमें आग जला कर देवताओं को भेंट दी।

अचानक मैंने बिजली की सी आवाज सुनी जो मुझे लगा जैसे किसी बड़ी लहर की आवाज थी। उससे बहुत सारे पेड़ हिल गये धरती भी हिल गयी। मैंने अपना चेहरा उघाड़ कर चारों तरफ देखा तो पाया कि एक बहुत बड़ा साँप मेरी तरफ आ रहा है।

वह तीस क्यूबिट लम्बा था और उसकी दाढ़ी तो दो क्यूबिट से भी ज़्यादा लम्बी थी। उसके शरीर पर सोना लगा था। उसका रंग सच्ची लजूली जैसा था यानी चमकीला नीला था। वह मेरे सामने कुंडली मार कर बैठा हुआ था।

तब उसने अपना मुँह खोला। मैं उसके सामने मुँह के बल लेटा हुआ था कि वह बोला — "तुम यहाँ क्यों आये हो, तुम यहाँ क्यों आये हो। ओ छोटे आदमी। तुम यहाँ क्यों आये हो। अगर तुम मुझे जल्दी से यह नहीं बताओगे कि तुम इस टापू पर क्यों आये हो तो मैं तुम्हें खुद बता दूँगा कि तुम कौन हो।

अगर तुम मुझे कुछ नहीं बताओगे जो मैंने नहीं सुना या जो मैं नहीं जानता तो फिर जैसे लपट गायब हो जाती है वैसे ही तुम भी गायब हो जाओगे।"

कह कर उसने मुझे अपने मुँह में ले लिया और मुझे अपने घर ले गया और मुझे बिना किसी तकलीफ के लिटा दिया। मैं बिल्कुल ठीक था उसने मेरा कुछ नहीं बिगाड़ा था।

उसने फिर मेरे सामने मुँह खोला और फिर पूछा — "तुम यहाँ क्यों आये हो, तुम यहाँ क्यों आये हो। ओ छोटे आदमी। तुम यहाँ

इस टापू पर क्यों आये हो जो समुद्र में है और जिसके किनारे लहरों के बीच में हैं।"

तब मैंने हाथ जोड़ कर उससे कहा — "राजा के हुक्म से मैं खानों पर जाने के लिये जहाज़ पर चढ़ा था। उस जहाज़ की लम्बाई एक सौ पचास क्यूबिट थी और चौड़ाई चालीस क्यूबिट। उसके ऊपर मिस्र के सबसे अच्छे एक सौ पचास नाविक सवार थे जिन्होंने धरती और आसमान सब देखा हुआ था। और जिनके दिल शेरों से भी ज़्यादा मजबूत थे।

उन्होंने कहा था कि हवा उलटी नहीं बहेगी या फिर बहेगी ही नहीं। हर नाविक एक दूसरे से ज़्यादा हिम्मत वाला था और नाव खेने में ज़्यादा होशियार था। और मैं भी उनमें से किसी से कम नहीं था।

सो जब हम समुद्र में थे तो एक बहुत बड़ा तूफान आया। हम मुश्किल से किनारे पर पहुँचे थे कि हवाऐं और तेज़ हो गयीं और लहरें भी आठा आठ क्यूबिट ऊँची उठने लगीं।

जहाँ तक मेरा सवाल था मैंने लकड़ी के एक टुकड़े को पकड़ लिया। जहाँ तक नाव में बैठे लोग थे सब डूब गये उनमें से एक भी नहीं बचा। मैं इस टापू पर आ गया और यहाँ तीन दिन तक पड़ा रहा। अब आप मेरे सामने हैं। मुझे यहाँ समुद्र की एक लहर ला कर पटक गयी है।"

तब वह साँप बोला — "डरो नहीं डरो नहीं ओ छोटे आदमी। दुखी भी मत हो। अब तुम मेरे पास आ गये हो इसका मतलब यह है कि भगवान तुम्हें ज़िन्दा रखना चाहता है। क्योंकि यह वही है जो तुम्हें इस सुन्दर टापू पर ले कर आया है जहाँ किसी चीज़ की कोई कमी नहीं है। और जो सब अच्छी चीज़ों से भरा हुआ है।

देखो न जब तुम एक एक कर के यहाँ चार महीने गुजार दोगे तब तुम्हारे देश से एक जहाज़ यहाँ आयेगा तब तुम उनके साथ अपने देश चले जाना। यकीन रखो तुम अपने ही शहर में मरोगे।

तुमसे बात कर के मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। जो बातें करने में आनन्द लेता है वह दुख के समय को जल्दी गुजार लेता है। मैं यहाँ अपने भाइयों और बच्चों के साथ रहता हूँ। हम अपने बच्चों और नाती पोतों के साथ यहाँ पिचहत्तर साँप हैं।

हमारे पास एक बहुत ही छोटी साँपिन है जो मेरे पास अभी अभी लायी गयी है। हमने अभी उसका नाम भी नहीं रखा है। उस पर भगवान की आफत गिर पड़ी जिसने उसको जला कर रख कर दिया।

जहाँ तक तुम्हारा सवाल है अगर तुम मजबूत हो अगर तुम्हारा दिल धीरज से सब्र रख सकता है तो तुम अपने बच्चों और पत्नी को को अपने गले से जरूर लगाओगे। तुम अपने घर जरूर वापस लौटोगे जिसमें सब कुछ बहुत अच्छा है। तुम अपने देश जरूर लौटोगे और अपने प्यारों के बीच जरूर रहोगे।"

तब मैंने आदर से उसे सिर झुकाया और उसके सामने की जमीन छुई।

अब देखिये जो मैंने आपसे कहा था मैं उसको अपने फैरो के सामने भी कहूँगा। मैं उनको आपका बड़प्पन बताऊँगा। मैं आपके लिये पवित्र तेल और खुशबुऐं[38] लाऊँगा मन्दिरों की खुशबुऐं[39] लाऊँगा जो देवताओं को खुश करने के लिये इस्तेमाल की जाती हैं।

मैं उनको वह भी बताऊँगा जो मैंने देखा नहीं है और फिर वहाँ उस देश में आपकी प्रशंसा की जायेगी। मैं आपके लिये चिड़ियें ले कर आऊँगा और मिस्र का सब तरह का खजाना ले कर आऊँगा जो देवताओं को देने लायक होता है। आदमी के एक ऐसे दोस्त को जो एक दूर देश में रहता है जिसके बारे में दूसरे लोग नहीं जानते।"

यह सुन कर साँप जो उसके दिल में था उसको सोच कर मुस्कुराया। क्योंकि उसने मुझसे कहा — "तुम लोगों के पास कोई बहुत ज़्यादा खुशबुऐं नहीं हैं क्योंकि तुम्हारे पास जो कुछ है वह बस सामान्य खुशबुऐं हैं। मेरे पास क्योंकि मैं पुन्ट देश[40] का राजकुमार हूँ बहुत सारी खुशबुऐं हैं।

केवल तेल, जैसा कि तुम कहते हो कि तुम लाओगे, वह इस टापू पर बहुत ज़्यादा नहीं जाना जाता। पर जब तुम यहाँ से

---

[38] Translated for the word "Perfumes"

[39] This is used for "Incense"

[40] Land of Punt – A part of Ethiopia plus some part of Sudan together were called the "Land of Punt" in very ancient times.

जाओगे तो उसके बाद तुम्हें यह टापू फिर कभी दिखायी नहीं देगा। यहाँ समुद्र आ जायेगा।"

और देखो जैसा साँप ने मुझसे बहुत पहले कहा था जहाज़ मेरे पास आया तो मैं यह देखने के लिये एक ऊँचे पेड़ पर चढ़ गया कि उसमें कौन था। और जब मैंने उनको यह सब बताना चाहा तो उन्होंने कहा कि उनको तो यह सब पहले से ही मालूम था।

तब साँप ने मुझसे कहा — "विदा विदा। अपने घर जाओ। फिर से अपने बच्चों को देखो अपने शहर में अपना नाम ऊँचा करो। यही मेरी तुम्हारे लिये शुभकामना है।"

मैंने उसके सामने फिर सिर झुकाया अपनी बाँहें नीची कर के फैलायीं। उसने मुझे बहुत सारी भेंटें दीं – कीमती खुशबुऐं जैसे दालचीनी की, दूसरी खुशबूदार लकड़ियों की, काजल, अगरबत्ती की खुशबुऐं, हाथी दाँत बबून और बन्दरों के दाँत और बहुत सारी कीमती चीज़ें।

उस सब सामान के साथ मैं जहाज़ पर चढ़ गया। मैंने उसको सिर झुकाया और उसके भगवान से दुआ माँगी।

उसने मुझसे आगे कहा — "तुम दो महीने में अपने देश पहुँचोगे। तुम अपने बच्चों को अपनी छाती से लगाओगे फिर अपनी कब्र में आराम करोगे।"

इसके बाद मैं किनारे जा कर अपने जहाज़ में गया और उस जहाज़ के नाविकों को बुलाया। मैंने उस टापू के मालिक और उस पर रहने वालों की प्रशंसा की।

दो महीने में जब हम अपने देश फैरो के पास आये तो जैसा कि साँप ने कहा था हम महल जायेंगे। तब मैं फैरो के सामने जाऊँगा और वहाँ पहुँच कर मैं कहूँगा कि मैं आपके लिये उस टापू से कुछ भेंटें लाया हूँ। तब वह सबके सामने मुझे धन्यवाद देगा। तब तुम एक आदमी माँगना और मुझे फैरो के दरबारियों के सामने ले कर जाना।

जब मैं उससे मिल लूँ और यह साबित कर दूँ तब तुम मेरी तरफ एक नजर देखना। तुम यह मेरी विनती सुनो क्योंकि लोगों को सुनना अच्छा होता है। मुझसे कहा गया था कि "अक्लमन्द आदमी बनो तुम्हारी इज़्ज़त होगी।" और देखिये कि मैं ऐसा हो गया।"
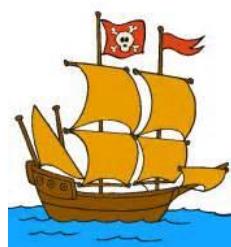
6 नीला ताबीज़[41]

मिस्र की यह कहानी वहाँ के फैरो स्नेफ्रू[42] को "अच्छे फैरो" का खिताब देती है। यह कहानी स्नेफ्रू के अच्छे स्वभाव और उसके दूसरों को खुश देखने के बारे में बताती है।

फैरो स्नेफ्रू बहुत पुराने फैरो खूफू[43] के पिता थे। खूफू ने गीज़ा के बड़े पिरैमिड[44] बनवाये थे। उन्होंने बहुत दिनों तक वहाँ बिना किसी विदेशी हमले के शान्तिपूर्वक राज्य किया।

एक बार फैरो स्नेफ्रू अपने मैमफिस[45] के महल में दिल बहलाने के लिये घूम रहे थे पर उनको वहाँ दिल बहलाने का कोई साधन नहीं मिल रहा था। तो उन्होंने अपने सबसे बड़े जादूगर ज़ाज़ामन्ख[46] को याद किया और उसको बुला भेजा।

उन्होंने कहा — "अगर कोई आदमी मुझे खुश करना चाहता है तो वह मुझे कोई नयी चीज़ दिखाये तो वही मेरा सबसे बड़ा लिखने वाला इतिहासकार है। सो ज़ाज़ामन्ख को बुला कर ले आओ।"

---

[41] The Turquoise Amulet – a tale from Egypt, Africa.
This story taken from http://www.aldokkan.com/art/amulet.htm

[42] Pharaoh Snefru – Pharaoh is the common title to denote the King of Egypt

[43] Ancient Pharaoh Khufu.

[44] Pharaoh Khufu built the Great Pyramids of Giza, Egypt.

[45] Memphis was the ancient capital of Aneb-Hetch, the first name of Lower Egypt. Its ruins are located near the town of Mit Rahina, 12 miles South of Cairo. It should be noted that Lower Egypt is the Northern part of Egypt while Upper Egypt is the Southern part of Egypt.

[46] Zazamankh – name of Pharaoh's magician

फैरो के नौकर ज़ाज़ामन्ख को तुरन्त बुला कर ले आये। ज़ाज़ामन्ख के आने पर फैरो स्नेफ़ू ने उससे कहा — "मैंने अपने सारे महल में खुशी ढूँढने की बहुत कोशिश की पर मुझे कहीं खुशी नहीं मिली। अब केवल तुम्हारी ही कोई तरकीब ऐसा काम करेगी जो मेरा दिल खुश करेगी।"

ज़ाज़ामन्ख बोला — ओ फैरो, ज़िन्दगी, तन्दुरुस्ती और ताकत सब आपको मिले। मेरी सलाह यह है कि आप नील नदी में नाव से मैमफिस[47] के नीचे की तरफ जो झील है उसमें यात्रा करें। अगर आप मेरी बात मानेंगे तो आप बहुत खुश होंगे क्योंकि यह आपकी कोई मामूली यात्रा नहीं होगी।"

फैरो स्नेफ़ू बोले — "इस बात पर भरोसा रखते हुए कि तुम मुझको कोई नयी चीज़ दिखाओगे मैं अपने शाही नाव को तैयार करने का हुक्म देता हूँ। फिर भी मैं नील नदी में और मैमफिस के नीचे वाली झील में यात्रा करने से थक जाता हूँ।"

ज़ाज़ामन्ख बोला — "आप विश्वास रखें कि आपकी यह यात्रा कोई मामूली यात्रा नहीं होगी क्योंकि आपके नाव खेने वाले वे नहीं होंगे जो आपने पहले कभी अपनी पतवार चलाते देखे होंगे।

वे सब सुन्दर गोरी लड़कियाँ होंगी। वे फैरो की स्त्रियों के शाही महल से होंगी और जब आप उनको नाव खेते देखेंगे, चिड़ियों को

[47] Memphis – ancient capital of Egypt, 12 miles South of Giza

झील के ऊपर उड़ते देखेंगे, किनारे पर खुशबू वाले मैदान और हरी घास देखेंगे तब आपका दिल बहुत खुश हो जायेगा।"

फैरो उसकी बात मानते हुए और इस यात्रा में कुछ रुचि दिखाते हुए बोले — "सचमुच यह तो नया अनुभव होगा। इस यात्रा का इन्तजाम भी मैं तुम्हीं को सौंपता हूँ ज़ाज़ामन्ख।

तुमको मेरी तरफ से पूरी आज़ादी है। इस यात्रा के लिये तुमको जो कुछ भी चाहिये वह तुम सब मेरी तरफ से माँग सकते हो।"

उसके बाद ज़ाज़ामन्ख ने फैरो स्नेफ्रू के औफीसरों और नौकरों को बीस काली आबनूस की लकड़ी[48] की पतवार बनाने का हुक्म दिया।

उन पतवारों पर सोने का काम हुआ हो और जिनका आगे का हिस्सा हल्की लकड़ी का बना हुआ हो और उस हल्की लकड़ी पर अस्सी प्रतिशत सोने और बीस प्रतिशत चाँदी की मिली जुली धातु[49] का काम हुआ हो।

नाव की पतवार चलाने के लिये उसने फैरो के महल से कम से कम बीस सुन्दर लड़कियाँ लाने के लिये कहा जो पतली दुबली और सुडौल हों, देखने में सुन्दर हों और उनके बाल लम्बे हों।

---

[48] Translated for the word "Ebony Wood" – this wood is pitch black, heavy, shiny and the insects and worms do not eat it.

[49] 80% gold mixed with atleast 20% silver metal is called Electrum. This metal was used to make jewelry in ancient times.

बीस सोने के तारों वाले जाल का इन्तजाम करने के लिये कहा जिनको वे बीस लड़कियाँ कपड़ों की जगह पहनेंगीं। उनको सोने और सोने चाँदी के मिली जुली धातु के गहने भी पहनने होंगे।

यह सब ज़ाज़ामन्ख के कहे अनुसार कर दिया गया और फ़ैरो अपनी शाही नाव में बैठ गये। लड़कियों ने नील नदी में नाव खेना शुरू कर दिया और वे सब झील के बीच तक पहुँच गये।

फ़ैरो स्नेफ़ू का दिल झील पर बैठे बैठे नाव खेने वालियों को देख कर बहुत खुश हुआ क्योंकि वे वह काम कर रही थीं जो उनका काम नहीं था। ऐसा लगता था जैसे ओसिरिस[50] के धरती के ऊपर राज करने के सुनहरे दिन आ गये हों।

पर तभी झील पर यात्रा करते हुए उन खुश लोगों के साथ एक बुरी घटना घटी।

शाही नाव की उठी हुई तरफ जिधर दो लड़कियाँ नाव खे रही थीं उनमें से एक लड़की की तरफ की पतवार का हत्था उसके शरीर से छू गया और वह अपने सिर में जो नीला ताबीज़ पहने हुए थी वह निकल कर पानी में गिर गया। तुरन्त ही वह पानी में डूब गया और आँखों से ओझल भी हो गया।

उस लड़की के मुँह से एक छोटी सी चीख निकली और वह उसको देखने के लिये नीचे झुकी। उसका गाना रुक गया साथ में

[50] Osiris is the afterlife God or the God of Underworld of Egyptians

उस तरफ की दूसरी लड़कियों का भी गाना और नाव का खेना भी रुक गया।

फैरो ने पूछा — "अरे यह नाव का खेना क्यों रुक गया?"

लड़कियों ने जवाब दिया — "हमारी एक नाव खेने वाली ने नाव खेना रोक दिया इसलिये हम भी नाव नहीं खे पा रहे।"

फैरो स्नेफ्रू ने उस लड़की से पूछा — "और तुमने नाव खेना क्यों रोक दिया?"

वह लड़की सुबकती हुई बोली — "फैरो, मुझे माफ करें। ज़िन्दगी, तन्दुरुस्ती और ताकत सब आपको मिले। मुझे पतवार छू गयी और उसके छूने की वजह से वह सुन्दर ताबीज़[51] जो मुझे मैजेस्टी ने दिया था निकल कर पानी में गिर गया और हमेशा के लिये खो गया।

फैरो बोले — "तुम पहले की तरह से नाव चलाओ मैं तुमको दूसरा ताबीज़ दे दूँगा।"

पर वह लड़की रोती ही रही — "मुझे अपना वही ताबीज़ वापस चाहिये मैजेस्टी दूसरा कोई नहीं।"

इस पर फैरो बोले — "केवल एक ही आदमी है जो उस नीले ताबीज़ को जो झील के पानी में डूब गया है ढूँढ सकता है। मेरे जादूगर ज़ाज़ामन्ख को बुला कर लाओ। उसी ने मेरी इस यात्रा को

[51] Translated for the word "Amulet". Amulet is something which is given usually by saints to remove bad effects of anything by its magical powers.

सुझाया था वही हमारा यह काम भी करेगा। उसको मेरी शाही नाव पर ले कर आओ।"

सो ज़ाज़ामन्ख को फैरो की शाही नाव पर फैरो के सामने लाया गया। फैरो स्नेफ्रू अपनी शाही नाव पर अपने रेशमी शामियाने के नीचे बैठे थे। ज़ाज़ामन्ख ने आ कर फैरो को सिर झुकाया।

जैसे ही ज़ाज़ामन्ख ने आ कर फैरो को सिर झुकाया तो फैरो ने कहा — "ज़ाज़ामन्ख, मेरे भाई मेरे दोस्त। तुमने जैसा कहा मैंने वैसा ही किया। मेरा दिल भी खुश हो गया और मेरी ऑखों को भी इन नाव खेने वालियों को देख कर बहुत अच्छा लगा।

जब हम झील के पानी पर घूम रहे थे तो ये नाव खेने वाली लड़कियॉ मेरे लिये गा रही थीं और मैं किनारे पर लगे पेड़ों फूलों और उड़ती हुई चिड़ियों को देख रहा था।

तो मुझे बस ऐसा लगा जैसे मैं उन सुनहरे दिनों में पहुँच गया हूँ जब रा[52] धरती पर राज किया करते थे। और या फिर उन दिनों में पहुँच गया हूँ जब ओसिरिस डुऐट[53] से लौट कर यहॉ राज करने आयेंगे।

पर इन लड़कियों में से एक लड़की के बालों से निकल कर एक नीला ताबीज़ अभी अभी झील के पानी में डूब गया है। इससे उसने

[52] Ra is the Sun God

[53] Duat – is the World of the Dead

गाना बन्द कर दिया तो उसकी तरफ की नाव खेने वाली लड़कियाँ भी अपनी पतवार चलाने के समय का ख्याल नहीं रख पा रहीं।

मै उससे कह रहा हूँ कि मैं उसको दूसरा ताबीज़ दिलवा दूँगा पर वह मान ही नहीं रही। कहती है उसको तो अपना वही ताबीज़ चाहिये।

ज़ाज़ामन्ख, मुझे वह नीला ताबीज़ उस लड़की के लिये चाहिये। देखना जब वह नीला ताबीज़ उसको मिल जायेगा तो वह कितनी खुश हो जायेगी।"

ज़ाज़ामन्ख जादूगर बोला — "फैरो, मेरे स्वामी, ज़िन्दगी, तन्दुरुस्ती और ताकत सब आपको मिले। मैं वही करूँगा जो आप कहते हैं क्योंकि मेरे जैसे होशियार जादूगर के लिये यह काम कोई मुश्किल काम नहीं है।

फिर भी यह एक जादू है जो आपने कभी नहीं देखा होगा। जब आप इसको देखेंगे तो आप आश्चर्य से भर उठेंगे। जैसा कि मैंने आपसे वायदा किया था यह यात्रा आपका दिल खुशियों से भर देगी और आपको नयी चीज़ें भी दिखायेगी।"

तब ज़ाज़ामन्ख नाव के ऊपर के किनारे की तरफ जा कर खड़ा हो गया और उसने अपने जादू और ताकत के शब्द पढ़ने शुरू किये।

फिर उसने अपनी जादू की छड़ी पानी के ऊपर घुमायी तो झील वहॉ से दो हिस्सों में फट गयी जैसे किसी ने तलवार से पानी के दो हिस्से कर दिये हों।

इस जगह झील बीस फीट गहरी थी। और जादूगर के छड़ी घुमाने से जो पानी हटा वह ऊपर उठने लगा और झील की सतह पर आ कर रुक गया। इस तरह से वहॉ पर पानी का एक बड़ा पहाड़ सा बन गया जो चालीस फीट ऊॅचा था।

शाही नाव उस खाली जगह में धीरे से नीचे उतर गयी और झील की तली में जा कर बैठ गयी। पानी के जिधर की तरफ चालीस फीट की ऊॅचाई थी उस तरफ बहुत सारी खाली जगह थी जहॉ उस झील की तली खुली पड़ी थी। वह तली सूखी और सख्त थी जैसी कि जमीन होती है।

और वहीं उस शाही नाव के ऊपरी हिस्से के नीचे उस लड़की का नीला ताबीज़ पड़ा हुआ था। जिस लड़की का वह ताबीज़ था वह लड़की खुशी से चिल्ला कर नाव के उसी तरफ उस सख्त जमीन पर कूद गयी, उसने अपना ताबीज़ उठाया और उसको अपने बालों में लगा लिया।

तुरन्त ही वह लड़की शाही नाव पर चढ़ आयी और एक बार फिर से उस नाव की अपनी पतवार अपने हाथों में सॅभाल ली।

ज़ाज़ामन्ख ने धीरे से अपना डंडा नीचे किया तो शाही नाव पानी की सतह के ऊपर आ गयी। फिर दूसरे ताकत वाले शब्दों के

कहने पर जैसे जादूगर के डंडे के ज़ोर से ही यह सब हो रहा हो वह पानी का टुकड़ा फिर से अपनी जगह वापस चला गया।

शाम की ठंडी हवा झील के पानी ऊपर फिर से ऐसे बहने लगी जैसे वहॉ कुछ हुआ ही न हो।

पर फ़ैरो स्नेफ्रू का दिल तो यह सब देख कर बहुत ही खुश हो गया और आश्चर्य से भर गया। वह बोला — "ओ ज़ाज़ामन्ख मेरे भाई, तुम तो सबसे ज़्यादा बड़े और सबसे ज़्यादा अक्लमन्द जादूगर हो।

तुमने तो मुझे आज बहुत बड़ा आश्चर्य दिखा कर मेरा दिल खुश कर दिया। तुम्हारा इनाम तो बस यही है कि जो तुम चाहो मॉग लो। मिस्र में मेरे से दूसरे नम्बर की जगह।"

उसके बाद वह शाही नाव शाम की चमक में झील पर तैरती वापस चल दी।

वे बीस नाव खेने वाली लड़कियॉ अपने सोने के तारों से बुने कपड़ों में और जवाहरातों से जड़े कमल के फूलों को अपने बालों में लगाये और अपने काले सोने और चॉदी का काम किये पतवारों को पानी में डुबोये पुराने मिस्र का कोई गीत गाती चली जा रही थीं।

"वह दूसरी तरफ खड़ी है। हमारे बीच नील नदी है और उस गहरे और चौड़े पानी में एक मगर है। इस पर भी मेरा प्यार इतना सच और मीठा है। एक ताकत का शब्द, एक जादू, यह नाला मेरे पैरों के नीचे धरती की तरह है।

और मुझे बिना कुछ नुकसान पहुँचाये हुए सँभाले हुए है क्योंकि मैं वहाँ आऊँगा जहाँ वह खड़ी है। फिर हम अलग नहीं होंगे। फिर मैं अपनी प्रिये का हाथ अपने हाथ में लूँगा और उसको अपने सीने से लगा लूँगा।"

7 एक वाकचतुर किसान की कहानी[54]

इस कहानी की क्या खूबी है कि यह कहानी यह बताती है कि कैसे पुराने मिस्र का कानून एक सामान्य आदमी के लिये काम करता था। हम लोग मिस्र के बारे में जो कुछ जानते हैं वह उसके पैपीरस पर लिखे हुए के अनुसार ही जानते हैं जो बड़े लोगों के मकबरों में मिलते हैं। ये लेख उनके जीवन का हाल बताते हैं।

वाक चतुर किसान की कहानी जिस पैपीरस पर लिखी हुई मिलती है वह आजकल ब्रिटिश लाइब्रेरी और रौयल लाइब्रेरी औफ बर्लिन में रखी हुई है।

यह कहानी शायद चौथे राजवंश के राजा नैबकौरे खेती[55] के समय की है और हैरक्लियोपोलिस[56] में हुई थी। यह **1800** बी सी की बात है।

एक बार की बात है कि सैचैत–हैमत में एक हूनानुप[57] नाम का किसान था। उसके एक पत्नी थी। एक बार उसने मिस्र जाने की सोची ताकि वह अपने बच्चों के लिये रोटी ला सके सो उसने अपनी पत्नी से कहा कि वह भंडारघर में जा कर वहाँ अनाज देख ले कि

[54] Tale of the Eloquent Peasant – tale from Egypt, Africa.
This story taken from the Web Site : https://sourcebooks.fordham.edu/ancient/1800egypt-peasant.asp [From George A Barton. "Archaeology and the Bible", 3rd edition. 1920. pp 418-421.]

[55] King Nebkaure Kheti of the Fourth Dynasty

[56] Herakleopolis – modern day "Beni Suef"

[57] Hunanup peasant of Sachet-hemat

उसमें कितने बुशैल अनाज है। मैं बच्चों के लिये रोटी लाने के लिये मिस्र जा रहा हूँ।

उसने अपनी पत्नी के लिये आठ बुशैल अनाज मापा। फिर उसने अपनी पत्नी से कहा "दो बुशैल अनाज तुम्हारे और तुम्हारे बच्चों के लिये काफी है। और छह बुशैल अनाज मेरी यात्रा के लिये बीयर और रोटी बनाने के लिये रख दो ताकि मैं उसे अपनी यात्रा में खा सकूँ।"

फिर उसने सैचैत–हमेत का सारा सामान अपने गधों पर लादा और दक्षिण की तरफ एहनास[58] को चल दिया। वह जब परफ़ैफ़ी[59] तक पहुँचा तो वहाँ उसने एक आदमी को किनारे पर खड़ा पाया। जिसका नाम था दहूतीनख्त[60] और वह इसैरी का बेटा[61] था जो कभी सरदार मैरूटैन्सी[62] के खेतों में काम करने वाला एक मजदूर था।

दहूतीनख्त ने जब हूनानुप को बोझे से लदे हुए गधे ले जाते देखा तो उसने सोचा क्यों न इसको लूट लिया जाये। दहूतीनख्त का घर पास में ही था और वह रास्ता जो किसान को पार करना था उसके एक तरफ पानी था और दूसरी तरफ राजा के अनाज का खेत था।

[5858] Ehnas – name of a place in Egypt
[59] Per-fefi – name of a place in Egypt
[60] Dehuti-Nekht
[61] Son of Iseri
[62] Chief Meruitensi

दहूतीनख्त ने अपने एक नौकर से चिल्ला कर जल्दी से एक शाल लाने के लिये कहा जिसे उसने रास्ते के बीच में बिछा दिया – पानी के किनारे से ले कर दूसरी तरफ अनाज के ढेर तक। इससे सारा का सारा रास्ता रुक गया।

जब किसान उस बिछे हुए शाल तक आया तो दहूतीनख्त बोला — "ओ किसान ज़रा सॅभल के। देखो मेरे कपड़े खराब मत कर देना।"

किसान बोला — "जैसा तुम कहो। मैं अपने रास्ते चला जाऊँगा।" सो जब वह अपने रास्ते जा रहा था तो उसे शाल से अनाज के ढेर की तरफ से निकल कर जाना था तो दहूतीनख्त बोला — "क्या मेरा अनाज का ढेर ही तुम्हारा रास्ता है?"

किसान बोला — "मैं अपने रास्ते जा रहा हूँ। नदी का किनारा बहुत ढालू है तो रास्ता तो अनाज के ढेर की तरफ से ही जाता है। बाकी सड़क तो तुमने अपना कपड़ा बिछा कर रोक रखी है। तो क्या तुम मुझे इधर से नहीं जाने दोगे?"

दहूतीनख्त चुप रह गया तो किसान अनाज के ढेरों की तरफ से चल दिया। अब क्या था उसके एक गधे ने उस अनाज के ढेर में से एक बार मुँह भर कर अनाज खा लिया।

दहूतीनख्त बोला — "देखो तुम्हारे गधे ने मेरा अनाज खाया है इसलिये मैं तुम्हारा गधा ले लूँगा।"

किसान फिर बोला — "मैं तो ठीक रास्ते से जा रहा हूँ। सड़क के एक तरफ का रास्ता तो तुमने रोक रखा है तो मुझे अपने गधे को दूसरी तरफ से ले जाना पड़ा तो क्या तुम केवल इसलिये मेरा गधा ले लोगे कि उसने तुम्हारा केवल एक कौर अनाज खाया है?

पर मैं इस खेत के मालिक को जानता हूँ। यह सरदार मैरूटैन्सी का खेत है। वह इस देश में हर चोर को सजा देता है। तो क्या तुम समझते हो कि मैं उसके राज में लूटा जाऊँगा।"

दहूतीनख्त बोला — "क्या लोग ऐसा नहीं कहते कि किसी भी गरीब का नाम उसके मालिक के नाम से जाना जाता है। यह मैं हूँ जो तुमसे कहता हूँ सरदार मैरूटैन्सी नहीं।"

फिर उसने पास के एक पेड़ से एक हरी डंडी तोड़ी और उससे उसको खूब मारा। उसने उसके गधे भी अपने मकान के कम्पाउंड में हॉक लिये।

किसान बेचारा जो उसके साथ किया गया था उसके दर्द के मारे बहुत रोया। दहूतीनख्त बोला — "ओ किसान इतना मत रोओ नहीं तो तुम मरे हुओं के शहर में पहुँच जाओगे।"

किसान बोला — "तुमने मुझे मारा मेरा सामान चुरा लिया तो क्या तुम मेरे मुँह से निकली चीखें भी ले सकते हो। ओ शान्ति रखने वाले। मेरा सामान मुझे वापस दे दो। अगर तुम मेरे चिल्लाने से इतना डर रहे हो तो मैं अपना चिल्लाना कभी बन्द नहीं करूँगा।"

वह चार दिन तक दहूतीनख्त से विनती करता रहा कि वह उसके गधे और उसका सामान लौटा दे पर उसने कुछ नहीं किया।

सो अब हूनानुप ने दक्षिण में एहनास जाने का फैसला किया ताकि वह सरदार मैरूटैन्सी से न्याय माँग सके। सरदार मैरूटैन्सी उसको रास्ते में ही मिल लिया। वह उस समय नाव पर चढ़ने के लिये अपने घर के कम्पाउंड से बाहर निकल रहा था।

उसको देख कर किसान बोला — "मैं आपको अपना हाल सुनाता हूँ। मेहरबानी कर के अपने एक भरोसे वाले नौकर को मेरे साथ आने की इजाज़त दीजिये ताकि वह आपको ठीक ठीक हाल सुना सके।"

तब सरदार मैरूटैन्सी ने अपना एक भरोसे का नौकर किसान के साथ भेज दिया और किसान ने उसको सब कुछ समझा बुझा कर वापस सरदार मैरूटैन्सी के पास भेज दिया।

तब सरदार मैरूटैन्सी ने उस मामले को अपने नीचे वाले अफसरों को बताया तो उसके साथियों ने कहा — "जनाब यह मामला तो आपके एक पुराने किसान के किसी दूसरे किसान के साथ झगड़ा करने का है।

देखिये यह तो उन किसानों में होता ही रहता है जो एक दूसरे के पास रहते हैं। क्या हम दहूतीनख्त को इस छोटे से काम के लिये पीटें। आप दहूतीनख्त को हुक्म दें वह आपके हुक्म का पालन करेगा।"

पहले तो सरदार मैरूटैन्सी कुछ देर तक चुप रहा। न तो उसने औफीसरों से ही कुछ कहा न उसने किसान से ही कुछ कहा। किसान सरदार मैरूटैन्सी से विनती करने के लिये पहली बार वहाँ आया और बोला — "सरदार मैरूटैन्सी माई लौर्ड। आप तो सब बड़ों में भी बड़े हैं। आप उन सबको रास्ता दिखाने वाले हैं जो हैं और जो नहीं हैं।

जब आप सच के सागर पर चलते हैं तो बस आप तो उसमें बहे चले जाते हैं। आपका जहाज़ खेने का तरीका इधर उधर नहीं होता। आपका जहाज़ बहुत तेज़ नहीं जाता। आपके जहाज़ के मस्तूलों के साथ कोई बुरी घटना नहीं होती। आपकी पतवार नहीं टूटती। इसलिये आप कहीं रुकते नहीं।

अगर आप तेज़ भी जाना चाहें तो लहरें आपके जहाज़ को रोकती नहीं। तब आप नदी की बुराइयों को नहीं जान पाते इसलिये आपको डर भी नहीं लगता। छोटी मोटी मछलियाँ तो आपके पास अपने आप ही आ जाती हैं आप तो बड़ी बड़ी चिड़ियों को भी पकड़ लेते हैं।

क्योंकि आप बेसहाराओं के पिता हैं विधवाओं के पति हैं। अकेले लोगों के भाई हैं। बिना माँ के बच्चों के कपड़े हैं। इस देश में मैं आपका नाम सारे अच्छे कानूनों से भी ऊपर रखता हूँ।

आप बिना किसी लालच के लोगों को रास्ता दिखाते हैं। आप नीच लोगों से लोगों की रक्षा करते हैं। आप धोखा देने वालों को

नष्ट करते हैं। आप लोगों में सच्चाई का बीज बोते हैं। बुराइयों को नष्ट करते हैं।

अब मैं आपसे कुछ कहता हूँ मेहरबानी कर के मेरी बात सुनें। न्याय कीजिये ओ प्रशंसा के लायक जिसकी प्रशंसक लोग भी प्रशंसा करते हैं। मेरा दुख दूर कीजिये। देखिये मेरे पास कितना सारा सामान है। मैं एक दुखी आत्मा हूँ। मेरे साथ न्याय हो मैं बहुत दुखी हूँ।"

मैरूटैन्सी को किसान की यह स्पीच इतनी अच्छी लगी कि उसने उसको एक दूसरे औफीसर के पास भेज दिया। दूसरे ने तीसरे के पास, तीसरे ने चौथे के पास, चौथे ने पाँचवे के पास... किसान यह सब बोलते बोलते थक गया।

जब किसान ने आठवीं बार उससे अपनी विनती कर ली तब नवीं बार उसने उससे कहा — "ओ सरदार। कोई भी आदमी किसी भी वजह से गिर सकता है। अच्छे व्यापारी के मन में लालच नहीं होता। उसका अच्छा व्यापार... आपका दिल लालची है। यह आप नहीं हैं। आप चोरी करते हैं यह आपके लिये ठीक नहीं है।

आपका रोज का खाना आपके घर में है। आपका पेट भरा हुआ है। ये औफीसर जो आपने न्याय करने के लिये लगा रखे हैं उनमें से ये लोग बेशर्म हैं जो आपने मक्खियों से रक्षा करने लिये लगा रखे हैं। आपके डर से मैं आपको बदनाम करने से नहीं रोक

सकता। अगर आप ऐसा सोचते हैं तो आपको मेरे दिल का पता ही नहीं है।

ओ चुप रहने वाले। जो भी अपनी मुश्किलें आपसे कहने के लिये आता है वह उनको आपके सामने कहने से डरता नहीं। आपकी जमींदारी इस देश में है। आपकी रोटी आपकी जमींदारी में है। आपका खाना आपके भंडार में है। आपके औफीसर आपको ला कर देते हैं और आप उनसे लेते हैं। तो क्या आप डाकू नहीं हैं? नहीं तो आप अपना अनाज अपने आप उगाइये।

सच के देवता के लिये सब काम सच सच कीजिये। आप लिखने वाले की कलम हैं। आप किताब का एक पन्ना हैं। आप थौट[63] देवता हैं। आपको तो अन्याय के पास भी नहीं फटकना चाहिये।

ओ गुणों वाले आपको तो गुणों से भरपूर होना चाहिये। इसके अलावा सच तो अन्त तक सच ही रहता है। वह उसी के साथ जाता है जो उसका मरते दम तक पालन करता है। वह ताबूत में रखा जायेगा और धरती को दे दिया जायेगा। पर उसका नाम धरती से नहीं जायेगा। लोग उसे उसके गुणों की वजह से हमेशा याद रखेंगे। यही दैवीय शब्दों का मतलब है।

तब क्या ऐसा है कि तराजू किसी ढाल पर खड़ी है? क्या यह भी सोचा जा सकता है कि तराजू एक तरफ को झुकी रहती है?

---

[63] Thoth god

ज़रा सोचिये। अगर यहाँ मैं नहीं आता, कोई और आता तो क्या आप चुप रह जाते?

आपको तो जवाब देना था। आपको तो चुप्पी में भी कुछ कहना था जैसे कोई शान्ति को जवाब देता है। जैसे कोई उसको जवाब देता है जिसने आपसे कुछ कहा भी न हो। आपने तो कुछ भी नहीं किया... आप बीमार तो नहीं हैं, आप कोई भागे हुए भी नहीं हैं, और आप मर भी नहीं गये हैं।

पर आपने मुझे मेरे उन शब्दों का भी कोई जवाब नहीं दिया जो सूरज देवता के मुँह से निकले हैं – "सच बोलो सच करो क्योंकि वह बहुत ऊँचा है। बहुत ताकतवर है। हमेशा रहने वाला है। वही तुम्हें पुन्य दिलवायेगा और वही तुम्हें इज़्ज़त की जगह पहुँचायेगा।"

क्योंकि तराजू ढाल पर तो नहीं खड़ी है। यह तो उनकी तराजू के पलड़े हैं जिनसे वे चीज़ें तौलते हैं। पर खाली तराजू के नहीं।"

इस नवीं स्पीच के बाद सरदार मैरूटैन्सी ने उसको सजा दे कर वापस भेज दिया। लेकिन फिर कुछ सोच कर दो आदमी उसको वापस लाने के लिये भेजे। इस पर किसान ने सोचा कि शायद उसको वहाँ प्यास लगे क्योंकि उसको तो उसने जो कुछ भी कहा है उसके लिये सजा मिली हुई है सो किसान बोला...

तब सरदार मैरूटैन्सी ने कहा — "डरो नहीं किसान। तुम मेरे साथ हो।"

किसान बोला — "मैं ज़िन्दा हूँ क्योंकि मैं हमेशा आपकी रोटी खाता हूँ और आप ही की बीयर पीता हूँ।"

सरदार मैस्रूटैन्सी बोला — "आओ यहाँ आओ।"

तब उसने अपने आदमियों को वे सब स्पीचें जो उसने कही थीं नये रौल्स पर लिख कर लाने के लिये कहा। मैस्रूटैन्सी ने उन सबको राजा नैबकौरे के पास भिजवा दिया जो लोअर और अपर मिस्र का राजा था।

उनको देख कर तो राजा अपने देश में किसी भी चीज़ को देखने से जो खुश होता उससे कहीं ज़्यादा खुश हुआ। हिज़ मैजेस्टी ने कहा — "इसको तो तुम जो सजा देना चाहो वह सजा तुम ही दे दो मेरे बच्चे।"

तब सरदार मैस्रूटैन्सी ने अपने दो आदमी दहूतीनख्त के घर के सामन की लिस्ट लाने के लिये सरकारी दफ्तर भेजे। उसके पास छह आदमी थे सो कुछ सामान उनमें से चुन कर, जो अनाज गधे सूअर आदि उसके पास थे..."

"इस कहानी का अंग्रेजी अनुवादक आगे लिखता है कि इसके बाद का हिस्सा पढ़ कर समझने लायक नहीं है पर उससे ऐसा लगता है कि सरदार मैस्रूटैन्सी ने दहूतीनख्त के सामान में से ये सब सामान चुन कर हूनानुप को दे दिया होगा। और फिर हूनानुप खुशी खुशी घर चला गया होगा।"
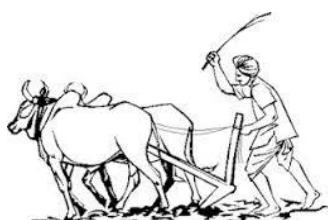
8 एक अभागे राजकुमार की कहानी[64]

एक बार की बात है कि मिस्र में एक राजा राज करता था जो बहुत दुखी रहता था क्योंकि उसके कोई बेटा नहीं था।

उसने देवताओं की बहुत पूजा की तो उन्होंने उसकी प्रार्थना सुनी। उन्होंने निश्चय किया कि उस राजा को उसका एक वारिस तो देना ही चाहिये।

समय आने पर राजा के एक बेटा पैदा हुआ। सात हैथोर[65] ने राजकुमार को नमस्ते की और उसकी किस्मत बतायी। उन्होंने कहा कि उस राजकुमार की मौत अचानक होगी – या तो मगर से, या तो सॉप से या फिर कुत्ते से।

---

[64] Tale of the Doomed Prince – is an ancient Egyptian story – dating to the 18th Dynasty.
When this story was first discovered it was complete, but since then the papyrus has been partially destroyed and the end of the story is lost. Any Amelia fan will know this story as "The Crocodile, the Snake and the Dog".

The surviving copy which is only partial, one of the tales in the Harris Papyrus No 500, dates to the New Kingdom. The papyrus is kept at the British Museum. It was apparently discovered intact, but its part of the papyrus was destroyed in an explosion.

This story is taken from http://www.reshafim.org.il/ad/egypt/texts/the_doomed_prince.htm
Its all notes have also taken from the same site.
It is available at this Web Site http://www.aldokkan.com/art/prince.htm also.

[65] Seven Hathors – in Egyptian mythology they write the destiny of the newborn at the time of his or her birth

राजकुमार की आयाओं ने राजा को बताया कि सात हथौर ने राजकुमार के भविष्य के बारे में क्या बताया। यह सुन कर राजा बहुत परेशान हो गया।

उसने तुरन्त ही अपने बेटे के लिये एक ऐसा घर बनाने का हुक्म दिया जो एक सुनसान जगह में हो ताकि उसके बच्चे की सुरक्षा वहॉ ठीक से हो सके।

वहॉ उसने काफी नौकर चाकर रखे, सब तरह की सुविधाऐं दीं और उन सब नौकरों को हिदायत कर दी कि राजकुमार को उसके रहने की जगह से बाहर बिल्कुल न ले जाया जाये।

बेटा धीरे धीरे बड़ा होने लगा और साथ में ताकतवर भी होता गया। एक दिन वह उस घर की एक चौरस छत पर चढ़ गया। वहॉ से उसने नीचे देखा तो देखा कि एक कुत्ता एक आदमी का पीछा कर रहा था।

यह देख कर उसको बड़ा आश्चर्य हुआ। उसने अपने एक नौकर से कहा — "यह क्या है जो सड़क चलते इस आदमी का पीछा कर रहा है?"

नौकर बोला — "यह कुत्ता है।"

लड़का बोला — "मुझे भी एक कुत्ता चाहिये। तुम मेरे लिये एक कुत्ता ले कर आओ।"

राजकुमार ने जब ऐसा कहा तो नौकर ने राजा को जा कर बताया तो राजा ने कहा कि उसको एक बच्चा कुत्ता ला कर दे दो

ताकि वह नाराज न हो। सो जैसा कि राजकुमार चाहता था उसको एक बच्चा कुत्ता ला कर दे दिया गया।

लड़का और बड़ा होता गया। अब वह जवान हो गया था और और भी ज़्यादा ताकतवर हो गया था। वह अब सचमुच में देश का राजकुमार लगता था।

अब वह उस अकेले घर में बेचैनी सी महसूस करने लगा सो उसने अपने राजा पिता को सन्देश भेजा — "पिता जी, आपने मुझे यहाँ कैदी बना कर क्यों रखा है। अगर मुझे या तो मगर से, या साँप से या फिर कुत्ते से ही मरना है तो यह तो भगवान की मर्जी है हम इसमें क्या कर सकते हैं।

पर अभी तो मुझे आप बाहर निकलने दीजिये और जब तक मैं ज़िन्दा हूँ मुझे अपने दिल की इच्छाऐं पूरी कर लेने दीजिये।"

राजा ने बेटे के सन्देश पर सोच विचार किया और फैसला किया कि वह अपने बेटे की इच्छा जरूर पूरी करेगा। उसने उसको एक रथ और सब तरह के हथियार दे दिये और उसके कुत्ते को उसके साथ रहने की इजाज़त भी दे दी।

राजा का एक नौकर उसको देश की पूर्वीय सीमा पर छोड़ आया कि अब आप आज़ाद हैं और जहाँ चाहे जा सकते हैं।

लड़के ने अपने कुत्ते को पुकारा और उसको ले कर वह उत्तर की तरफ चल दिया। वह अपना रास्ता अपने आप ही बनाता जा रहा था और ठीक से जा रहा था।

कुछ समय बाद वह नाहरीना[66] देश पहुँच गया। वहाँ जा कर वह एक सरदार के घर गया। इत्तफाक से इस सरदार के कोई बेटा नहीं था पर एक बहुत सुन्दर बेटी थी।

उसने अपनी बेटी के लिये एक बहुत ही शाही किस्म की मीनार बनवा रखी थी जिसमें सत्तर खिड़कियाँ थीं। और यह मीनार सात सौ फीट ऊँची एक पहाड़ी पर बनी हुई थी।[67]

यह लड़की बहुत जल्दी ही देश देश में मशहूर हो गयी और जब यह लड़की शादी के लायक हो गयी तो उसके पिता ने सब राजाओं और राजकुमारों को यह खबर भिजवा दी कि जो कोई भी इस पहाड़ी पर चढ़ेगा मैं उसी के साथ अपनी बेटी की शादी करूँगा।

अब हर दिन लोग उस पहाड़ी पर चढ़ने की कोशिश करते। एक दिन जब लोग इस तरह उस पहाड़ी पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे कि यह राजकुमार भी वहाँ पहुँच गया और उसने उनको पहाड़ी पर चढ़ते हुए देखा।

उन नौजवानों ने उसका स्वागत किया और उसको अपने घर ले गये। उन्होंने उसको नहलाया धुलाया, खुशबू लगायी और उसको खाना दिया। उसके घोड़े को घास और चारा खिलाया।

---

[66] In the country what is Syria today.

[67] House whose 70 windows were 700 feet above the ground.

उसके साथ उन्होंने बहुत अच्छा बर्ताव किया और उसको पहनने के लिये जूते दिये। फिर उन्होंने उससे पूछा — "ओ नौजवान, तुम कहाँ से आये हो?"

राजकुमार बोला — "मैं फैरो के एक सारथी का बेटा हूँ। मेरी माँ मर गयी तो मेरे पिता ने दूसरी शादी कर ली। वह मुझसे बहुत नफरत करती थी सो मैं घर छोड़ कर भाग आया।" इतना कह कर वह चुप हो गया।

उन्होंने उसको ऐसे चूमा जैसे वे अपने भाई को चूम रहे हों। फिर उन्होंने उससे कहा कि अगर वह चाहे तो कुछ दिन उनके पास ही रह सकता था। राजकुमार ने पूछा कि वह वहाँ रह कर क्या करेगा।

उन्होंने कहा — "हम लोग यहाँ पर रोज इस पहाड़ी के ऊपर बने हुए महल तक चढ़ने की कोशिश करते हैं ताकि इस सरदार की बेटी से शादी कर सकें। तुम भी वही करना।

उसकी लड़की बहुत सुन्दर है और वह अपनी बेटी की शादी उसी से करेगा जो इस पहाड़ी पर चढ़ कर उसके महल तक पहुँचेगा।"

अगले दिन उन्होंने फिर उस पहाड़ी पर चढ़ना शुरू किया और वह राजकुमार उन सबसे अलग खड़े रह कर उनको चढ़ते देखता रहा।

हर रोज ऐसा ही होता। वे लोग पहाड़ी पर चढ़ते और वह राजकुमार अलग खड़े रह कर उनको देखता रहता। पर वे लोग पहाड़ी पर चढ़ने की बेकार ही कोशिश करते रहते क्योंकि वे वहॉ तक चढ़ ही नहीं पाते।

जब यह सब कई दिनों तक चलता रहा तो एक दिन राजकुमार बोला — "अगर तुम लोगों को कोई ऐतराज न हो तो तुम्हारे साथ मैं भी इस पहाड़ी पर चढ़ने की कोशिश करूँ?"

उन लोगों ने उसको उस पहाड़ी पर चढ़ने की इजाज़त दे दी।

अब कुछ ऐसा हुआ कि उसी समय नाहरीना के सरदार की बेटी ने ऊपर से अपनी खिड़की से नीचे झॉक कर उन नौजवानों को देखा जो उस पहाड़ी पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे।

राजकुमार ने भी उस लड़की को देखा तो उसने भी दूसरे सरदारों के बेटों के साथ चढ़ना शुरू किया और ऊपर चढ़ता ही चला गया और तब तक चढ़ता ही रहा जब तक वह सरदार की बेटी की खिड़की तक नहीं पहुँच गया।

उसके वहॉ पहुँचते ही सरदार की बेटी ने उसको अपनी बॉहों में ले लिया और चूम लिया।

जो नौजवान लोग उस पहाड़ी पर चढ़ रहे थे उनमें से एक ने यह देखा तो वह सरदार का दिल खुश करने के लिये उसके पास दौड़ा गया और जा कर उसे बताया कि आखिर हममें से एक तुम्हारी बेटी के महल तक पहुँच ही गया है।

सरदार ने पूछा — "किसका बेटा है वह?"

वह नौजवान बोला — "वह लड़का कह रहा था कि वह फैरो के एक सारथी का बेटा है और अपनी सौतेली माँ के खराब बर्ताव से तंग हो कर मिस्र छोड़ कर यहाँ भाग आया है।"

यह सुन कर तो सरदार बहुत ही गुस्सा हुआ और गुस्से में भर कर बोला — "क्या मैं अपनी बेटी किसी मिस्र से भागे हुए नौजवान को दूँगा? नहीं नहीं। यह मैं नहीं कर सकता। उससे कहो कि वह तुरन्त ही अपने देश लौट जाये।"

यह कह कर उसने तुरन्त ही अपने दूतों को यह सन्देश ले कर उस मीनार में भेज दिया। उन्होंने उस राजकुमार से कहा — "जैसे तुम आये हो वैसे ही तुम अपनी जगह वापस चले जाओ।"

पर सरदार की बेटी तो उसको छोड़ ही नहीं रही थी। उसने भगवान से प्रार्थना की — "मैं रा हरमाचिस[68] के नाम की कसम खाती हूँ कि अगर यह मेरा नहीं बना तो न तो मैं कुछ खाऊँगी और न ही कुछ पियूँगी।"

जैसे ही उसने यह कहा तो वह तो बेहोश सी होने लगी जैसे कि मरने वाली हो। आये हुए दूतों में से एक दूत तुरन्त ही सरदार को यह बताने के लिये उसके पास दौड़ा गया कि कैसे उसकी बेटी ने कसम खायी और फिर कैसे वह बेहोश हो गयी।

---

[68] Ra Harmachis – same as Ra Horakhti, Horus of the Horizon, the morning Sun – Egyptian Sun god

सरदार ने अपने कुछ आदमी फिर से उस मीनार में भेजे कि अगर वह अनजान आदमी कुछ देर के लिये भी उस मीनार में रहे तो वे उसको मार दें।

जब वे मीनार में आये तो लड़की बोली — "भगवान की कसम अगर तुममें किसी ने भी मेरे दुलहे को छुआ तो मैं भी मर जाऊँगी। अगर तुमने उसको मुझसे छीन लिया तो उसके बाद मैं एक घंटे भी ज़िन्दा नहीं रहूँगी।"

एक दूत ने सरदार को फिर खबर दी कि आपकी बेटी ऐसा ऐसा कह रही है। सरदार बोला — "ठीक है उस अजनबी नौजवान को मेरे पास लाया जाये।"

सो राजकुमार को सरदार के पास ले जाया गया। राजकुमार बहुत डरा हुआ था पर लड़की के पिता ने उसको गले से लगाया और प्यार किया और बोला — "तुम वाकई में एक कुलीन नौजवान हो। अब तुम मुझे बताओ कि तुम कौन हो। मैं तुमको इतना प्यार करता हूँ जैसे मैं अपने बेटे को करता।"

राजकुमार बोला — "मेरे पिता फैरो की सेना में रथ चलाने का काम करते हैं। मेरी माँ मर गयी तो मेरे पिता ने दूसरी शादी कर ली। मेरी सौतेली माँ मुझे बिल्कुल पसन्द नहीं करती थी इसी लिये मैं घर से भाग आया।"

सरदार ने अपनी बेटी की शादी उस राजकुमार से कर दी। उनके लिये एक बहुत आलीशान मकान बनवा दिया। उस मकान के साथ में बहुत सारे नौकर चाकर थे, जमीन थी और जानवर थे।

कुछ समय गुजरने के बाद राजकुमार ने अपनी पत्नी को बताया कि मेरी मौत इन तीनों में से किसी भी तरह हो सकती है – या तो मगर से, या तो साँप से या फिर कुत्ते से।"

यह सुन कर उसकी पत्नी को उसकी सुरक्षा की बहुत चिन्ता हो गयी। उसने कहा तो कुत्ते को तो तुरन्त मार देना चाहिये।

राजकुमार बोला — "नहीं मैं अपने कुत्ते को मारने की इजाज़त कभी नहीं दूँगा। इसके अलावा वह मुझे कभी कोई नुकसान भी नहीं पहुँचायेगा।"

पर उसकी पत्नी को अभी भी उसकी सुरक्षा की चिन्ता थी। वह उसको कुत्ते को साथ ले कर अकेले कहीं नहीं जाने देती थी।

कुछ समय बाद वह राजकुमार अपनी पत्नी के साथ एक बार मिस्र गया तो वह उस जगह भी गया जहाँ वह पहले रहता था। उस समय उसके साथ एक बड़े साइज़ का आदमी[69] भी था।

वह बड़े साइज़ का आदमी उसको अँधेरे में कहीं बाहर जाने नहीं देना चाहता था क्योंकि वहाँ रोज रात को एक मगर नदी में से बाहर आता था।[70]

---

[69] Translated for the word "Giant"

[70] From the day that the boy had come out from the land of Egypt in order to travel about, the crocodile had been his fate. It appeared from the lake opposite him in the town in which that boy was

पर वह बड़े साइज़ का आदमी खुद ही उधर चला गया। मगर उससे बच नहीं सका क्योंकि उसने मगर के ऊपर जादू डाल दिया था।

रात को वह आदमी बाहर जाता था और सुबह को राजकुमार बाहर जाता था। सुबह को वह बड़े साइज का आदमी आ कर सो जाता था। यह सब दो महीने तक चलता रहा।

फिर कुछ समय और गुजर गया। एक दिन राजकुमार अपने घर में खुशियाँ मना रहा था। घर में बहुत बड़ी दावत हो रही थी। जब रात हो गयी तो वह आराम करने के लिये लेट गया और सो गया। उसकी पत्नी वहीं बैठ कर नहाने धोने में लग गयी।[71]

अचानक राजकुमार की पत्नी ने एक साँप देखा जो राजकुमार को काटने के लिये एक छेद में से निकल आया था। वह वहीं अपने पति के पास ही बैठी थी।

उस साँप को देखते ही उसने अपने नौकरों को आवाज लगायी कि वे एक कटोरा भर कर दूध ले आयें जिसमें शहद मिली शराब भी हो। नौकर उस तरह का दूध ले आये। उसने साँप को वह दूध पिला दिया।

---

living with his wife. However, a water spirit was in it. The water spirit would not let the crocodile emerge, nor would the crocodile let the water spirit emerge to stroll about. Both kept watch on each other. As soon as the Sun rose, they engaged there in fighting each other every single day over a period of two whole months.

[71] His wife filled one bowl with wine and another bowl with beer to anoint herself

वह दूध पी कर सॉप को नशा हो गया। अब वह मजबूर हो गया था और जमीन पर लोटने लगा। सरदार की बेटी ने अपना खंजर[72] निकाला और उसको मार कर अपने नहाने की जगह फेंक दिया।

जब उसने यह सब काम खत्म कर लिया तब उसने राजकुमार को जगाया। राजकुमार ने जब यह सब देखा तो उसने अपनी पत्नी की बहुत तारीफ की कि वह सॉप के काटे से मरने से बच गया।

उसकी पत्नी बोली — "भगवान ने मुझे यह मौका दिया कि मैं तुम्हारी मौत के तीन कारणों में से एक कारण को हटा सकूँ। वह मुझे दूसरे कारण को भी हटाने का मौका जरूर देगा।"

राजकुमार ने भगवान को भेंट दीं और उनके सामने लेट कर उनको प्रणाम किया। फिर वह रोज ही ऐसा करने लगा।

फिर कुछ समय गुजर गया। एक दिन राजकुमार अपने घर से घूमने के लिये कुछ दूर तक चला गया। वह अकेला नहीं था उसका कुत्ता भी उसके साथ था।

इत्तफाक से जाते समय उसके कुत्ते को एक जानवर दिखायी दे गया जिसको वह पकड़ना चाहता था सो वह उस जानवर के पीछे भागा तो राजकुमार भी उसके पीछे पीछे भागा।

---

[72] Translated for the word "Dagger" – large knife, many people keep it for their own safety. See the picture above.

भागते भागते वे एक नदी के किनारे आ पहुँचे। कुत्ता जानवर का पीछा करते करते नदी में घुस गया और बोला —"मैं ही तुम्हारी बदकिस्मती हूँ।"

सो राजकुमार उससे बच कर नदी में उससे पहले ही दौड़ गया[73] पर नदी में मगर था।

मगर ने राजकुमार को मारा नहीं बल्कि वह राजकुमार को वहाँ ले गया जहाँ पानी की आत्मा[74] रहती थी। असल में राजकुमार से लड़ने के लिये मगर को पहले उस आत्मा से सहायता चाहिये थी।

मगर बोला — "मैं तुम्हारी बदकिस्मती हूँ और मैं तुम्हारा पीछा करता ही रहूँगा। मैं उस बड़े साइज़ वाले आदमी से बहस तो नहीं करूँगा पर याद रखना कि मैं हमेशा तुम्हारे ऊपर नजर रखूँगा।

तुम मुझ पर उस बड़े साइज के आदमी की तरह से जादू तो डाल सकते हो पर अगर तुम मुझे फिर से आते देखोगे तब तुम निश्चित रूप से नष्ट हो जाओगे।"[75]

---

[73] Then his dog took on the power of speech, saying, "I am your fate." and thereupon he ran before it. Presently he reached the lake and descended into the water in flight before the dog. And so the crocodile seized him and carried him off to where the water spirit was, but he had left.

[74] Water Spirit

[75] When you will see me coming once again you will certainly perish – but it is two whole months now that I have been fighting with the water spirit. Now see, I shall let you go. If my [opponent returns to engage me] to fight, [come] and lend me your support in order to kill the water spirit. Now if you see the [...] see the crocodile." Now after dawn and the next day had come about, the [water spirit] returned.

इसके बाद फिर कुछ समय, दो महीने, बीत गया। राजकुमार फिर गया. . . ।[76]

यहाँ आ कर इस पैपीरस का टुकड़ा नष्ट हो गया है सो हम नहीं जानते कि इसके बाद में राजकुमार का क्या हुआ।[77]

ऐन्ड्रू लैंग के अनुसार

क्योंकि यह लोक कथा मिस्र की एक बहुत ही मशहूर लोक कथा है तो यह लोक कथा ऐन्ड्रू लैंग ने भी लिखी है। इसके आगे का हिस्सा हम ऐन्ड्रू लैंग की लिखी हुई कथा में कुछ इस तरह से पाते हैं।[78]

"एक दिन राजकुमार अपने कुत्ते को साथ ले कर शिकार के लिये जा रहा था कि वे एक नदी के किनारे आ पहुँचे। राजकुमार

[76] The rest of the text has been lost. According to Lichtheim the conclusion of the tale was probably a happy one.
[My note: It may be true because one doom has been removed by his wife; the second one probably is removed by the Giant; so the third one, of the dog, must have also removed by somebody else.]
[Note: This story is an example of an Egyptian folktale. It shows the existence of written and oral traditions in ancient Egyptian culture. The story also emphasizes the importance of the concept of fate to the Egyptian society. The idea of personal fate, destiny or doom surely played an integral role in people's lives. Besides, relationship between husband and wife – the husband is honest with his wife, and the wife protects her husband.

It also seems that the Egyptian prince was safe so long as he resided in a foreign country, and that may be the reason why his father had him conducted to the frontier. It would appear also that he had nothing to fear during the day. The crocodile is bewitched so long as the giant ties it in slumber.

[77] This story was interesting. I wish I could get the remaining part of this story. If somebody gets its remaining part, please send it to me on my E-Mail address given in the beginning of this book… Thanks.

[78] I am happy to get its last part from Andrew Lang's collection. This part of the story has been taken from the Web Site : https://fairytalez.com/the-prince-and-the-three-fates/ He has written this story under the title "The Prince and the Three Fates"

अपने कुत्ते के पीछे बहुत तेज़ी से दौड़ता जा रहा था कि वह रास्ते में पड़े एक लकड़ी के लट्ठे से टकरा कर गिर गया। तभी उसको एक आवाज सुनायी दी तो उसको बड़ा आश्चर्य हुआ कि यह कौन बोला।

पर वह लकड़ी का लट्ठा नहीं था वह तो मगर था। मगर कह रहा था — "तुम मुझसे बच नहीं सकते। तुम जहॉ कहीं भी जाओ और तुम जो कुछ भी करो तुम मुझे अपने सामने पाओगे। मेरी ताकत को दूर करने का केवल एक ही तरीका है।

अगर तुम सूखे रेत में एक गड्ढा खोद सकते हो जो हमेशा पानी से भरा रहे तो मेरा यह जादू टूट जायेगा। अगर तुम ऐसा नहीं कर पाये तो मौत तुमको और जल्दी आयेगी। मैं तुम्हें एक मौका देता हूँ जाओ।"

राजकुमार बेचारा उदास हो कर चला आया। जब वह अपने महल पहुँचा तो वह अपने कमरे में चला गया और उसे अन्दर से बन्द कर लिया। उसने हर एक से मिलने के लिये मना कर दिया, यहॉ तक कि अपनी पत्नी से भी।

शाम के बाद तक भी जब राजकुमार के कमरे से कोई आवाज नहीं सुनायी पड़ी तो राजकुमारी को डर लगा। उसने इतना शोर मचाया कि राजकुमार को अपना दरवाजा खोलना ही पड़ा।

उसने राजकुमारी को अन्दर बुलाया। राजकुमारी उसे देखते ही रो पड़ी बोली — "ओह तुम कितने पीले पड़ गये हो। क्या किसी ने

तुम्हें कोई तकलीफ दी है। मैं तुमसे विनती करती हूँ कि मुझे कुछ बताओ तो सही। शायद मैं तुम्हारी कुछ सहायता कर सकूँ।"

इस पर राजकुमार ने उसे अपनी सारी कहानी सुना दी। उसने उसे उस नामुमकिन काम के बारे में भी बताया जो मगर ने उसे बताया था।

उसने फिर कहा — "रेत में बना कोई गड्ढा कैसे हर समय पानी से भरा रह सकता है। वह तो उससे बाहर निकल ही जायेगा न। मगर ने इसे एक इत्तफाक कह दिया है वरना तो वह तुरन्त ही मुझे नदी में खींच ले जाता। उसने सच ही कहा था कि मैं उससे बच नहीं सकता।"

राजकुमारी ज़ोर से बोली — "ओह तो तुम क्या इसी बात के लिये परेशान हो रहे थे। इससे तो मैं खुद तुम्हें आजाद करा सकती हूँ। क्योंकि मेरी परी गौडमदर ने मुझे यहाँ उगे हुए कुछ खास पौधों का इस्तेमाल करना सिखाया है।

यहाँ से कूछ दूरी पर चार पत्तियों वाला एक पौधा उगता है जो गड्ढे में पानी हमेशा भरा रखता है। मैं कल सुबह ही इस पौधे को देखने जाऊँगी और तुम मेरे पीछे जितनी जल्दी हो सके रेत में एक गड्ढा खोद कर रखना।"

इस तरह से धीरे धीरे बोल कर राजकुमारी ने राजकुमार को तसल्ली दी। पर यह बात वह अच्छी तरह जानती थी कि उसके सामने भी करने के लिये यह कोई आसान काम नहीं था। पर उसके

अन्दर ताकत थी और पक्का इरादा था कि वह किसी भी तरह से अपने पति को बचा कर जरूर रहेगी।

अगले दिन दिन निकलने से पहले ही तारों की रोशनी में वह एक बर्फ से सफेद गधे पर चढ़ी और नदी से दूर पश्चिम की तरफ चल दी। कुछ देर तक तो उसे सिवाय रेतीली जमीन के सिवा और कुछ दिखायी नहीं दिया जो आगे जाने पर सूरज के ऊपर आने की वजह से गर्म और गर्म होती जा रही थी।

तभी उसको और उसके गधे को बहुत ज़ोर की प्यास लग आयी पर उनकी प्यास बुझाने के लिये वहाँ कुछ भी नहीं था। और अगर उसको कुछ मिल भी जाता तो भी उसके पास रुकने का समय ही नहीं था क्योंकि अभी तो बहुत दूर आगे जाना था और फिर शाम तक वापस भी आना था क्योंकि कहीं ऐसा न हो कि मगर यह कह दे कि राजकुमार ने उसकी शर्त पूरी नहीं की।

सो उसने इस बारे में अपने गधे से अच्छे से बात की तो उसके जवाब में उसका गधा रेंका और दोनों आगे बढ़ गये।

कुछ दूर जाने के बाद उन्होंने सामने ही एक बड़ी चट्टान देखी। उसके देखते ही वे यह तो भूल गये कि ये प्यासे थे और सूरज बहुत ऊपर उठ आया था कि उनको लगा कि उनके नीचे से जमीन ने आसमान में उड़ना शुरू कर दिया था। यहाँ तक कि कुत्ता भी अपने आप ही रुक कर छाँह में खड़ा हो गया था।

पर गधा तो आराम कर सकता था पर राजकुमारी को चैन कहाँ। क्योंकि उसको मालूम था कि वह पेड़ वहीं कहीं उसी चट्टान पर ही उगता था।

खुशकिस्मती से वह अपने साथ एक रस्सा ले कर आयी थी। सो उसने एक हाथ से उसका फन्दा बना कर उस चट्टान में डाला। पहले तो फन्दा चट्टान में पड़ा नहीं पर आखिर वह चट्टान में किसी तरह फँस गया। वह किसमें फँसा यह उसे नहीं पता चला।

फिर वह अपना सारा बोझ उस पर डाल कर उसे पकड़ कर वह सुरक्षित रूप से पहाड़ी के दूसरी पार चली गयी। बीच में तो कोई अप्रिय घटना नहीं घटी पर जैसे ही उसने उस पहाड़ी पर अपना पैर रखा तो उसके पैर के नीचे का पत्थर टूट गया और वह वहीं आ गिरी जहाँ से वह चली थी।

इस तरह समय तो बीतता ही रहा। दोपहर हो आयी थी। जैसे जैसे राजकुमारी को देर हो रही थी उसकी नाउम्मीदी बढ़ती जा रही थी। उसने अपने चारों तरफ देखा तो उसे एक पत्थर दिखायी दिया जो दूसरे पत्थरों से ज़्यादा मजबूत था।

सो वह उस पत्थर तक पहुँचने के लिये बीच वाले पत्थरों पर बहुत ही हल्के से कदम रख कर किसी तरह से उस मजबूत पत्थर तक पहुँच गयी। लहू लुहान हाथों को ले कर वह उस पहाड़ी की चोटी तक पहुँच गयी।

पर यहाँ इतनी तेज़ हवा बह रही थी कि उसकी आँखों में धूल घुसी जा रही जिससे उसको कुछ दिखायी नहीं पड़ रहा था। इससे वह नीचे गिर पड़ी और वहाँ उसे वह कीमती बूटी मिल गयी।

पहले तो उसको लगा कि चट्टान पर कुछ नहीं है वह नंगी है पर कुछ पलों में ही उसको उनकी एक दरार में एक पेड़ के होने का एहसास हुआ। वह एक पौधा था यह तो साफ पता चल रहा था पर वह किस चीज़ का पौधा था यह वह अभी तक तय नहीं कर पायी थी।

देख वह पा नहीं रही थी क्योंकि हवा अभी भी बहुत तेज़ थी जो उसको अन्धा बना रही थी। वहीं लेटे लेटे उसने हाथ से उसकी पत्तियाँ गिननी शुरू कीं – एक, दो, तीन और चार। अरे यह तो वही चार पत्तियों वाला पौधा है।

उसने उसकी एक पत्ती तोड़ी और अपने हाथ में मजबूती से पकड़ ली। वह वापस जाने के लिये मुड़ी ही थी कि तेज़ हवा की वजस से वह फिसल गयी और सीधी नीचे तक फिसलती ही चली आयी। भगवान का लाख लाख धन्यवाद कि बीच में कहीं वह फँसी नहीं।

इत्तफाक से वह अपनी रस्सी के पुल के पास ही गिरी। उसका गधा उसको देख कर खुशी से चिल्ला पड़ा और उसको तुरन्त ही घर ले गया। उसको लगा ही नहीं कि उसके पैरों के नीचे धरती भी उतनी गर्म थी जितना कि उसके सिर पर सूरज।

नदी के किनारे पर जा कर गधा रुक गया। राजकुमारी तुरन्त ही गधे से उतर कर राजकुमार के पास गयी जो अभी अभी गड्ढा खोद कर चुका था। उसके पास ही पानी का एक बहुत बड़ा बरतन रखा हुआ था।

पास में ही कुछ दूरी पर मगर लेटा हुआ था। उसका मुँह खुला हुआ था जिसमें से उसके पीले दाँत दिखायी दे रहे थे।

जैसे ही राजकुमारी ने उसको इशारा किया तो उसने गड्ढे में पानी डाला और जैसे ही गड्ढे में पानी ऊपर तक भरा राजकुमारी ने डरते डरते उसमें अपनी लायी हुई पत्ती डाल दी। क्या यह टोटका काम करेगा या फिर उसको पानी धीरे धीरे कर के सब रेत में सूख जायेगा और बेचारा राजकुमार इस राक्षस के फन्दे में फँस जायेगा।

आधे घंटे तक दोनों की आँखें उस गड्ढे पर टिकटिकी लगा कर देखती रहीं। पर गड्ढे का पानी उतना ही भरा हुआ रहा जितना शुरू में था। पत्ती पानी पर तैर रही थी।

राजकुमार खुशी से चिल्ला उठा और मगर अपना सा मुँह ले कर पानी में चला गया।

अब राजकुमार अपनी तीन किस्मतों में से दो को जीत चुका था – साँप को और मगर को। वह अभी भी मगर को देखता हुआ खड़ा था। वह बहुत खुश था कि उसने अपने मगर वाली किस्मत को भी हमेशा के लिये जीत लिया था।

तभी वह अपने ऊपर से एक जंगली बतख को उड़ते देख कर चौंक गया। वह बतख नदी के किनारे उगी हुई झाड़ियों में अपने रहने की जगह ढूँढ रही थी।

अगले ही पल उसका कुत्ता उसका पीछा करने दौड़ा तो अपने मालिक की टॉगों से बहुत ज़ोर से टकरा गया। राजकुमार कॉपा और लड़खड़ा कर नदी की तरफ नीचे गिर पड़ा जहॉ वह कीचड़ और झाड़ियों में फॅस गया। उन्होंने उसे कस कर जकड़ लिया था।

उसने चिल्ला कर अपनी पत्नी को आवाज दी जो दौड़ती हुई उसके पास आयी। उसके पास रस्सी अभी तक थी। कुत्ता तो नदी में डूब गया था पर राजकुमारी ने रस्सी के सहारे राजकुमार को कीचड़ में से बाहर खींच लिया था।

खुश हो कर राजकुमार बोला — "मेरी किस्मत से ज़्यादा तो मेरी पत्नी की किस्मत में ज़ोर है।"

9 दो भाइयों की कहानीः अनपू और बाटा[79]

एक बार की बात है कि एक माता पिता के दो बेटे थे अनपू और बाटा[80]। अनपू बड़ा था और बाटा छोटा। अनपू की शादी हो गयी थी और उसके पास एक घर था।

पर बाटा अभी कुँआरा था और वह अनपू के पास ही रहता था। अनपू के लिये उसका छोटा भाई उसके बेटे जैसा था।

वही उसके कपड़े बनवाता था और छोटा भाई भी अपने बड़े भाई के बैलों को उनके पीछे पीछे चल कर उसके खेतों तक ले जाता था।

एक भाई खेत जोतता था और दूसरा फसल काटता था। वह खेतों के सारे मामलों की देखभाल करता था।

सो अनपू का छोटा भाई बाटा आगे चल कर एक बहुत ही अच्छा काम करने वाला बना। उसके जैसा काम करने वाला देश भर में कोई नहीं था। उसके अन्दर तो जैसे देवता बसे हुए थे।

बाटा रोज सुबह अपने भाई के बैलों को खेत तक ले जाता था और शाम को घर वापस लाता था। शाम को उसके बैल खेत पर

---

[79] Tale of Two Brothers: Anpu and Bata – is an ancient Egyptian story that dates from the reign of Seti II (1200-1194 BC) during the 19th Dynasty of the New Kingdom. It is claimed that the papyrus was written towards the end of the 19th dynasty. It was acquired by the British Museum in 1857. This story is taken from http://www.reshafim.org.il/ad/egypt/texts/anpu_and_bata.htm

[80] Anpu and Bata were the names of two gods. Anpu, or Anubis, was the God of mummification etc in jackal shape and Bata was an Upper Egyptian Bull deity.

पैदा होने वाली चीज़ों से लदे होते, जैसे दूध, बहुत सारे तरह के पत्ते और भी बहुत कुछ जो कुछ भी उनके खेत पर होता था।

वह यह सब ला कर अपने बड़े भाई के सामने रख देता जो घर में अपनी पत्नी के साथ बैठा रहता। फिर वह खाता पीता और जानवरों के बाड़े में जा कर जानवरों के साथ ही लेट जाता।

अगली सुबह वह अपने भाई के सामने अपने हाथ से बनायी हुई रोटी रखता और फिर वह जानवरों को खेत पर और चरागाहों की तरफ ले जाता।

और जब वह उन जानवरों के पीछे पीछे चलता तो वे जानवर कहते कि "यह घास तो बहुत अच्छी है।" वह उनकी सब बातें सुनता रहता जो भी वे कहते रहते।

वह उनको बहुत अच्छी अच्छी जगह ले जाता जहाँ उनको अच्छा लगता। इससे उसके जानवर उससे खूब खुश रहते, तन्दुरुस्त रहते और वे बहुत जल्दी जल्दी बढ़ रहे थे।

एक बार जब खेत जोतने का समय आया तो अनपू बोला — "अबकी बार हम अपने खेत जोतने के लिये अपने बहुत बढ़िया बैलों की जोड़ी काम में लायेंगे क्योंकि हमारी जमीन अभी अभी पानी में से बाहर निकल कर आयी है[81] और इस समय उसको जोतने का समय सबसे अच्छा है।

[81] Little time could be wasted after the Nile had receded. The grain seed had to be sown and covered with earth before the sun baked the soil surface stone-hard. Poor people often covered the seed with hoes.

इसके अलावा तुम खेत पर दाना भी लेते आना क्योंकि हम कल सुबह ही अपना खेत जोतना शुरू कर देंगे।" सो उसके छोटे भाई ने अगले दिन की तैयारी शुरू कर दी।

अगले दिन सुबह होने पर वे दोनों खेतों को चले गये। वहॉ जा कर जब उन्होंने अपना काम शुरू किया तो वे बहुत खुश थे। कुछ देर बाद बड़े भाई ने कहा — "जाओ, जल्दी से दाना ले आओ।" सो बाटा दाना लेने के लिये घर चला गया।

वहॉ जा कर उसने देखा कि उसकी भाभी बैठी हुई अपने बाल सॅवार रही थी। उसने भाभी से कहा — "भाभी उठो, ज़रा जल्दी से मुझे दाना दे दो ताकि मैं जल्दी से खेतों को वापस जा सकूॅ। भैया ने जल्दी से दाना मॅगवाया है। देर नहीं करो।"

वह बोली — "उस डिब्बे का ढक्कन खोलो और उसमें से जितना दाना चाहिये उतना निकाल लो ताकि मैं जब अपने बाल बना रही हूॅ तो मेरे बाल न गिरें।"

सो बाटा बाड़े में गया और डिब्बे में से काफी सारा दाना माप कर[82] निकाल लिया क्योंकि वह ज़्यादा दाना ले जाना चाहता था। उसने उसमें से गेहॅू और जौ दोनों भर लिये और चल दिया।

उसको देख कर उसकी भाभी बोली — "तुमको कितना दाना चाहिये? क्या जितना तुम्हारे कन्धे पर है उतना ही?"

---

[82] Measure – a Khar (sack) during the New Kingdom measured about 80 Kilograms.

बाटा बोला — "तीन बुशैल[83] जौ और दो बुशैल गेहूॅ – कुल पॉच बुशैल चाहिये और वही मेरे कन्धे पर है।"

भाभी बोली — "तुम्हारे अन्दर बड़ी ताकत है। मैं तुम्हारी ताकत रोज देखती हूॅ।" वह उसके जवान होने से ही उसकी इस ताकत को नापती थी।

वह उठी और उसके पास आयी और बोली — "आओ तुम मेरे पास आओ न, तुम बिल्कुल ठीक हो जाओगे। मैं तुम्हारे लिये सुन्दर सुन्दर कपड़े सिलूॅगी।" भाभी की यह नीच बात सुन कर बाटा को बहुत गुस्सा आया जिसको देख कर वह डर गयी।

बाटा बोला — "देखो भाभी, तुम मेरी मॉ की तरह हो और तुम्हारा पति मेरे पिता की तरह है क्योंकि वह मुझसे बड़ा है और उसने मुझे पाला है। यह तुमने मुझसे कैसी नीच बात कह दी? आगे से फिर कभी ऐसी बात मत कहना। क्योंकि मैं यह बात किसी और से नहीं कहूॅगा। क्योंकि मैं यह नहीं चाहता कि और कोई दूसरा भी कोई ऐसी बात किसी और से कहे।"

कह कर उसने अपना दाना उठाया और खेतों की तरफ चला गया। वह अपने बड़े भाई के पास आया और वे अपना काम करने में लग गये।

---

[83] Bushel is a British and US customary unit of dry volume, equivalent in each of these systems to 4 pecks or 8 gallons (approximately 30 Kilograms – one gallon is approximately 3.8 litre). It is used for volumes of dry commodities (not liquids), most often in agriculture.

बाद में शाम को जब उसका बड़ा भाई घर लौट रहा था तो छोटा भाई उसके बैलों के पीछे पीछे चल रहा था। रोज की तरह उसके पास खेतों का बहुत सारा सामान था। वह अपने जानवरों को ले कर उनको उनके बाँधने की जगह ले आया ताकि वह वहाँ उनको लिटा सके।

बड़े भाई की पत्नी ने दिन में जो कुछ अपने पति के छोटे भाई से कहा था उसके लिये वह बहुत डर रही थी।

उसको ऐसा लग रहा था जैसे किसी ने उसे पीट दिया हो। वह अपने पति से कहना चाहती थी कि यह सब तुम्हारे छोटे भाई ने ही मुझसे कहा था।

शाम को जब उसका पति जैसे रोज आता था वैसे ही वह घर में आया तो उसको लगा जैसे किसी ने उसकी पत्नी को आज पीटा हो।

आज उसने उसको हाथ धोने को पानी भी नहीं दिया जैसे कि वह उसको रोज देती थी। आज उसने घर में रोशनी भी नहीं की। घर में अँधेरा छा रहा था। वह बीमार सी लेटी हुई थी।

उसके पति ने उससे पूछा — "क्या बात है? तुमसे किसी ने कुछ कहा है?"

"मुझसे किसी ने कुछ नहीं कहा सिवाय तुम्हारे छोटे भाई के। जब वह तुम्हारे लिये दाना लेने आया था तो उसने मुझे यहाँ अकेला बैठा देखा तो उसने मुझसे कहा — "आओ हम साथ साथ रहते हैं।

तुम अपने बाल बॉध लो फिर मेरे साथ चलो।" उसने मुझसे ऐसा कहा।

पर मैंने कहा — "क्या मैं तुम्हारी मॉ नहीं हूॅ? क्या तुम्हारे बड़े भाई तुम्हारे पिता जैसे नहीं हैं?"

यह सुन कर वह डर गया उसने मुझे इसलिये पीटा कि मैं यह सब तुमसे न कहूॅ। अगर तुम उसको ज़िन्दा छोड़ दोगे तो मैं मर जाऊॅगी। अब देखो न वह शाम को आ रहा है और मैं तुमसे उसकी शिकायत कर रही हूॅ। उसने तो यह सब दिन में किया था।"

यह सब सुन कर बड़े भाई को बहुत ज़ोर का गुस्सा आया। उसने अपना चाकू निकाला, उसे तेज़ किया और उसे हाथ में ले कर अपने भाई को मारने के लिये बाड़े के दरवाजे के पीछे खड़ा हो गया ताकि जब वह जानवर रखने के लिये वहॉ आये तो वह उसको मार दे।

शाम हो गयी थी और बाटा के पास रोज की तरह खेत का बहुत सारा समान था।

जैसे ही उसकी पहली गाय उस बाड़े के अन्दर घुसी तो उसने अपने रखवाले से कहा — "देखो तुम्हारा बड़ा भाई तुमको मारने के लिये चाकू लिये हुए खड़ा हुआ है। तुम यहॉ से भाग जाओ।"

बाटा ने अपनी पहली गाय की बात तो अनसुनी कर दी पर फिर जब दूसरी गाय ने भी बाड़े में घुसने पर यही कहा तो उसने बाड़े के दरवाजे के नीचे झॉक कर देखा तो वहॉ उसको अपने बड़े

भाई के पॉव नजर आये। वह दरवाजे के पीछे खड़ा हुआ था और उसके हाथ में चाकू था।

उसने तुरन्त ही अपना बोझ जमीन पर फेंका और वहॉ से तेज़ी से भाग लिया। यह देख कर बड़े भाई ने हाथ में चाकू लिये लिये ही उसका पीछा किया।

यह देख कर छोटा भाई अपने भगवान "रा हाराख्ती"[84] से ज़ोर से बोला — "हे भगवान तुम ही हो जो बुराई को अच्छाई से अलग करते हो।"

रा ने उसकी यह रोती हुई आवाज सुनी तो उसने उसके और उसके बड़े भाई के बीच एक बहुत बड़ा पानी का तालाब बना दिया और उसको मगरों से भर दिया।

अब एक भाई उस पानी के एक तरफ खड़ा था और दूसरा भाई दूसरी तरफ। बड़े भाई ने अपने छोटे भाई को न मार पाने की वजह से अपने हाथों को दो बार मारा।[85]

छोटे भाई ने इस किनारे से दूसरे किनारे पर खड़े अपने बड़े भाई से कहा — "सुबह होने तक ऐसे ही खड़े रहो। सुबह जब रा

[84] Ra Harakhti is the Sun God of Egypt

[85] Translated for the word "Smote" – this gesture is very common in Egypt now, the two hands being rapidly slid one past the other, palm to palm, vertically, grating the fingers of one hand over the other; the right hand moving downwards, and the left a little up. This implies that there is nothing, that a thing is worthless, that a desired result has not been attained, or annoyance at want of success (this gesture is common in India too – this is called "Haath Malanaa" in Hindi).

आयेगा तब मैं उसके सामने तुम्हारा न्याय करूँगा। वही अच्छे और बुरे के बीच का भेद बतायेगा।

अब मैं तुम्हारे साथ कभी नहीं रहूँगा। मैं वहाँ नहीं रहूँगा जहाँ तुम रहते हो। मैं अकाकिया के पेड़ों[86] की घाटी में चला जाऊँगा।" अगले दिन जब उजाला हुआ और रा आये तो दोनों ने एक दूसरे की तरफ देखा।

छोटा भाई बोला — "जब तुमने मुझसे कोई बात ही नहीं की तो तुम इतनी चालाकी से मुझे क्यों मारने चले थे? सच तो यह है कि मैं तुम्हारा भाई हूँ और तुम मेरे पिता की तरह हो और तुम्हारी पत्नी मेरी माँ की तरह है। क्या ऐसा नहीं है?

यह ठीक है कि जब तुमने मुझे दाना लेने के लिये घर भेजा था तो तुम्हारी पत्नी ने कहा था — "आओ तुम मेरे पास आओ।"

फिर उसने अपने बड़े भाई को समझाने की कोशिश की कि उस समय उसके और उसके भाई की पत्नी के बीच क्या हुआ था। फिर उसने रा की कसम खा कर कहा — "तुम्हारा अपने चाकू से मुझे धोखे से मारने के लिये आना बहुत ही बुरी बात है।"

उसके बाद बाटा ने अपने चाकू से अपने शरीर का थोड़ा सा माँस काटा और पानी में फेंक दिया जिसको मछली खा गयी। वह

[86] Acacia tree. See the picture above

बेहोश हो गया और उसके बड़े भाई ने अपने आपको बहुत बुरा भला कहा कि उसने ऐसा क्यों किया। वह दूर खड़ा खड़ा रोता रहा।

वह समझ ही नहीं पा रहा था कि जहाँ वह खड़ा था वहाँ से वह अपने छोटे भाई के पास कैसे जाये क्योंकि उसके सामने वाले पानी में बहुत मगर थे।

छोटे भाई ने फिर कहा — "तुमको इस नीच काम करने का विचार ही कहाँ से आया? क्या तुम कोई अच्छा काम नहीं कर सकते थे जैसे कि मैं तुम्हारे लिये करता हूँ?

अब जब तुम अपने घर वापस जाओगे तो तुमको अपने जानवरों की देखभाल अपने आप ही करनी होगी क्योंकि अब मैं तुम्हारे पास नही रहूँगा। मैं तो अब अकाकिया पेड़ों की घाटी में रहने जा रहा हूँ।

अब तुम यह सुनो कि तुम मेरे लिये क्या कर सकते हो। अगर तुमको यह पता चल जाये कि मेरे साथ क्या हो रहा है तो तुम मेरे पीछे पीछे मुझे ढूँढने के लिये आ जाना।

और यह सब हो जाने के बाद मैं मर जाऊँगा। मैं अपनी आत्मा को अकाकिया के पेड़ के सबसे ऊँचे फूल के ऊपर रख दूँगा। जब अकाकिया का पेड़ काटा जायेगा तो उस पेड़ के साथ साथ मेरी आत्मा भी नीचे गिर पड़ेगी तब तुम उसको ढूँढने आना।

और अगर तुम उसको सात सालों में भी न ढूँढ पाओ तो अपने मन में दुखी मत होना क्योंकि वह तुमको कभी न कभी मिल ही जायेगी। और जब वह तुमको मिल जाये तो उसको एक गिलास ठंडे पानी में रख देना और उम्मीद रखना कि मैं ज़िन्दा हो जाऊँगा।

ताकि फिर मैं तुमको बता सकूँ कि क्या गलत हो गया था और तुम इस बात को जान जाओ कि मेरे साथ क्या हो रहा है। जब तुमको एक गिलास बीयर पीने को दी जाये और वह हिल जाये।[87] तब यह सब भी चला जायेगा।"

इतना कह कर छोटा भाई फिर अकाकिया की घाटी की तरफ चला गया और उसका बड़ा भाई अपने घर चला गया। बड़ा भाई बहुत दुखी हो कर अपने घर जा रहा था।

घर आ कर उसने अपनी पत्नी को मार डाला और मार कर कुत्तों को फेंक दिया। फिर वह अपने भाई का शोक मनाने के लिये बैठ गया।

इस घटना के काफी समय बाद जब छोटा भाई अकाकिया की घाटी में था और उसके साथ कोई नहीं था तो वह जंगली जानवरों का शिकार कर के अपना समय गुजार रहा था।

[87] This movement of beer in a cup is regarded as an omen. Omens were occasionally used as literary devices. For instance, the Nubian magician Hor in the "Second Story of Khamwas" said to his mother – "Should I be overcome (?) then should you be drinking [or eating flesh (?)] the water before you will turn the color of blood, the food that are before you will turn the color of flesh, the sky shall the color of blood before your eyes.

एक दिन वह एक अकाकिया के पेड़ के नीचे लेटने आया तो उस पेड़ ने उसकी आत्मा को उस पेड़ के सबसे ऊँचे वाले फूल पर रख दिया। फिर उस लड़के ने उसी अकाकिया की घाटी में अपने हाथों से अपने लिये एक बहुत ऊँची मीनार बनायी। उस मीनार में वे सब अच्छी अच्छी चीज़ें थीं जो उसको अपने घर में चाहिये थीं।

इसके बाद वह मीनार में से निकल कर नौ देवताओं[88] के पास गया जो सारी धरती को देखने के लिये बात करते हुए बाहर घूम रहे थे।

बाटा को देख कर वे बाटा से बोले — "ओ बाटा, ओ नौ देवताओं के बैल, क्या तुम अकेले ही रह रहे हो? क्या तुमने अपने बड़े भाई अनपू की पत्नी वजह से अपना गॉव छोड़ दिया?

अब तो उसने अपनी पत्नी को भी मार दिया है। तुमने भी तो उसको जो कुछ भी तुम्हारे साथ हुआ सब बता ही दिया है। फिर क्या बात है?"

और उन नौ देवताओं का दिल उसके लिये रो पड़ा। रा ने नूमू[89] से कहा — "बाटा के लिये एक स्त्री बनाओ ताकि वह बेचारा अकेला न रहे।" और फिर नूमू ने उसके एक साथी बनाया जो उसके साथ रहता।

---

[88] Nine gods mean "Ennead" – a collective name for all the gods of a particular locality, not necessarily means nine by counting. For example, Ennead of Thebes comprised 15 gods. This Bata was a bovine god – Bull.

[89] Khnumu created the Man and his double, the Ka, from clay.

वह लड़की देश भर में बहुत सुन्दर थी। हर देवता का हिस्सा उसके अन्दर था। सात हथोर[90] भी उसको देखने के लिये आये तो वे सब एक साथ बोले — "यह तो किसी नुकीले हथियार से मरेगी।"

बाटा उसको बहुत ज़्यादा प्यार करता था। वह उसके घर में रहती थी पर वह खुद रेगिस्तान में जा कर जंगली जानवरों का शिकार करने में अपना समय खर्च करता था। जो भी शिकार वह करता उसे ला कर वह अपनी पत्नी के सामने रख देता।

वह उससे कहता — "तुम बाहर नहीं जाना कहीं ऐसा न हो कि समुद्र तुमको पकड़ ले क्योंकि अगर उसने तुमको पकड़ लिया तो मैं तुमको उससे छुड़ा कर नहीं ला सकता क्योंकि मैं भी तुम्हारी तरह एक स्त्री की तरह ही हूँ।

मेरी आत्मा अकाकिया के एक पेड़ के सबसे ऊँचे फूल पर रखी हुई है। अगर कोई दूसरा उसको ढूँढ लेता है तो मुझे उससे लड़ना पड़ेगा।" और उसने उसको अपने और अपने भाई के बीच हुआ सारा किस्सा बता दिया।

इसके बाद जब बाटा रोज की तरह शिकार के लिये गया तो उसकी पत्नी अपने घर के पास लगे अकाकिया के पेड़ के नीचे गयी।

[90] Seven Hathors – who write destiny at the time of birth (Read the story "The Tale of the Doomed Prince" in this book only)

वहाँ उसको समुद्र ने देखा तो वह उसके ऊपर रीझ गया और रीझ कर अपनी लहरें उसके ऊपर फेंकीं। वह वहाँ से भागी और जा कर अपने घर में घुस गयी।

समुद्र ने अकाकिया से पूछा — "क्या मैं उसको पकड़ सकता हूँ?"

अकाकिया उसके बालों की एक लट ले आया और समुद्र उसको ले कर मिस्र चला गया। वहाँ जा कर उसने उसको शाही धोबियों[91] की जगह में डाल दी जहाँ वे फैरो के कपड़े धोते थे।

उन बालों के लट की खुशबू फैरो के कपड़ों में बस गयी। धोबी लोग यह देख कर बहुत गुस्सा हो गये कि फैरो के कपड़ों में यह किसी तरह की बू आ गयी थी।

उन सबको उन कपड़ों की बू पर रोज डाँट पड़ती पर उनको समझ में ही नहीं आ रहा था कि वे इसके लिये क्या करें।

तब एक दिन उन धोबियों का सरदार समुद्र के किनारे घूमने गया क्योंकि रोज रोज की डाँट की वजह से उसका मन कुछ खट्टा हो गया था।

समुद्र के किनारे वह एक जगह शान्त खड़ा था। वह बालू पर उस बालों की लट के सामने ही खड़ा था और वह बालों की लट पानी में पड़ी थी।

[91] Royal washermen – in those days Pharaoh was the common title of the King of Egypt until Greco-Roman period.

उसने अपने एक आदमी को बुलाया और उससे पानी में से वह लट निकाल कर लाने के लिये कहा। जब वह उसे ले आया तो उसने देखा कि वह बू तो बालों की उस लट में से ही आ रही थी।

वह बालों की उस लट को फ़ैरो के पास ले गया। उसने उसे बताया कि उसके कपड़ों में जो बू आ रही थी वह बालों की उसी लट से आ रही थी।

वहाँ बहुत सारे अक्लमन्द लोग उस लट को देखने के लिये बुलाये गये तो उन्होंने उसे देख कर बताया कि वह लट तो रा[92] की बेटी की है और हर देवता का हिस्सा उस लड़की में है और तुम्हारे पास यह किसी दूसरे देश से आया है।

तुम इसकी खोज के लिये आस पास के सभी अनजाने देशों में अपने दूत भेजो और जो दूत अकाकिया की घाटी में जायेगा वहाँ उसके साथ उस लड़की को लाने के लिये बहुत सारे आदमी जाने चाहिये। राजा ने वैसा ही किया।

इस बात के काफी दिनों के बाद जो लोग उन अनजानी जगह भेजे गये थे वे सब आ आ कर अपना अपना हाल राजा को बताने लगे। पर इनमें से वह कोई नहीं था जो अकाकिया की घाटी में गया हो।

[92] Ra is the Sun God of Egyptians

असल में जो लोग अकाकिया की घाटी में गये थे बाटा ने उन सबको मार दिया था सिवाय एक के जिसने राजा को आ कर वहाँ का हाल बताया।

तो राजा ने अपने बहुत सारे आदमी, सिपाही और घुड़सवार वहाँ उस लड़की को लाने के लिये भेजे। उसने उन सबके साथ एक स्त्री भी भेजी थी जिसको उसने कुछ गहने भी दिये।

वे लोग उस लड़की को ले कर फैरो के पास आ गये। सारे राज्य में बहुत खुशियाँ मनायी गयीं। राजा उसको बहुत प्यार करता था। उसने उस लड़की को बहुत ऊँचा ओहदा दिया और उससे अपने पति के बारे में बताने के लिये कहा।

लड़की बोली — "आप अकाकिया का पेड़ कटवा दें और फिर उस पेड़ को छोटे छोटे टुकड़ों में कटवा दें।"

सो राजा ने अपने कुछ आदमी उस अकाकिया के पेड़ को काटने के लिये भेजे। वे सब उस अकाकिया के पेड़ के पास आये और उस पेड़ को काटना शुरू किया। जैसे ही उन्होंने वह ऊपर वाला फूल काटा जिसमें बाटा की आत्मा थी बाटा वहाँ से गिर गया और गिर कर मर गया।

अगले दिन जब सुबह हुई तो अकाकिया का पेड़ काटा गया।

उधर बाटा के बड़े भाई अनपू ने अपने घर में घुस कर अपने हाथ धोये। किसी ने उसको एक प्याले में बीयर दी तो वह हिलने

लगी। एक दूसरे आदमी ने उसको एक प्याला शराब दी पर उसमें से भी बुरी बू आ रही थी।

वह समझ गया कि उसको अपने भाई को देखने जाना चाहिये। वह उठा, उसने अपना डंडा उठाया, अपने जूते और कपड़े पहने और अपने हथियार ले कर अकाकिया की घाटी की तरफ चल दिया।

वहाँ जा कर वह अपने छोटे भाई की मीनार में गया तो वहाँ उसने अपने भाई को उसकी चटाई पर मरा हुआ लेटा पाया।

जब उसने अपने भाई को मरा हुआ देखा तो वह तो उसको देख कर बहुत रोया। फिर वह उसकी आत्मा को अकाकिया पेड़ के नीचे ढूँढने गया जहाँ वह शाम को लेटा हुआ था।

वह बाटा की आत्मा को तीन साल तक ढूँढता रहा पर वह उसको नहीं मिली। चौथे साल में उसने वापस मिस्र जाने की सोची। एक दिन उसने अपने मन में कहा "अब मैं कल सुबह चलता हूँ।"

सो अगले दिन जब दिन निकला तो वह एक बार फिर से उसकी आत्मा को ढूँढने के लिये उस अकाकिया के पेड़ के नीचे टहल रहा था कि जाने से पहले उस जगह को एक बार और देख लूँ शायद कुछ मिल जाये तो वहाँ उसको एक बीज मिला।

उसने उस बीज को उठा लिया। लो, वह तो उसकी आत्मा ही थी। उसने एक गिलास ठंडा पानी लिया और वह बीज उसमें डाल दिया और उसके ज़िन्दा होने की प्रार्थना करने लगा।

जब रात हुई तो बाटा की आत्मा ने पानी सोख लिया और वह अपने शरीर के सारे हिस्सों के साथ उठ खड़ा हुआ। उसने अपने बड़े भाई की तरफ देखा। उसकी आत्मा अभी भी गिलास के अन्दर थी।

अनपू ने गिलास का वह ठंडा पानी लिया जिसमें उसके भाई की आत्मा थी और बाटा को दे दिया। बाटा ने वह पानी पी लिया और अब उसकी आत्मा उसके शरीर में आ गयी थी। वह अब वैसा ही हो गया था जैसा कि पहले था।

दोनों ने एक दूसरे को गले लगाया और फिर खूब बातें कीं। बाटा ने अपने बड़े भाई से कहा — ‘देखो मैं अब बैल होने वाला हूँ जिसके सारे शरीर पर शुभ निशान होंगे। इसकी कहानी तो कोई नहीं जानता पर तुमको मेरी पीठ पर बैठना होगा।

कल जब सुबह सूरज निकलेगा तो मैं वहाँ जाऊँगा जहाँ मेरी पत्नी है ताकि मैं उसको जवाब दे सकूँ। तुम मुझको राजा के पास ले कर जाओगे क्योंकि तुमको सारे काम अच्छे ही करने चाहिये।

तुमको वहाँ सोने चाँदी से लाद दिया जायेगा क्योंकि तुम मुझको फैरो के पास ले कर जाओगे। क्योंकि मैं उनके लिये एक बड़ी शान की चीज़ होऊँगा इसलिये मेरे वहाँ पहुँचने पर पूरे देश में लोग खुशियाँ मनायेंगे। मुझको फैरो को दे कर तुम फिर अपने गाँव चले जाना।”

अगले दिन जब उजाला हो गया और दिन निकल आया तो बाटा अपनी उसी शक्ल में आ गया जिसमें उसने अपने भाई को कहा था कि वह आ जायेगा – यानी बैल की शक्ल में। तो अनपू उसके ऊपर बैठ गया और उसको फैरो के पास ले चला।

फिर वे राजा के पास आये और अनपू ने राजा को अपने बारे में बताया। राजा ने उसको देखा और देख कर बहुत खुश हुआ।

राजा ने उसको बहुत सारी भेंटें दीं और बोला — "यह तो सब से बड़ा आश्चर्य है जो मेरी ज़िन्दगी में आज हुआ है।"

सारे देश में बहुत खुशियाँ मनायी गयीं। उन्होंने उसके बड़े भाई को बहुत सारा सोना और चाँदी दिया। सोना चाँदी ले कर उसका भाई अपने गाँव चला गया।

राजा ने बैल को बहुत सारे आदमी और चीज़ें दीं। फैरो उस बैल को बहुत प्यार करता था।

इस सबके बाद बैल को एक पवित्र जगह पर ले जाया गया। अब वह वहाँ आ पहुँचा था जहाँ राजकुमारी थी। उसने राजकुमारी से बात करनी शुरू की। उसने उससे कहा — "देखो मैं ज़िन्दा हूँ।"

"पर तुम हो कौन?"

"मैं बाटा हूँ। मुझे उसी समय पता चल गया था कि तुम मुझको मारना चाहती हो जब तुमने फैरो से वह अकाकिया पेड़ काटने के लिये कहा था जिस पर मैं रहता था ताकि मैं रह न सकूँ। पर देखो मैं अभी भी ज़िन्दा हूँ और अब एक बैल के रूप में हूँ।"

अपने पति के मुँह से यह सुन कर राजकुमारी बहुत डर गयी। और बाटा वहाँ से चला गया।

एक दिन राजा राजकुमारी के साथ बैठा हुआ आनन्द कर रहा था। वह उसके साथ खाने की मेज पर बैठी थी और राजा उससे बहुत खुश था।

सो समय देख कर उसने राजा से कहा — "भगवान की कसम खा कर तुम मुझसे कहो "जो कुछ तुम कहोगी मैं तुम्हारी खातिर वही करूँगा।"

राजा ने वह सब कहा जो उसने उससे कहने के लिये कहा था और साथ में राजकुमारी ने उससे यह भी कहने के लिये कहा — "अगर तुम कहो तो मैं इस बैल का जिगर भी खा लूँ क्योंकि यह बैल तो किसी काम का है नहीं।" पर राजा यह सब सुन कर बहुत दुखी हुआ।

अगले दिन सुबह राजा ने एक बहुत बड़ी दावत की घोषणा की। फिर उसने शाही कसाई को बुलवा भेजा ताकि वह उस बैल को काट सके।

लोग बैल को अपने कन्धों पर उठा कर ले आये। जब वे उसको काट रहे थे तो उसने अपनी गर्दन हिलायी और अपने खून की दो बूँद राजा के दो दरवाजे के सामने उछाल दीं। एक बूँद फैरो के दरवाजे के एक तरफ पड़ी और दूसरी उसके दरवाजे के दूसरी

तरफ। तुरन्त ही वे दोनों बूँदें दो परसी पेड़ों[93] के रूप में उग गयीं। दोनों ही पेड़ बहुत बढ़िया थे।

एक आदमी यह सब कहने के लिये राजा के पास गया — "जहाँपनाह, शाही दरवाजे के दोनों तरफ रात भर में दो परसी के पेड़ उग आये हैं।" इस बात पर राज्य भर खूब खुशियाँ मनायी गयीं और उन पेड़ों के लिये कई भेंट दी गयीं।

इस घटना के काफी दिन बाद राजा को नीला ताज पहनाया गया। गले में फूलों की माला पहनायी गयी। फिर वह अपने पीले सोने के रथ पर चढ़ कर अपने महल के बाहर उन परसी के पेड़ों को देखने के लिये गया। राजकुमारी भी राजा के पीछे पीछे घोड़ों के साथ उन पेड़ों को देखने गयी।

वहाँ पहुँच कर राजा उनमें से एक पेड़ के नीचे बैठ गया। उस पेड़ ने राजा की पत्नी से कहा — "ओ धोखा देने वाली, मैं बाटा हूँ। हालाँकि मेरे साथ बहुत बुरा बर्ताव किया गया है फिर भी मैं ज़िन्दा हूँ।

मुझे मालूम है कि किसके कहने पर मेरे रहने का अकाकिया पेड़ राजा से कटवाया गया था। तब मैं एक बैल बन गया था और अब तुमने बैल को भी मारने का इन्तजाम कर लिया?"

इसके काफी दिन बाद एक दिन राजकुमारी फैरो की मेज के पास खड़ी थी और राजा उससे बहुत खुश था। उसने राजा से फिर

[93] Persea trees – an evergreen tree often mentioned in the Egyptian mythology.

कहा — "तुम भगवान की कसम खा कर कहो "जो कुछ भी राजकुमारी तुम मुझसे कहेगी मैं उसको मानूँगा।" सो राजा ने कह दिया।

और फिर राजकुमारी के कहने से उसने अपने बढ़ई लोगों को हुक्म दिया कि उन दोनों परसी के पेड़ों को काट कर उनके बहुत सुन्दर तख्ते बना दिये जायें। उन्होंने उन परसी के पेड़ों को काट दिया और उनके सुन्दर तख्ते बना दिये।

राजकुमारी खड़ी खड़ी यह सब देखती रही। इत्तफाक से जब वे बढ़ई तख्ते बना रहे थे लकड़ी का एक छोटा सा टुकड़ा उछल कर राजकुमारी के मुँह में जा गिरा। वह उसे निगल गयी और समय आने पर उसने एक बेटे को जन्म दिया।

एक आदमी राजा को यह बताने गया कि आपके बेटा हुआ है। सारे देश में खूब खुशियाँ मनायी गयीं। बच्चे के पालने पोसने के लिये एक आया रख दी गयी।

जब वे लोग उस बच्चे का नाम रख रहे थे तो राजा बहुत खुश था। उसने उसको कुश का शाही बेटा[94] कहा।

काफी दिनों बाद जब वह बड़ा हो गया तो राजा ने उसको युवराज बना दिया। और फिर काफी दिनों बाद जब राजा स्वर्ग चले गये तो नये राजा ने कहा कि मेरे पिता के कुलीन लोगों को मेरे

[94] The Royal Son of Cush – Cush is the name of the region nearby Egypt, Sudan and Western Ethiopia

सामने लाया जाये ताकि मैं उनको बता सकूँ कि मेरे साथ क्या हुआ है।

कुलीन लोगों के साथ साथ राजा की मॉ को भी लाया गया। उसने अपनी मॉ के साथ उन सबके सामने न्याय किया और वे उसके न्याय से राजी थे।

उसके सामने उसके बड़े भाई को भी लाया गया। उसने अपने भाई को अपने देश का राजकुमार बना दिया। फिर उसने मिस्र पर तीस साल तक राज किया। उसके मरने पर जब उसको दफ़नाया गया तब उसका भाई भी वहीं खड़ा था।

10 ओसिरिस की कहानी[95]

यह कहानी मिस्र की इतनी पुरानी कहानी है कि अब तो इसका यह भी पता नहीं कि यह कहानी कब की है क्योंकि समय के साथ साथ इसके जन्म का समय भी खो चुका है।

पर यह कहानी मिस्र के लोगों के लिये एक मुख्य कहानी थी क्योंकि ओसिरिस पहले एक राजा था पर फिर बाद में वह "मरे हुए लोगों के राजा"[96] की तरह से पैदा हो गया था।

वह एक ऐसा राजा था जिसके पास ताकतवर से ताकतवर फैरो से ले कर कमजोर से कमजोर किसान तक अपने मरने के बाद जाना चाहता था।

इस कहानी में दूसरी बात यह है कि इसमें आइसिस[97] का मुकदमा है जिसमें उसको एक आदर्श पत्नी और बच्चों की रक्षा करने वाली मॉ की तरह से दिखाया गया है।

इसमें होरस[98] का बदला है जो उसने अपने नीच चाचा सेट[99] से लिया है क्योंकि उसके चाचा ने उसके पिता ओसिरिस को मार दिया था।

---

[95] The Osiris Legend – a tale from Egypt, Africa.
This story taken from the Web Site : http://www.aldokkan.com/art/osiris.htm

[96] Osiris is the King of the Dead. He is the son of Ra and Nut.

[97] Isis – wife of Osiris

[98] Horus is the son of Osiris and Isis

[99] Seth is Horus' uncle being the brother of Osiris, and there is another Horus who is the son of Osiris and Isis.

इस कहानी को समझने के लिये यह बात जानना भी जरूरी है कि इस कहानी में होरस के दो रूप हैं – पहला तो ओसिरिस के भाई का, दूसरा उसके बहुत छोटे बेटे का।

इस कहानी के बारे में यह बात भी जानने के लायक है कि हालाँकि मिस्र का साहित्य बहुत बड़ा है पर फिर भी हमको इस कहानी का पूरा रूप कहीं नहीं मिलता।

इसके केवल या तो सन्दर्भ मिलते हैं या फिर छोटे छोटे टुकड़े मिलते हैं और या फिर इसमें जुड़े हुए हिस्से मिलते हैं। इस कहानी का यह रूप एक यूनानी लेखक प्लूटार्क[100] का लिखा हुआ है जो ईसा के बाद की पहली शताब्दी में रहता था।

1 धरती के स्वामी का जन्म

"पूरी धरती का मालिक पैदा होता है। शुरू शुरू में केवल रा और उसकी पत्नी नूट थे।[101] रा की पत्नी नूट जैब देवता[102] से प्यार करती थी। जब रा को उनके इस प्रेम का पता चला तो वह बहुत नाराज हुआ।

[100] Plutarch – a Greek writer and essayist, c 46 AD-120 AD, later became a Roman citizen and was named as Plutarchus.
[101] In the beginning there were only Ra (the Sun God) and his wife Nut.
[102] Jeb God

गुस्से में आ कर उसने नूट को शाप दिया कि वह साल के तीन सौ साठ दिन में से किसी भी दिन बच्चे को जन्म नहीं दे सकेगी। उस समय साल में तीन सौ साठ दिन ही हुआ करते थे।

यह सुन कर नूट बहुत दुखी हुई। उसने अपने दोस्त थौट[103] को अपनी सहायता के लिये बुलाया। थौट को मालूम था कि रा के शाप को टाला नहीं जा सकता था पर फिर भी उसको एक विचार आया।

थौट ने चाँद देवी सिलीन[104] को एक शर्त के लिये बुलाया और सिलीन की रोशनी का सातवाँ हिस्सा दाँव पर लगाया। उन दिनों सिलीन की रोशनी रा की रोशनी जैसी ही हुआ करती थी।

थौट वह शर्त जीत गया तो उसको सिलीन की रोशनी का सातवाँ हिस्सा मिल गया। इसी लिये चाँद आजकल हर महीने घटता है।

थौट ने यह रोशनी ले कर कैलेन्डर में पाँच दिन जोड़ दिये जिससे तीन सौ साठ दिन का साल तीन सौ पैंसठ दिन का साल हो गया। इससे नूट को पाँच दिन मिल गये जिन दिनों में वह बच्चों को जन्म दे सकती थी और साथ में रा का शाप भी बना रहा।

इन पाँच दिनों के पहले दिन उसने ओसिरिस को जन्म दिया। दूसरे दिन उसने होरस को जन्म दिया। तीसरे दिन उसने सेट को

---

[103] Thoth – the son of Ra, the Sun God

[104] Silene, the Moon Goddess

जन्म दिया। चौथे दिन उसने आइसिस को जन्म दिया और पाँचवें दिन उसने नैफथिस[105] को जन्म दिया।

ओसिरिस के जन्म के समय एक तेज़ आवाज सुनायी दी "सारी धरती के स्वामी ने जन्म लिया है।"

2 ताकतवर राजा

समय के साथ साथ ओसिरिस बड़ा होता गया और फिर एक दिन बहुत ही ताकतवर राजा बन गया। उसने अपनी जनता को सभ्य बनाया। उसने उनको खेती करना सिखाया, जानवर पालना सिखाया। उसने उनको जीने के नियम सिखाये। उनको पूजा करने का ठीक तरीका सिखाया।

इस तरह उसके राज में मिस्र एक बहुत ही ताकतवर राज्य बन गया। वहाँ की जनता अपनी जमीन की खुशी से पूजा करती थी। जब उसका अपना देश सभ्य हो गया तो वह दूसरे देशों को सभ्य बनाने के लिये दूसरे देशों की तरफ रवाना हुआ।

अपने जाने के बाद वह अपनी पत्नी आइसिस को वहाँ की मालकिन बना गया। उसने भी देश पर उसी तरह राज किया जैसे उसका पति ओसिरिस कर रहा था।

[105] First day Nut gave birth to Osiris, second day to Horus, third day to Seth, fourth day to Isis and the fifth day to Nephthys

पर ओसिरिस का एक दुश्मन था। और वह था उसका अपना छोटा भाई सेट जो उससे बहुत जलता था।

3 राजा के खिलाफ सेट की चाल

राजा ओसिरिस के चले जाने के बाद सेट ने उसके खिलाफ चाल सोचनी शुरू कर दी। वह इथियोपिया की रानी असो[106] और बहत्तर दूसरे जाल रचने वालों के साथ मिल गया पर जब तक आइसिस देश पर राज करती रही वह कुछ नहीं कर सका क्योंकि उसका राज बहुत अच्छा था।

जब ओसिरिस वापस आ गया तब उस चाल और जाल को काम में लाया गया जिसको सेट कुछ दिनों से खेलने की कोशिश कर रहा था पर कर नहीं सका था।

सेट ने गुप्त रूप से अपने भाई का नाप लिया और गुप्त रूप से ही उसके लिये उसके नाप का एक बहुत बढ़िया सजा हुआ बक्सा बनवाया। जब बक्सा बन कर तैयार हो गया तो एक दावत का इन्तजाम किया गया। उस दावत में सेट ने ओसिरिस को और उन बहत्तर जाल रचने वालों को बुलाया।

ओसिरिस को सेट में कोई बुराई नजर नहीं आती थी और न ही उसने उस पर कोई इस तरह का कभी शक ही किया कि वह उसके साथ कोई चाल खेल सकता था सो वह दावत में चला गया।

---

[106] Aso, the Queen of Ethiopia

जब दावत खत्म हो गयी तो सेट ने उस बक्से को मँगवाया और उस बक्से को उस आदमी को जाँचने के लिये कहा जो भी उसके अन्दर आ सके।

एक एक कर के सब उसमें अन्दर घुसने की कोशिश करते रहे जब तक ओसिरिस का नम्बर आया। जब सारे लोग उसमें लेट लेट कर देख रहे थे तो ओसिरिस भी बिना किसी शक के उसके अन्दर लेट गया।

पर जैसे ही वह उसके अन्दर लेटा सब लोगों ने मिल कर उसका ढकना ज़ोर से बन्द कर दिया और उसमें कीलें ठोक दीं। उसके ऊपर से उसके जोड़ों में पिघला हुआ सीसा[107] डाल दिया।

यह सब कर के उन्होंने वह बक्सा नील नदी में फेंक दिया। इस के बाद ओसिरिस फिर कभी ज़िन्दा आदमियों की दुनियाँ मे चलता फिरता नहीं देखा गया।[108]

4 आइसिस का पति के लिये दुख

आइसिस ने जब यह सुना कि उसके पति को इस तरह मार दिया गया तो वह बहुत दुखी हुई। उसने अपनी दुख वाली पोशाक पहनी और अपने पति की लाश ढूँढने के लिये चल दी।

[107] Translated for the word “Lead” – a kind of metal

[108] The same story is given on another web site too. That version is given as Story No 14 in this book.

वह जानती थी कि मरे हुए को तब तक आराम नहीं मिलता जब तक कि उसका ठीक से अन्तिम संस्कार न हो जाये।

आइसिस बहुत समय तक उसकी लाश को ढूँढती रही पर उसको कुछ नहीं मिला। उसने हर आदमी और हर स्त्री से पूछा कि अगर कहीं किसी ने कोई बहुत बड़ा बक्सा देखा हो जिसमें उसका पति हो, पर किसी ने ऐसा कोई बक्सा कहीं नहीं देखा था।

आखीर में आइसिस ने कुछ बच्चों से पूछा जो नील नदी के किनारे खेल रहे थे। उन बच्चों ने उसको वह जगह बतायी जहाँ सेट और उसके साथियों ने वह बक्सा नील नदी में फेंका था।

कुछ और जाँच और शैतानों से सलाह लेने के बाद आइसिस को पता चला कि वह बक्सा तो समुद्र की तरफ बाइब्लोस देश[109] की तरफ बह गया था और एक फूलों वाली झाड़ी[110] के पास जा कर ठहर गया था।

और जैसे ही वह बक्सा वहाँ जा कर ठहरा तो कुछ ऐसा जादू हुआ कि वह फूलों वाली झाड़ी तो झाड़ी से एकदम बढ़ कर पेड़ बन गयी और उस पेड़ ने उस बक्से को अपने तने में छिपा लिया।

उधर जब बाइब्लौस के राजा ने वह पेड़ देखा तो वह पेड़ उस को बहुत अच्छा लगा और इतना अच्छा लगा कि उसने उसको कटवा कर उसका एक बहुत बड़ा खम्भा बनवा लिया और उसने

---

[109] Land of Byblos – is a Mediterranean port city in the Mount Lebanon Governorate, Lebanon.
[110] Tamarisk tree

वह खम्भा अपने महल की छत को सहारा देने के लिये अपने महल में लगवा लिया।

5 आइसिस बाइब्लौस में

इस बीच आइसिस अपने पति की लाश लाने के लिये बाइब्लौस देश की तरफ चली। वहाँ पहुँच कर वह एक फव्वारे के पास चुपचाप बैठ गयी। वहाँ जा कर वह बाइब्लौस की लड़कियों के अलावा और किसी से नहीं बोली।

इन लड़कियों से वह बड़ी खुशी खुशी बात करती थी। वह उनके बालों की चोटी बनाती थी फिर उनमें बहुत अच्छी मीठी सी खुशबू बसाती थी जो बहुत सारे फूलों की खुशबुओं से भी बहुत अच्छी थी।

जब वे लड़कियाँ महल गयीं तो रानी ने उनसे पूछा कि उनके बालों में इतनी अच्छी खुशबू कहाँ से आयी। तब उन्होंने रानी को उस सुन्दर अजनबी स्त्री के बारे में बताया जिनसे मिल कर वे आयी थीं और जिसने उनके बाल सँवारे थे।

तो रानी ने उनसे कहा कि वह उस अजनबी स्त्री को महल में ले कर आयें। वे लड़कियाँ आइसिस को महल ले कर आयीं तो रानी ने उसका बहुत शानदार स्वागत किया और उसको अपने एक बच्चे राजकुमार की आया बना कर रख लिया।

आइसिस उस बच्चे राजकुमार को अपनी उँगली चुसा कर दूध पिलाती थी। हर रात जब सारा महल सो जाता तो आइसिस बहुत सारे लट्ठे डाल कर आग जलाती और उसमें उस राजकुमार को डाल देती।[111]

फिर वह एक घरेलू चिड़िया में बदल जाती और अपने पति के लिये दुखी हो कर फड़फड़ाती और चिल्लाती रहती।

इन अजीब घटनाओं की खबर रानी को भी मिली। उसको इन कहानियों पर विश्वास नहीं हुआ तो उसने यह सब अपनी आँखों से देखने का निश्चय किया।

उस रात वह छिप गयी और जैसी कि उसको खबर मिली थी वैसे ही उस आया ने एक बड़ी सी आग जलायी और बच्चे को उस आग में फेंक दिया। यह देख कर तो रानी की चीख ही निकल गयी और वह बच्चे को बचाने के लिये भागी।

आइसिस रानी की तरफ घूमी और उसने उसको बुरा भला कहते हुए अपना सच्चा परिचय दिया।

आइसिस ने रानी को यह भी समझाया कि वह अपने इस जादू से बच्चे को देवता बना रही थी पर अब क्योंकि रानी ने बीच में दखल दे दिया था तो अब वह देवता भी नहीं बन सकेगा और वह अमर भी नहीं हो पायेगा।

[111] The same process was adopted by the mother of Achilles to make him immortal in Greece.

फिर आइसिस ने रानी को अपने बाइब्लौस आने की वजह बतायी और प्रार्थना की कि वह उसको अपने महल में लगा हुआ वह बड़ा वाला खम्भा दे दे जिसमें उसका पति कैद था। रानी ने उसको खम्भा ले जाने की इजाज़त दे दी।

6 आइसिस की मिस्र वापसी

पेड़ के तने वाला खम्भा अपनी जगह से निकलवाया गया। उसको काट कर खोलने पर उसमें से एक बक्सा निकला। आइसिस ने वह बक्सा निकाला और उसको ले कर वह मिस्र वापस आ गयी। वह भारी खम्भा वहीं बाइब्लौस में ही रहा पर उस दिन के बाद से उस खम्भे की वहाँ केवल पूजा ही होती रही।

जब आइसिस घर वापस आ गयी तो उसने बक्सा खोला और अपने पति की लाश पर बहुत देर तक रोती रही। इस दुख में उसकी बहिन नैफथिस[112] भी उसके साथ थी। दोनों बहिनें काइट चिड़िया[113] में बदल गयीं वे दुख से रोते चीखते हुए उस बक्से के चारों तरफ घूमीं।

पर आइसिस का ध्यान तुरन्त ही अपने छोटे बेटे होरस की तरफ चला गया। क्योंकि वह जब अपने पति को लेने गयी थी तब वह उसको बूटो[114] में छोड़ आयी थी पर अब उसको उसे लेना था।

---

[112] Nephthys – sister of Isis

[113] Kite birds

[114] Buto – name of a place

सो उसने उस लाश वाले बक्से को एक गुप्त जगह पर छिपा दिया और अपने बेटे को लेने चली गयी।

7 सेट ने फिर नीचता दिखायी

उस रात सेट चॉद की रोशनी में शिकार करने निकला तो वह उस सुन्दर सजे हुए बक्से से टकरा गया जिसमें उसने ओसिरिस को बन्द कर के मारा था।

अपने भाई को वहॉ देख कर वह बहुत गुस्सा हुआ। उसने बक्से में से राजा का शरीर निकाला, उसके शरीर के चौदह टुकड़े किये और उनको सारे मिस्र पर बिखेर दिये।

पर जब आइसिस को उसके इस नये बुरे काम का पता चला तो उसका दुख फिर से हरा हो गया। वह एक बार फिर से अपने पति को ढूँढने निकली। इस बार अपनी खोज के लिये उसने पैपीरस के डंडों[115] की एक नाव बनवायी।

पहले पैपीरस के डंडों की बनी हुई नाव पर कोई मगर हमला नहीं करता था क्योंकि ऐसा विश्वास किया जाता था कि शायद उसमें कोई देवी हो और मगरों को यह बात पता हो।

आइसिस ने सोचा कि वह जहॉ कहीं भी अपने पति के शरीर का अगर एक भी टुकड़ा पा लेगी तो वह उसको गाड़ देगी और

[115] Papyrus reeds

वहाँ एक मन्दिर बनवा देगी। यही वजह है कि आज ओसिरिस की कब्रें कई जगह पायी जाती हैं।

8 होरस का बदला

इस बीच ओसिरिस का बेटा होरस बड़ा हो गया था और ओसिरिस का भी "मरे हुओं के राजा"[116] की हैसियत से दोबारा जन्म हो चुका था। सो एक दिन वह ज़िन्दा लोगों की दुनियाँ में अपने बेटे के सामने प्रगट हुआ।

ओसिरिस ने अपने बेटे होरस को सेट से उसने जो गलत काम किये थे उनका बदला लेने के लिये तैयार किया। सो होरस ने सेट को ढूँढा और दोनों में ज़ोर की लड़ाई छिड़ गयी। कभी होरस जीतता नजर आता तो कभी सेट।

कहते हैं कि अच्छाई बुराई की यह लड़ाई अभी तक चल रही है पर एक दिन होरस इस लड़ाई में जरूर जीतेगा और उस दिन ओसिरिस धरती पर राज करने के लिये फिर से लौटेगा।

[116] Osiris as the King of the Dead

11 सेटना खमवास और जादू की किताब[117]

यह कहानी एक ऐतिहासिक चरित्र सेटना खमवास[118] पर आधारित है जो पीटा[119] का एक बड़ा पुजारी था और रैमसैज़ **2** दी ग्रेट का चौथा बेटा था। यह कहानी तीसरी सदी बीसी के एक पैपीरस पर लिखी पायी गयी है। यह कहानी बताती है कि मरे हुए लोगों की बातों में दखल देने में क्या क्या खतरा होता है।

सेटना खमवास एक बहुत ही विद्वान आदमी था। एक बार उसने एक जादू की किताब के बारे में सुना तो वह उसको लेने के लिये बहुत उत्सुक हो गया। वह जादू की किताब थौट देवता[120] की लिखी हुई थी।

उसको यह विश्वास दिलाया गया था कि यह किताब राजकुमार नैफ़रकाप्ता[121] के मकबरे में कहीं छिपी हुई थी। और यह मकबरा मैमफिस के पश्चिम में नैक्रोपोलिस[122] में था।

---

[117] Setna Khamwas and the Magic Book – a tale from Egypt, Africa.
This story taken from the Web Site : http://www.oocities.org/isis_artemis_0/setne.htm

[118] Setna Khamwas was the Chief priest of Ptah and was the fourth son of Ramses II.

[119] Ptah – pronounced as Pitah – the god of craftsmen and architects

[120] Thoth god

[121] Neferkaptah – name of the Prince

[122] Necropolis is a large ancient cemetery with elaborated tomb monuments. The term implies a separate burial site at a distance from a city as opposed to tombs within cities. The Giza Necropolis of ancient Egypt is one of the oldest and probably the most well-known necropolis in the world since the Great Pyramid of Giza was included in the Seven Wonders of the Ancient World.

यह सुनते ही सेटना ने तय कर लिया था कि वह यह किताब हासिल कर के ही रहेगा।

उसने वह मकबरा भी ढूँढ लिया और अपने भाई इनारौस[123] की सहायता से उसे जबरदस्ती खोल भी लिया। वहाँ उसको वह चमकीली किताब मिल गयी।

पर जब सेटना खमवास ने उसको उठाना चाहा तो उसके सामने राजकुमार नैफ़रकाप्ता, उसकी पत्नी ईवे और उनके बेटे मैरिब[124] की आत्माऐं उससे लड़ने के लिये आ गयीं।

सेटना खमवास ने राजकुमार नैफ़रकाप्ता से वह किताब छीननी चाही तो वह बोला — "अगर तुम्हें यह किताब चाहिये तो तुमको ड्रौट्स[125] खेल खेलना होगा।"

सेटना राजी हो गया और वे दोनों बोर्ड बिछा कर वह खेल खेलने बैठे। सेटना खमवास तीन बाजी हार गया। हर बाजी जीतने पर नैफ़रकाप्ता ने उसके सिर पर मारा और उसको जमीन में नीचे धँसा दिया। इस तीन बार में केवल उसका सिर ही जमीन से बाहर निकला रहा बाकी सारा शरीर जमीन के अन्दर चला गया।

[123] Inaros – name of the brother of Setna

[124] Ihweh – name of the wife of Neferkaptah; and Merib is the name of their son

[125] Draughts – name of a game

अब सेटना खमवास ने अपने भाई को अपने जादुई ताबीज़[126] लेने के लिये भेजा जिनकी सहायता से वह वहॉ से आजाद हो सका और वह किताब भी उस राजकुमार से ले सका।

जब वह वहॉ से बाहर आया तो उसने उस किताब को बड़े उत्साह से पढ़ना शुरू कर दिया। उसने उन सब सलाहों पर कोई ध्यान नहीं दिया जो उसको यह कहती थीं कि उसको वह किताब वापस कर देनी चाहिये।

खैर, कुछ देर बाद ही उसने अपनी खिड़की के पास से गुजरती एक बहुत ही सुन्दर स्त्री देखी। उसको देखते ही उसके मन में उसको पाने की इच्छा जाग उठी। उसने उससे प्यार करने की इच्छा प्रगट की।

वह बोली कि वह ऐसा जरूर करेगी पर केवल इस शर्त पर कि वह उसको अपनी सारी जायदाद उसको दे दे और अपने बच्चों को मार दे।

सेटना खमवास इस बात पर राजी हो गया। उसको यह पता ही नहीं था कि वह स्त्री एक आत्मा थी और उसका नाम तबूबू[127] था और वह अब उसके जादू में था।

सेटना ने अभी अपने कपड़े उतारे भी नहीं थे कि वह स्त्री गायब हो गयी और फैरो उस कमरे में अन्दर आया। सेटना उसको

---

[126] Translated for the word "Amulet" – it is a magical article worn on the body to protect somebody from some kind of misfortune or to do some work.

[127] Tabubu – name of the spirit

देख कर बहुत ही शर्मिन्दा हो गया। पर उसकी शर्मिन्दगी तब खत्म हो गयी जब उसको यह बताया गया कि वह तो एक बुरा सपना था और उसके बच्चे अभी ज़िन्दा हैं।

तब उसने उस किताब को नैफ़रकाप्ता के मकबरे को वापस कर दिया। उस मरे हुए राजकुमार ने उसका खुशी से स्वागत किया और इस चोरी की सजा के बदले में उससे एक प्रार्थना की कि वह उसकी पत्नी और बेटे का शरीर ढूँढ कर उसको ला कर दे दे।

सेटना खमवास ने उसकी पत्नी और उसके बेटे के शरीर धरती में से निकाले और उनको नैफ़रकाप्ता के मकबरे में रख दिये जिनको कि उसने फिर बन्द कर दिया। फिर उसने वह किताब भगवान[128] को वापस कर दी।

[128] Translated for the word “Eternity”.

12 से–ओसिरिस और बन्द चिट्ठी[129]

मिस्र के रैमसैज़ 2 दी ग्रेट[130] के बेटे सेटना[131] के बारे में कई कहानियाँ मशहूर हैं। यह वहाँ के लोगों का सबसे ज़्यादा अक्लमन्द लिखने वाला था। एक बार उसको थौट देवता[132] की लिखी हुई एक किताब मिल गयी थी जिसको उसने पढ़ा।

रैमसैज़ 2 के बेटे के बेटे के बारे में भी कई कहानियाँ मशहूर हैं। उसका नाम था से–ओसिरिस। से–ओसिरिस का मतलब होता है "ओसिरिस[133] की भेंट"। से–ओसिरिस एक बहुत ही आश्चर्यजनक लड़का था। बारह साल की उम्र में ही वह मिस्र का एक बहुत बड़ा जादूगर बन गया था।

उसका सबसे ज़्यादा मशहूर काम उस दिन शुरू हुआ जब रैमसैज़ 2 अपने थैबैस[134] के महल के बड़े कमरे में अपने राजकुमारों और कुलीन लोगों के साथ बैठा हुआ था।

---

[129] Se-Osiris Sealed Letter – a tale from Egypt, Africa.
This story taken from http://www.aldokkan.com/art/letter.htm

[130] Ramses II the Great – the Third Pharaoh of the 19th Dynasty of Egypt (1303 BC – 1213 BC), He is often regarded as the greatest, most celebrated, and most powerful Pharaoh of the Egyptian Empire. Whatever event his grandson read from a sealed letter in this tale happened 500 years before their time.

[131] Setna – the son of the Pharoah Ramses II the Great. Somewhere his name's spelling is given as "Setne"

[132] Thoth – pronounced as Thot, the wise God. Read the previous story to know about this.

[133] Osiris is the name of the Egyptian god of Afterlife, Underworld and Death.

[134] Thebes - Thebes is an ancient Egyptian city located east of the Nile about 500 miles south of the Mediterranean Sea. Its ruins lie within the modern Egyptian city of Luxor.

कि रैमसैज़ **2** का वज़ीर[135] वहाँ हड़बड़ाता हुआ आया। उसके हाथ में एक किताब थी और उसके चेहरे पर गहरा आश्चर्य था।

वह तुरन्त ही रैमसैज़ **2** के पैरों के सामने फर्श पर लेट गया और बोला — "ज़िन्दगी, तन्दुरुस्ती, ताकत आपको सब कुछ मिले ओ फैरो। आपके दरबार में एक बहुत ही बड़ा गधा एक इथियोपियन[136] आया है जो सात फीट लम्बा है और वह आपसे बात करना चाहता है।

उसका कहना है कि वह यह साबित कर सकता है कि इथियोपिया के जादू के सामने मिस्र का जादू तो कुछ भी नहीं है।"

फैरो बोला — "उसको अन्दर बुलाओ।"

उस इथियोपियन को अन्दर बुला लिया गया और वह फैरो के सामने आ कर खड़ा हो गया।

उस इथियोपियन ने फैरो को सलाम किया और बोला — "मैं अपने हाथ में एक बन्द चिट्ठी लाया हूँ जिसे आपके यहाँ का कोई भी पुजारी, जादूगर या कोई और लिखने पढ़ने वाला अगर बिना उसको खोले उसको पढ़ कर यह बता सके कि उसमें क्या लिखा है।

और अगर कोई उसको इस तरह न पढ़ सका तो मैं इथियोपिया वापस चला जाऊँगा और जा कर अपने राजा और उसकी जनता

[135] Translated for the word "Prime Minister"

[136] Ethiopian – who lives in Ethiopia

को बताऊँगा कि मिस्र के लोगों का जादू कितना कमजोर है। और तब वहाँ सब लोग आपका मजाक बनायेंगे।"

फैरो को यह सुन कर थोड़ा गुस्सा भी आया और वह थोड़ा चिन्तित भी हुआ। उसने तुरन्त ही अपने बेटे सेटना को बुलवा भेजा। उसने उसको बताया कि वह किस परेशानी में फँस गया है। यह सुन कर सेटना भी बहुत परेशान हुआ।

पर फिर बोला — "ओ फैरो, ओ मेरे पिता। ज़िन्दगी, तन्दुरुस्ती, ताकत आपको सब कुछ मिले। अभी इस जंगली को आप जाने दें और इसको आराम करने के लिये कह दें। इसको आप तब तक अपने शाही मेहमानघर में रहने के लिये भेज दें और खाने, पीने और सोने दें जब तक आपका दरबार दोबारा नहीं लगता।

तब मैं एक ऐसा जादूगर ले कर आऊँगा जो यह दिखायेगा कि जो लोग मिस्र में जादू दिखाते हैं वे कुश की धरती[137] के पार के किसी भी जादूगर से मुकाबला कर सकते हैं।"

फैरो बोला — "ठीक है जैसा तुम चाहो।"

और उस इथियोपियन को शाही मेहमानघर की तरफ भेज दिया गया जहाँ उसको सब तरह के आराम दे दिये गये।

[137] Land of Cush - The truth is that the Hebrews called Ethiopia "Cush" in their own tongue. But what has not been so well recognized is that the Hebrews used this name 'Cush' of more than one place. The name is derived from Cush the son of Ham, the son of Noah, in Genesis 10:6.

अब हालाँकि सेटना ने यह सब बहुत विश्वास के साथ कहा था पर सेटना इस बात को ले कर खुद भी बहुत परेशान था। वह क्या करे।

हालाँकि खुद उसने भी थौट की किताब पढ़ रखी थी और वह देश में सबसे ज़्यादा अक्लमन्द आदमी था और सबसे ज्यादा होशियार जादूगर था पर फिर भी... ।

पर फिर भी वह पैपीरस[138] पर लिखी गयी और लपेटी गयी और बन्द की गयी चिट्ठी को बिना उसकी सील तोड़े और बिना उसको खोले नहीं पढ़ सकता था।

वह दरबार से आ कर अपने महल में अपने काउच पर लेट गया और सोच में पड़ गया कि वह अपने पिता की इस समस्या का हल कैसे निकाले।

उसका रंग इतना पीला पड़ा हुआ था और वह इतना परेशान दिखायी दे रहा था कि उसकी पत्नी को डर लगा कि कहीं वह बीमार ही न हो गया हो। वह उसके पास आयी।

और उसके साथ आया उसका बेटा से–ओसिरिस[139]।

---

[138] Papyrus refers to a thin paper-like material made from the pith of the papyrus plant, *Cyperus papyrus*. Papyrus can also refer to a document written on sheets of papyrus joined together side by side and rolled up into a scroll, an early form of a book. See a picture of papyrus writing above.

[139] Se-Osiris – the son of Setna and the grandson of Ramses II.

जब सेटना ने अपनी पत्नी को अपनी परेशानी बतायी तो वह तो रो पड़ी और उसकी ऑखों से ऑसू बहने लगे। पर उसका बेटा से–ओसिरिस ज़ोर से हॅस पड़ा।

बेटे की हॅसी सुन कर सेटना और परेशान हो गया और बोला — "बेटे तुम यह सब सुन कर क्यों हॅस रहे हो जिसने फैरो को और तुम्हारे पिता को इतना परेशान कर रखा है?"

से–ओसिरिस बोला — "पिता जी मैं इसलिये हॅस रहा हूॅ क्योंकि जिस परेशानी से आप और फैरो परेशान हैं वह परेशानी तो कोई परेशानी ही नहीं है।

यह तो देवताओं की एक दुआ है जो मिस्र को उसकी शान दिलवाने के लिये आयी है और इथियोपिया के राजा और उसके जादूगरों का घमंड तोड़ने आयी है। आप बिल्कुल दुखी न हों वह चिट्ठी कल मैं पढ़ूॅगा।"

अपने बेटे के मुॅह से यह सुनते ही सेटना तुरन्त ही कूद कर अपने काउच पर से उठ गया और अपने छोटे से बेटे की तरफ देखने लगा जो उसके सामने बड़े विश्वास के साथ खड़ा था।

वह बोला — "तुम्हारे पास तो जादू की बहुत बड़ी ताकत है मेरे बेटे। मुझे यह बात मालूम है। पर इस बात का विश्वास मैं कैसे करूॅ कि जब हम फैरो के सामने खड़े होंगे तब तुम सचमुच में ही वह चिट्ठी पढ़ पाओगे जो एक पैपीरस पर लिखी हुई है और वह पैपीरस लपेटा हुआ है और बन्द है?"

से–ओसिरिस बोला — "पिता जी, आप अपने उस कमरे में जाइये जहाँ आपकी लिखायी पढ़ायी का सामान रखा रहता है। वहाँ रखे हुए जिस किसी पैपीरस को भी आप चाहें उठा लें। अगर वह बन्द न हो तो उसको बन्द कर लें। मैं उसको आपके हाथ से बिना लिये ही पढ़ दूँगा।"

सेटना तुरन्त ही अपने लिखायी पढ़ायी के कमरे में गया वहाँ से एक पैपीरस बन्द कर के ले आया और से–ओसिरिस ने उसको बिना अपने पिता के हाथ से लिये ही पढ़ दिया।

उसका पिता तो यह देख कर आश्चर्यचकित रह गया पर उसको यह भी विश्वास हो गया कि अगले दिन उसका बेटा उस इथियोपियन की लायी हुई चिट्ठी जरूर पढ़ देगा।

अगले दिन रैमसैज़ 2 का दरबार लगा। जब वहाँ सब लोग इकट्ठे हो गये तो रैमसैज़ 2 ने अपने वजीर को बुलाया और उसको उस इथियोपियन को बुलाने के लिये कहा और उसको अपनी लायी चिट्ठी भी साथ लाने के लिये कहा।

वह बड़े साइज़ का इथियोपियन दरबार में बड़े घमंड के साथ घुसा और बड़ी मुश्किल से इतने बड़े फैरो के सामने थोड़ा सा सिर झुका कर वह बन्द पैपीरस का रौल उसको दिखाते हुए बोला — "ओ फैरो, बुलाओ अपने जादूगरों को और पढ़वाओ उनसे यह बन्द पैपीरस की चिट्ठी कि इसमें क्या लिखा है। और नहीं तो मान लो कि

इथियोपिया के जादूगर तुम्हारे मिस्र के जादूगरों से ज़्यादा होशियार हैं।"

फैरो अपने बेटे सेटना की तरफ देखते हुए बोला — "सेटना मेरे बेटे, तुम हमारे राज्य के सबसे बड़े और होशियार जादूगर हो सो इस पागल जंगली जादूगर को जवाब दो। यह अगर दूत न होता तो मैं इसको डंडों से पिटवाता।"

सेटना बोला — "ओ फैरो, ज़िन्दगी, तन्दुरुस्ती, ताकत आपको सब कुछ मिले। यह कुत्ता जैसा कि यह है, जिसको कि इतने अच्छे देवता जैसे फैरो रैमसैज़ 2 की कोई इ़ज़्ज़त ही नहीं है, यह इस लायक ही नहीं है कि हमारे यहाँ के किसी जादूगर के सामने जिसको बहुत साल का अनुभव हो और वह अक्लमन्द भी हो उसके सामने यह खड़ा रह सके।

मेरा बेटा जो अभी केवल बारह साल का है इस काम में बहुत होशियार है वह इस आदमी की पैपीरस की बन्द चिट्ठी पढ़ेगा।" यह सुन कर तो सारे दरबार में फुसफुसाहट और मुस्कुराहट दौड़ गयी।

तभी एक छोटा सा लड़का फैरो के सिंहासन के एक तरफ आया और उस बड़े साइज़ के इथियोपियन के सामने आ कर खड़ा हो गया। वह इथियोपियन राजा के सिंहासन वाले चबूतरे के नीचे अपने दाँये हाथ में वह बन्द चिट्ठी लिये खड़ा था।

से–ओसिरिस अपनी साफ आवाज में जिसे सब लोग सुन सकें बोला — "ओ फैरो मेरे बाबा। ज़िन्दगी, तन्दुरुस्ती, ताकत आपको

सब कुछ मिले। इस जादूगर के हाथ में जो यह लपेटा हुआ बन्द पैपीरस कागज है इसमें एक फैरो की बेइज़्ज़ती की कहानी लिखी हुई है।

उस फैरो ने दोहरा ताज पहना हुआ था और वह इसी सिंहासन पर आज से पाँच सौ साल पहले बैठा था जिस पर आज आप बैठे हैं।

यह एक राजा की कहानी है जो आज के इथियोपियन राजा की तरह से पहले इथियोपिया पर राज करता था। एक दिन इथियोपिया का वह राजा बहुत दूर दक्षिण में नील नदी के पास अपने संगमरमर के गर्मी के महल में बैठा हुआ था।

उसके पीछे कुछ खम्भे थे। उनके बीच में से उसको काले रंग की लकड़ी का जाली का खाँचा बना दिखायी दे रहा था जिस पर खुशबूदार बेलें चढ़ी हुई थीं।

वे बेलें इतनी घनी थीं कि वे हैज[140] जैसी लगती थीं। उसके

पीछे उसकी छाया में बहुत बड़े बड़े जादूगर बैठे हुए थे। वे जादूगर आपस में बातें कर रहे थे और राजा उनकी बातों को आलस में बैठे बैठे सुन रहा था।

[140] Hedge is normally a low wall, 3-6 feet tall, otherwise it can be high also – as high as 10-12 feet, made of very densely planted plants. It works as a boundary wall to protect the house from thieves and animals etc.

उसने एक जादूगर को कहते सुना — "हथियारों के मामले में शायद हम तुम्हारे सामने खड़े न हो सकें पर जादू के मामले में हमारा मालिक फैरो और उसके लोग निश्चित रूप से बहुत होशियार हैं। यहाँ तक कि मैं भी सारी दुनियाँ के ऊपर अँधेरा ला सकता हूँ जो तीन दिन तक उसके ऊपर रह सकता है।"

इस पर दूसरा जादूगर बोला — "तुम सच कह रहे हो? मैं तो पूरे मिस्र के ऊपर एक ऐसी फंगस[141] ला सकता हूँ जो सारे मिस्र की फसल को एक मौसम के लिये बर्बाद कर सकती है।"

इस तरह वे सब अपने अपने उन खराब कामों को बता रहे थे और अपने अपने जादू की डींग हाँक रहे थे जो वे कर सकते थे।

आखीर में इथियोपिया के जादूगरों के सरदार ने कहा — "जहाँ तक यह फैरो का कुत्ता जो अपने आपको हमारा सरदार कहता है मैं उसी फैरो को अपने जादू से यहाँ ला कर उसको सब लोगों के सामने पाँच सौ डंडे लगवा सकता हूँ।

हाँ मैं ऐसा कर सकता हूँ और फिर उसको पाँच घंटों के अन्दर अन्दर वापस उसके महल भी भेज सकता हूँ।"

जब इथियोपिया के राजा ने यह सुना तो उसने सारे जादूगरों को अपने सामने बुलवाया औेर उनके सरदार से कहा — "ओ

[141] Translated for the word "Blight". Blight is a kind of fungus or a pathogenic organism which can affect plants in response to infection. It is simply a rapid and complete chlorosis, browning, then death of the plant tissues such as leaves, branches, twigs, or floral organs.

नाहसित[142] के बेटे, मैंने वह सब सुना जो तुमने कहा। अगर तुमने जो कुछ कहा है वह तुम फ़ैरो के साथ कर सकते हो तो मैं तुमको उससे भी ज़्यादा इनाम दूँगा जितना किसी भी जादूगर को अब तक मिला होगा।"

नाहसित के बेटे ने उसके सामने सिर झुकाया और उसने अपना जादू फेंकना शुरू किया। उसने अपने जादू से मोम के चार उठाने वाले आदमी और एक कपड़े लगा स्ट्रैचर[143] बनाया। फिर उसने उनके ऊपर अपने जादू के कुछ शब्द बोले और उनमें जान डाल दी।

उसने तुरन्त ही उनको मिस्र भेजा और उनको फ़ैरो को उसी रात को इथियोपिया लाने के लिये कहा।"

इतना पढ़ने के बाद से–ओसिरिस उस इथियोपियन की तरफ घूमा और बोला — "यह जो कुछ भी मैंने अभी तक पढ़ा क्या यह इस बन्द पैपीरस रौल में जो तुम्हारे हाथ में है नहीं लिखा? सच सच जवाब देना नहीं तो अमून रा[144] तुमको वहीं नष्ट कर देगा जहाँ तुम खड़े हो।"

---

[142] Tnahsit

[143] Stretcher is a kind of litter, often of made of canvas stretched on a frame, for carrying the sick, wounded, or dead. See its picture above.

[144] Amun Ra or Ra, the Sun God

उस इथियोपियन ने उसके सामने सिर झुकाया और आश्चर्य की एक सॉस लेते हुए बोला — “ये शब्द यहॉ लिखे हुए हैं मेरे मालिक।”

यह सुन कर से–ओसिरिस ने आगे पढ़ना शुरू किया — “सब कुछ वैसा ही हुआ जैसा नाहसित के बेटे ने कहा था। फैरो अपने थैबैस के महल से अपने शाही पलंग से उठा लिया गया और उसको इथियेपिया ले आया गया।

राजा के नौकरों ने उसको सबके सामने पॉच सौ डंडे मार कर पीटा और फिर उसको पॉच घंटों के अन्दर अन्दर वापस थैबैस के महल में भेज दिया गया।

अगली सुबह जब फैरो उठा तो उसके शरीर में बहुत दर्द था। उसकी कमर पर पड़े डंडों के निशान बता रहे थे कि उसकी पिटायी कोई सपना नहीं थी।

सो फैरो ने अपना दरबार बुलाया और अपने जादूगरों को बुलवाया और उनको अपनी शर्मनाक कहानी बतायी और कहा — “मुझे इथियोपिया के राजा से और उसके जादूगरों से बदला चाहिये।

इसके अलावा मुझे मिस्र की जमीन और उसके फैरो के दैवीय आदमी को इन जंगलियों से और उनके बुरे और अपमानजनक जादू से सुरक्षा भी चाहिये।”

सो फैरो के जादूगरों का सरदार खैर–हैब[145] उठा, उसने फैरो को सिर झुकाया और बोला — "ओ फैरो। ज़िन्दगी, तन्दुरुस्ती, ताकत आपको सब कुछ मिले। यह नहीं हो सकता कि सेट के बच्चे[146] जो नूबिया[147] और इथियोपिया में रहते हैं इस तरीके से आपकी बेइज़्ज़ती करते रहें।

मैं आज ही अक्लमन्दी और जादू के देवता थौट के मन्दिर में जा कर उनकी सलाह लेता हूँ और आप यकीन रखें कि कल मुझे कोई न कोई ऐसा टोटका मिल ही जायेगा जिससे आपको इस बेइज़्ज़ती का बदला और इस जमीन की सुरक्षा दोनों मिल जायेंगी।"

सो खैर–हैब उस रात थौट के मन्दिर में सोया। इबिस चिड़िया के सिर वाला थौट आया और उसने उस जादूगर को सब बताया कि उसको फैरो की सुरक्षा के लिये क्या करना था।

उस रात तो कोई इथियोपियन स्ट्रैचर उठाने वाला शाही महल में नहीं आया पर उससे अगली रात वे फिर फैरो को इथियोपिया ले जाने के लिये और उसको सबके सामने पीटने के लिये ले जाने के लिये आये।

---

[145] Kher-Heb – name of the Chief Magician of Egypt

[146] Seth – in Judaism, Christianity and Islam was the third son of Adam and Eve and the brother of Cain and Abel.

[147] Nubia is a region along the Nile River located in what is today the Northern Sudan and Southern Egypt. One of the earliest civilizations, with a history that can be traced from 2000 BC onward through Nubian monuments and artifacts as well as written records from Egypt and Rome, it was home to one of the African empires.

पर थौट ने जो जादू खैर–हैब को सिखाया था वह इतना असरदार था कि उसके सामने इथियोपिया के जादूगर का जादू बेकार हो गया।

वे तो बस शाही कमरे के बाहर खड़े खड़े देखते रहे। वे फैरो की तरफ उसको जादू के स्ट्रैचर पर उठाने के लिये हाथ भी नहीं बढ़ा सके। फिर वे वहॉ से भाग गये और उसके बाद वे फिर कभी वहॉ नहीं देखे गये।

पर अगली सुबह जब खैर–हैब ने सुना कि फैरो के सोने वाले कमरे के पास क्या हुआ तो वह बहुत खुश हुआ और सीधा अपना एक जादुई स्ट्रैचर तैयार करने चला गया। उसने उस स्ट्रैचर को उठाने वाले चार आदमी भी तैयार किये।

वे चारों लोग उस रात इथियोपिया के राजा को थैबैस ले आये और वहॉ खैर–हैब ने इथियोपिया के राजा को अमून रा के मन्दिर के सामने वाले चौराहे पर पॉच सौ डंडे मारे।

अगली सुबह इथियोपिया का राजा बड़े दर्द में उठा। उसने तुरन्त ही नाहसित के बेटे को बुला भेजा और उससे कहा कि वह एक ऐसा जादू ढूँढ कर लाये जिससे फैरो ने जो उसकी बेइज़्ज़ती की थी उसका और मिस्र के जादूगरों से बदला लिया जा सके। पर नाहसित का बेटा कुछ नहीं कर सका।

इस तरह इथियोपिया के राजा को थैबैस तीन बार ले जाया गया और उसको हर बार सबके सामने पीटा गया तब उसने फ़ैरो के

सामने अपनी हार मान ली और फिर उसके बाद उसको नहीं पीटा गया। पर उसने नाहसित के बेटे को बहुत गालियाँ देते हुए अपने राज्य से बाहर निकाल दिया।

उसने कहा — "ज़िन्दगी भर और मरने के बाद भी तुम तब तक धरती पर घूमते रहो जब तक तुम फैरो और उसके जादूगरों की बेइज़्ज़ती कर के मेरी इस बेइज़्ज़ती का बदला न ले लो। और जब तक तुम यह साबित न कर लो कि कोई जादू खेम[148] के जादूगरों के जादू से भी बड़ा है।"

तब से–ओसिरिस ने उस बन्द चिट्ठी की तरफ इशारा करते हुए कहा — "ओ इथियोपियन, ये शब्द जो मैंने अभी तुमसे कहे हैं क्या वे उस पैपीरस के रौल में नहीं लिखे हैं जिसको तुम अपने हाथ में पकड़े हो और जो अभी भी बन्द है?

सच सच जवाब देना नहीं तो अमून रा तुमको वहीं का वहीं नष्ट कर देगा जहाँ तुम खड़े हो।"

इथियोपियन अपने घुटनों पर गिर पड़ा और बोला — "ये शब्द इसमें लिखे हुए हैं ओ ताकतवर जादूगर।"

उसके बाद उस चिट्ठी की सील तोड़ी गयी और उसको फैरो और उसके दरबार के सामने ज़ोर ज़ोर से पढ़ा गया। उस चिट्ठी के शब्द वही थे जो से–ओसिरिस ने पढ़े थे।

[148] Khem, also spelt as Chem, is an Egyptian word for "Black"

बस उसने केवल उन्हीं शब्दों को उसी जगह बदला था जहाँ उसमें फैरो के लिये बहुत बुरे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था।

से–ओसिरिस ने वहाँ फैरो के लिये इज़्ज़तदार शब्दों का इस्तेमाल किये और जंगली इथियोपियन के लिये उतने ही बुरे शब्दों का इस्तेमाल किया जितना कि उनके लिये किये जाने चाहिये थे।

इसके बाद इथियोपियन बहुत ही नम्रता से बोला — "ओ ताकतवर फैरो, क्या अब मैं शान्ति से वापस जा सकता हूँ?"

पर वह लड़का जल्दी से बोला — "ओ फैरो। ज़िन्दगी, तन्दुरुस्ती, ताकत आपको सब कुछ मिले। यह जादूगर जो इस समय आपके सामने झुका हुआ है इसके अन्दर नाहसित की "बा"[149] है।

यह उसी जादूगर की "बा" है जिसने उस फैरो का अपमान किया था जो यहाँ पाँच सौ साल पहले इस "दो जमीनों के सिंहासन" पर बैठा हुआ था।

क्या यह ठीक नहीं होगा कि मिस्र के और इथियोपिया के जादू के बीच की लड़ाई जो आज से पाँच सौ साल पहले शुरू हुई थी आज यहाँ आपकी आँखों के सामने ही खत्म कर दी जाये?"

---

[149] The Ba refers to all non physical qualities that make up the personality of humans. Animals were sometimes thought to be the Ba of gods, the Bennu bird was called the Ba of Ra, the Apis bull was worshipped as the Ba of Ptah. Prior to the New Kingdom, no representations of the Ba are certain. The first illustrations of the Ba are found in the Book of the Dead. The Ba was associated with only human beings and gods.

रैमसैज़ **2** को यह सुन कर बहुत खुशी हुई और उसने हॉ में अपना सिर हिलाया। उसने अपने पोते को अपने दंड[150] से छुआ और बोला — "ओ आज के खैर–हैब, उस लड़ाई को तुम आज ही यहीं खत्म कर दो जो पॉच सौ साल पहले के खैर–हैब ने शुरू की थी।"

फिर फैरो उस बड़े साइज़ के इथियोपियन की तरफ देख कर बोला — "ओ दक्षिण के काले कुत्ते, अगर तुम्हारे पास हमारे जादू के मुकाबले का कोई जादू है तो उसे तुम हमें अभी दिखाओ।"

वह इथियोपियन हॅसा और बोला — "ओ उत्तर के सफेद कुत्ते, मैं तुझे चुनौती देता हॅू। मेरे पास एक ऐसा जादू है जिससे सेट तुझे अभी इसी समय यहॉ से उठा कर ले जायेगा और अनैप[151] जो आत्माओं को नष्ट कर देता है वह तेरी "बा" को खाना शुरू कर देगा जो कभी फैरो थी। देख तू अब मेरा वह जादू देख।"

उस इथियोपियन ने उस बन्द हुए पैपीरस के रौल को हवा में ऐसे हिलाना शुरू किया जैसे वह कोई जादू की छड़ी[152] हो और उसको जादू के कुछ शब्द बोलते हुए फैरो के सामने के फर्श की तरफ किया।

---

[150] Translated for the word "Scepter"

[151] Anep – Ape or Apep Dragon – he is the enemy of Ra (Sun God) and he tries to eat Ra in the 10th Region of the Duat

[152] Translated for the words "Magic Wand"

तुरन्त ही फैरो के सामने फर्श पर एक बहुत ताकतवर सॉप ज़ोर की फुंकार मारता हुआ उठ कर खड़ा हो गया। उसकी जीभ किसी बुरी इच्छा से लपलपा रही थी और उसके जहरीले दॉत फैरो को मारने के लिये उसके मुॅह में से दिखायी दे रहे थे।

उसको देख कर रैमसैज़ **2** तो डर के मारे एक चीख मार कर पीछे की तरफ हट गया। पर वह लड़का उस इथियोपियन का मजाक बनाते हुए हॅस पड़ा। उसने अपना हाथ ऊपर उठा दिया।

जैसे ही उसने अपना हाथ ऊपर उठाया कि वह खतरनाक कोबरा एक छोटे से सफेद कीड़े में बदल गया। लड़के ने अपने ॲगूठे और पहली ॲगली से वह कीड़ा उठाया और खिड़की के बाहर फेंक दिया।

इथियोपियन ने गुस्से से अपनी दोनों बॉहें हवा में हिलायीं और गुर्रा कर उस बच्चे को गालियॉ दीं और फिर कुछ जादू के शब्द बोले।

उसके वे शब्द बोलते बोलते ही घने काले ॲधेरे का बादल कमरे में छा गया। वह बादल कब्र में हुई आधी रात के ॲधेरे जितना काला था और शरीरों के जलने से उठने वाले धुॅए की तरह घना था।

लेकिन वह लड़का फिर हॅसा और उसने वह ॲधेरा अपने हाथ में लिया और उसको अपने हाथ में ही इतना मसला जब तक कि वह उतनी बड़ी गोली के बराबर नहीं रह गया जितनी कि मिस्र के बच्चे

नील नदी के किनारे उसके रेत की गोली बना बना कर खेलते हैं। फिर उसको भी उसने खिड़की के बाहर फेंक दिया।

इथियोपियन ने भी हार नहीं मानी। उसने तीसरी बार अपने हाथों को हवा में हिलाया और इस बार वह इतनी ज़ोर से चिल्लाया जैसे अनैप ने उसको अपने जबड़ों में जकड़ रखा हो।

तुरन्त ही फर्श से आग की एक बहुत बड़ी लपट उठी और फैरो को और उन सबको जलाने के लिये बढ़ी जो फैरो के पास उसके शाही चबूतरे पर खड़े या बैठे थे।

लड़का तीसरी बार फिर हॅसा और उसने उस आग की लपट पर इतनी ज़ोर की फूॅक मारी कि वह आग की लपट उस इथियोपियन के चारों तरफ जा कर लिपट गयी।

एक बहुत ज़ोर की चीख सुनायी दी और वह बड़ी लपट इतनी छोटी सी लपट में बदल गयी जैसी कि किसी मोमबत्ती का मोम खत्म हो जाने के बाद उसकी लपट एक छोटी से रोशनी की लपट बन कर रह जाती है। फैरो के सामने फर्श पर राख का एक छोटा सा ढेर पड़ा रह गया।

लड़के ने शान्ति से कहा — "नाहसित के बेटे को विदा। भगवान करे कि उसकी "बा" हमेशा के लिये कहीं और जा कर रहे और हमको और हमारे रैमसैज़ **2** को तंग करने के लिये या उनका अपमान करने के लिये अब यहाॅ कभी न आये।

13 मरे लोगों के देश की यात्रा[153]

मिस्र की यह कहानी एक बहुत ही मशहूर कहानी है। यह एक जादूगर लड़के से–ओसिरिस जिसने एक बन्द चिट्ठी पढ़ रखी है[154] और उसके पिता सेटना[155] की जो फैरो रैमसैज़ 2 का बेटा था उन दोनों के डुऐट[156] जाने की कहानी है।

एक बार की बात है कि बहुत दिनों पहले मिस्र में से–ओसिरिस और उसके पिता सेटना थैबैस[157] के महल की खिड़की में खड़े हुए अपने पश्चिम की तरफ से दो जनाज़े आते हुए देख रहे थे।

उनमें से एक तो बहुत ही अमीर आदमी का जनाज़ा था। उसका शरीर एक लकड़ी के ताबूत में रखा हुआ था जिस पर सोने का काम किया गया था।

उसके बहुत सारे नौकर और दोस्त उसको रोते हुए कब्रिस्तान तक ले जा रहे थे। उन लोगों के हाथों में उसके कब्र में रखने के लिये बहुत सारी भेंटें भी थी।

---

[153] Journey to Land of Dead – a tale from Egypt, Africa.
This story taken from the Web Site : http://www.aldokkan.com/art/journey.htm

[154] Read the Tale No 7, for this

[155] Setna – the name of the son of the King of Egypt Pharaoh Ramses II, the Great

[156] Duat – the World of the Dead

[157] Se-Osiris and his father were watching two funerals from the window of the Thebes palace. Thebes is an ancient Egyptian city located east of the Nile about 500 miles south of the Mediterranean Sea. Its ruins lie within the modern Egyptian city of Luxor.

कई पादरी भी उसके आगे पीछे धार्मिक गीत गाते चल रहे थे। वे वे नाम और ताकतवर शब्द भी बोल रहे थे जिनकी उस मरे हुए आदमी को डुऐट के रास्ते में जरूरत पड़ेगी।

दूसरा जनाज़ा एक बहुत ही गरीब आदमी का था। उसके दो बेटे एक सादा सा लकड़ी का बक्सा ले कर जा रहे थे और केवल उसकी पत्नी और बहू उसके पीछे रोते हुए जा रहे थे।

ये दोनों जनाज़े नील नदी के किनारे की तरफ जा रहे थे। वहाँ एक नाव उनको नील नदी के पार ले जाने के लिये उनका इन्तजार कर रही थी।

उन दोनों को नदी के किनारे जाते देख कर सेटना बोला — "मैं उम्मीद करता हूँ कि मेरी किस्मत में इस अमीर आदमी जैसा जनाज़ा लिखा होगा, इस गरीब मजदूर जैसा नहीं।"

यह सुन कर से–ओसिरिस बोला — "पिता जी, मैं आपके लिये बल्कि इसकी बिल्कुल उलटी प्रार्थना करता हूँ कि आपको इस गरीब मजदूर जैसा जनाज़ा मिले, न कि उस अमीर आदमी जैसा।"

अपने बेटे के ये शब्द सुन कर सेटना का दिल बहुत दुखी हुआ। इस पर से–ओसिरिस ने अपने पिता को समझाने की कोशिश की — "जो कुछ आप यहाँ देख रहे हैं उसका माट के न्याय के

कमरे[158] से कोई सम्बन्ध नहीं है। यह बात मैं आपको साबित कर सकता हूॅ अगर आप मेरा विश्वास करें तो।

मुझे उन ताकतवर शब्दों का पता है जो सारे दरवाजे खोल देते हैं। मै आपके और अपने दोनों के "बा"[159] को आजाद कर सकता हूॅ और अपनी उन आत्माओं को भी जो मरे हुओं की दुनियॉ डुऐट में उड़ कर जा सकती हैं और देख सकती हैं कि वहॉ क्या हो रहा है।

तब आपको पता चलेगा कि इस अमीर आदमी की किस्मत जिसने ज़िन्दगी भर बुरे काम किये और उस गरीब आदमी की किस्मत जिसने ज़िन्दगी में अच्छे कामों के अलावा और कुछ किया ही नहीं कितनी अलग अलग हैं।"

सेटना ने उस सब पर बिना आश्चर्य किये ही विश्वास करना सीख लिया था जो उसका वह आश्चर्यजनक बेटा कहता था।

---

[158] Judgment Hall of Maat - The Egyptian Hall of Maat is where the judgment of the dead was performed in the afterlife. It is also known as the "Hall of the Two Truths" Unlike Semitic Religions, Egyptians had no concept of a general judgment day when all those who had lived in the world should receive rewards and punishment for their deeds; on the contrary each soul was dealt with individually, and was either permitted to pass into the kingdom of Osiris, or was destroyed straightway. First the soul recites the ritual confession, known as the 42 negative confessions, claiming to be guiltless of the offences which are punishable. Sins included doing evil to mankind, theft, fraud, murder, inflicting pain, committing adultery and insulting the gods etc.
Taken from http://www.aldokkan.com/religion/hall_maat.htm

[159] The Ba refers to all non physical qualities that make up the personality of humans. Animals were sometimes thought to be the bau of gods, the Bennu bird was called the Ba of Ra, the Apis bull was worshipped as the Ba of Ptah. Prior to the New Kingdom, no representations of the Ba are certain. The first illustrations of the Ba are found in the Book of the Dead. The Ba was associated with only human beings and gods.

इसलिये वह अब अपने बेटे के साथ डुऐट में जाने के लिये भी राजी हो गया।

हालाँकि वह यह जानता था कि इस तरह की यात्रा खतरे से खाली नहीं थी। क्योंकि अगर एक बार वह वहाँ पहुँच गया तो वहाँ से वह वापस नहीं भी आ सकता था।

सो राजकुमार सेटना और उसका छोटा बेटा से–ओसिरिस दोनों ओसिरिस के मन्दिर[160] में गये जहाँ शाही परिवार के सदस्य होने की वजह से वे आसानी से जा सकते थे।

मन्दिर के अन्दर घुस कर सेटना ने मन्दिर का दरवाजा बन्द कर दिया। तब से–ओसिरिस ने अपने, ओसिरिस की मूर्ति के और उस वेदी[161] के चारों तरफ एक जादुई गोला बनाया जिसमें सीडर की लकड़ी की आग जल रही थी।

फिर उसने वेदी की जलती हुई आग में एक पाउडर फेंका। वह पाउडर उसने तीन बार फेंका। पाउडर फेंकते ही उस आग में से आग का एक गोला उठा और ऊपर हवा में तैर गया।

---

[160] Temple of Osiris – Osiris is the Male God of the Underworld

[161] Translated for the word “Altar”. An altar is any structure upon which offerings such as sacrifices and worship are made for religious purposes. Altars are usually found at shrines, and they can be located in temples, churches and other places of worship. It may be of several ttypes. Picture of one of its types is given above.

फिर उसने जादू के कुछ ऐसे शब्द कहे जो एक बहुत बड़ी ताकत के नाम पर खत्म होते थे। उस नाम को लेते ही सारा मन्दिर हिल गया और उसकी वेदी की आग और ऊँची कूद कर ॲधेरे में खो गयी।

पर ओसिरिस के मन्दिर में ॲधेरा नहीं हुआ। सेटना ने घूम कर देखना चाहा कि वहॉ रोशनी कहॉ से आ रही थी तो वह तो डर के मारे चिल्ला ही पड़ता अगर वह चुपचाप शान्त न हो जाता जैसे किसी ने जबरदस्ती उसको लकवा[162] मार दिया हो।

क्योंकि वेदी के दोनों तरफ उसने अपने आपको और अपने बेटे से–ओसिरिस को खड़ा देखा।

तभी अचानक उसको लगा कि वे शरीर उसके अपने और उसके बेटे के असली शरीर नहीं थे बल्कि वे तो उनके अपने शरीरों की केवल परछाइयॉ थीं जो उन दोनों के "का"[163] थीं और दोनों के "का" के ऊपर आग की एक एक लपट घूम रही थी जो उसकी "खू"[164] थी।

उस "खू" की रोशनी से यह पता चल रहा था कि "का" और उसका धुॅधला दिखने वाला शरीर किस "का" और "खू" से निकला था।

---

[162] Translated for the word "Paralysis"

[163] "Ka" means double.

[164] "Khou" means Spirit

तभी शान्ति टूटी और एक पंख गिरने की आवाज़ जैसी फुसफुसाहट की आवाज़ आयी। वह आवाज़ पंख जैसी गिरने की जरूर थी पर उस आवाज ने सारे मन्दिर को भर दिया।

वह से–ओसिरिस की आवाज थी — "मेरे पिता जी, मेरे पीछे पीछे आइये क्योंकि हमारे पास समय कम है और अगर हम मिस्र के ऊपर सूरज का "रा"[165] चमकता हुआ देखना चाहते हैं तो हमको कल सुबह तक वापस भी लौटना है।"

सेटना घूमा और उसने से–ओसिरिस की "बा" यानी उसकी आत्मा को देखा जो एक बड़ी चिड़िया के रूप में थी जिसके सुनहरे पंख थे पर उसका सिर उसके अपने बेटे का ही था।

उसने जबरदस्ती यह कहने की कोशिश की "ठीक है मैं आता हूँ।" तो उसकी आवाज भी फुसफुसाहट के रूप में ही पूरे मन्दिर में गूँज गयी। वह अपनी "बा" के सुनहरे पंखों पर उठा और अपने बेटे से–ओसिरिस की "बा" के पीछे पीछे चल दिया।

उनको ऐसा लगा कि मन्दिर की छत ने खुल कर उनको ऊपर जाने का रास्ता दिया। और पल भर में ही वे पश्चिम की तरफ किसी इथियोपियन[166] के कमान से निकले तीर से भी तेज़ उड़ते नजर आ रहे थे।

[165] "Ra" is the Sun God of Egyptians. He is male. His consort is Divine cow Hathor.
[166] Who live in Ethiopia. It is located in South-East to Egypt.

मिस्र में ॲधेरा हो गया था पर डूबते हुए सूरज की एक लाल किरन पश्चिमी रेगिस्तान के पहाड़ों के एक दर्रे, "द गैप औफ ऐबीडोस"[167], पर अभी भी चमक रही थी। वे इसी रास्ते से ॲधेरे के पहले क्षेत्र[168] मे घुसे।

उन्होंने अपने नीचे मैसैक्टैट नाव[169] देखी जिसमें सुबह को रा अपनी यात्रा शुरू करता था और दिन खत्म होने पर शाम को डुऐट में जा कर खत्म करता था।

वह नाव तो बहुत शानदार थी। उसमें जो सामान लगा हुआ था वह भी बहुत शानदार था। उसमें जामुनी, नीले, लाल, चमकीले सुनहरी[170] रंग लगे हुए थे।

कुछ देवता उस नाव को सुनहरी रस्सियों से उस भूतिया नदी में खे रहे थे। डुऐट के बन्दरगाह चारों तरफ फैले पड़े थे। वे उस पहले ॲधेरे क्षेत्र में छह सॉपों के बीच में से हो कर घुसे जो उनके दोनों तरफ कुंडली लगाये बैठे हुए थे।

रा की उस बड़ी नाव में उन सब मरे हुए लोगों के "का" थे जो उसी दिन मरे थे और जिनको ओसिरिस के न्याय के कमरे[171] की तरफ जाना था।

[167] The Gap of Abydos
[168] First Region of the Darkness
[169] Mesektat boat
[170] Amythst, Turquoise blue, Jasper, deep glow of gold
[171] Judgment Hall of Osiris

सो वह नाव रात के गहरे ॲधेरे में अपने रास्ते चली जा रही थी। फिर वह दूसरे क्षेत्र के बन्दरगाह पर आयी। वहॉ दोनों तरफ ऊॅची ऊॅची दीवारें खड़ी हुई थीं।

उन दीवारों के ऊपर भाले लगे हुए थे ताकि कोई उन दीवारों को पार न कर सके। उनके दरवाजे लकड़ी के डंडे पर घूमते थे। वहॉ भी सॉप आग और जहर उगलते हुए उन दरवाजों की चौकीदारी कर रहे थे। पर जो भी वहॉ से उस नाव पर गुजर रहे थे उनके लिये रा ने कुछ ताकतवर शब्द बोले जिससे वे दरवाजे खुल गये।

यह दूसरा क्षेत्र रा का राज्य था और देवता और बड़े लोग जो धरती पर राजाओं की तरह रह चुके थे वे वहॉ शान्ति से रह रहे थे। मक्की की आत्माऐं[172] जो गेहूॅ और जौ[173] उगाती हैं और धरती पर फलों को बढ़ाती हैं उन लोगों की रक्षा कर रही थीं।

पर इसके बाद भी वहॉ कोई भी मरा हुआ जो रा की उस नाव में जा रहा था उस जमीन पर रुक नहीं सकता था क्योंकि उनको डुऐट के तीसरे क्षेत्र अमेन्ती[174] जाना होता था जहॉ ओसिरिस का न्याय का कमरा उनके आने का इन्तजार कर रहा था।

---

172 Spirits of Corn

173 Wheat and Barley

174 Amenti – the third Region of Duat

सो वह नाव अब तीसरे बन्दरगाह पर आयी और ताकत वाले शब्दों के कहने पर वहाँ के बड़े बड़े दरवाजे लकडी के डंडों पर चूँ चूँ करते खुल गये।

फिर भी उनकी चूँ चूँ इतनी ज़्यादा ज़ोर की नहीं थी जितनी कि उस आदमी की आवाज ज़ोर की थी जो उस डंडे पर अपनी आँखें घुमाता हुआ लेटा हुआ था। वह लकड़ी का डंडा उसकी आँख में गोल गोल घूम रहा था।

वह वहाँ पर किसी उस बुरे काम की सजा के लिये लेटा हुआ था जो उसने धरती पर किया था।

इस तीसरे क्षेत्र में रा की नाव घुसी और नाव में बैठी सब "का" ओसिरिस के न्याय के कमरे के बाहरी आँगन में उतर गयीं पर वह नाव उनको उतार कर वहीं नहीं रुकी। उनको उतार कर वह नाव और आगे चलती चली गयी।

उस नाव को रात के नौ क्षेत्र में से हो कर जाना होता था जब तक कि पूर्व के एप या अपैप ड्रैगन[175] के मुँह से अगली सुबह रा का दूसरा जन्म न हो जाये। और तब एक बार फिर सूरज धरती पर सुबह ले कर पूर्व में आता था।

पर फिर भी सुबह को सूरज तब तक नहीं उगता था जब तक कि रा उस एप ड्रैगन से लड़ता नहीं था और उसको हराता नहीं

[175] Egyptian Dragon, called Ape or Apep, is the enemy of Ra. He is supposed to eat Ra in the 9th Region of the Night.

था। यह ड्रैगन रा को रात के दसवें क्षेत्र में खाने की कोशिश करता है।

सेटना और से–ओसिरिस की "बा" रा की नाव के और पीछे नहीं चलीं बल्कि वहीं रुक कर नये मरे हुओं की "का" के पीछे पीछे चल दीं जो एक एक कर के ओसिरिस के न्याय के कमरे में घुस रहीं थीं। दरवाजे पर खड़ा दरबान हर एक से पूछताछ कर रहा था।

दरबान चिल्लाया — "रुक जाओ। मैं तुम्हारा नाम तब तक किसी को जा कर नहीं बताऊँगा जब तक तुम मेरा नाम नहीं जानोगे।"

एक का बोली — "तुम्हारा नाम है दिलों को समझने वाला। तुम्हारा नाम है शरीरों का झाड़ा लेने वाला।[176]"

दरबान ने पूछा — "तो फिर मैं तुम्हारी खबर किसको जा कर दूँ?"

"तुमको मेरे आने की खबर दो जमीनों को जानने वाले[177] को देनी चहिये।"

दरबान ने पूछा — "यह दो जमीनों को जानने वाला कौन है?"

"यह अक्लमन्द थौट देवता[178] है।"

इस तरह हर "का" दरवाजे में से गुजर कर अन्दर गयी जहाँ कमरे में थौट उन सबका इन्तजार कर रहा था। उसने कहा —

---

[176] Understander of Hearts is your name. Searcher of Bodies is your name.

[177] Interpreter of the Two Lands

[178] Thoth – pronounced as Thot, the Wise God

"आओ मेरे साथ आओ। लेकिन फिर भी तुम यहाँ आये ही क्यों हो?"

"का" बोली — "मैं यहाँ घोषित होने के लिये आया हूँ।"

"तुम्हारी क्या हालत है?"

"मैंने कोई पाप नहीं किया।"

"तब मैं तुमको किसको घोषित करूँ? क्या मैं तुमको उसको बताऊँ जिसकी छत आग की है? जिसकी दीवारें ज़िन्दा साँपों की हैं? जिसकी सड़कें पानी की हैं?"

"का" बोली — "हाँ। मुझे तुम उसी को जा कर बताओ क्योंकि वही ओसिरिस है।"

सो वह चिड़िया के सिर वाला थौट उस "का" को वहाँ ले गया जहाँ ओसिरिस अपने सिंहासन पर बैठा था। वह मरे हुए लोगों की ममी[179] को पहनाने वाले वाले कपड़े पहने था। उसके सिर पर ताज था और छाती पर भी कुछ निशान थे।

उसके सामने एक तराजू रखी थी जिस में दो पलड़े लगे थे। गीदड़ के सिर वाला अनूबिस[180], मौत का देवता ओसिरिस, "का" को न्याय के लिये ले जाने के लिये आगे आया।

पर दिल को तौलने से पहले हर मरे हुए आदमी की "का" अपनी सफाई में बोली — "मैंने कोई पाप नहीं किया। मैंने कोई

[179] Mummy is the dead body smeared with special spices and protected for thousands of years.

[180] Anubis is the male jackal god of embalmimg. Horus is his brother.

पाप नहीं किया। मैंने कोई पाप नहीं किया। मैंने कोई पाप नहीं किया।

मेरी पवित्रता तो बैनू चिड़िया यानी फीनिक्स चिड़िया[181] की तरह है जो पत्थर के पेड़ पर यानी हैलियोपोलिस के ओबैलिस्क[182] पर अपना घोंसला बनाती है।"

मेरी तरफ देखो, मैं आपके पास बिना कोई पाप किये, बिना कोई गलती किये, बिना कोई बुरा काम किये, बिना किसी ऐसे आदमी की गवाही के जिसने मुझे कोई बुरा काम करते देखा हो आया हूँ।

मैंने किसी आदमी के खिलाफ कभी कोई काम नहीं किया। मैं सच्चाई पर ही जीता हूँ और सच्चाई का ही खाता हूँ। मैंने वही किया जो लोगों ने कहा और जिससे देवता सन्तुष्ट रहते हैं।

मैंने हर देवता को उसकी पसन्द की चीज़ से सन्तुष्ट किया। मैंने भूखे को खाना खिलाया, प्यासे को पानी पिलाया, नंगे को

[181] Bennu or Phoenix bird – a kind of bird. In Egyptian mythology Bennu is a Solar Sun and is similar to Greek Phoenix bird. In Greek mythology Phoenix bird is a long-lived bird that is cyclically regenerated or reborn. Associated with the Sun, a phoenix bird obtains new life by arising from the ashes of its predecessor. According to some sources, the phoenix dies in a show of flames and combustion, although some other sources claim that the legendary bird dies and simply decomposes before being born again. According to some texts, the phoenix could live over 1,400 years before rebirth.

[182] Obelisk of Haliopolis – obelisk is a kind of stone pillar. See its picture above. They are mostly found in Ethiopia, Egypt and other countries in North-Eastern countries of Africa. This picture is one of several Obelisks of Ethiopia.

कपड़ा पहनाया और उसको नाव दी जो नदी पार नहीं कर सकता था। मैंने देवताओं और पुरखों को भेंट दी।

इसलिये आप मुझे अपैप ड्रैगन से बचाइये जो आत्माओं को खाता है, ओ साँसों के स्वामी ओसिरिस।"

और फिर वह पल भी आया जिससे वह बुरे काम करने वाला डर रहा था पर भले आदमी ने उसका खुशी से स्वागत किया।

अनूबिस ने उस "का" का दिल लिया जो उसके धरती वाले शरीर के साइज़ से दोगुना था और उसको तराजू के एक पलड़े में रख दिया। तराजू के दूसरे पलड़े में उसने सच्चाई का एक पंख रख दिया।

बुरे काम करने वाले का दिल तो बहुत भारी था सो उसका वह पलड़ा बहुत नीचे हो गया। वह नीचे और और नीचे की तरफ होता गया जब तक कि तराजू का वह पलड़ा इतना नीचे नहीं हो गया कि अमूट[183] जो दिल खाती है उसने उस पलड़े में रखा उसका दिल अपने जबड़े में नहीं रख लिया और खा नहीं लिया।

तब थोट ने उस तराजू की डंडी से बने कोण का नाप लिया।

उस बुरे काम करने वाले को फिर डुऐट के घने अँधेरे में आग के गड्ढे में अपैप ड्रैगन के साथ रहने के लिये घसीट कर ले जाया गया।

[183] Ammut

पर जब अच्छे आदमी की बारी आयी तो वह पंख वाला पलड़ा नीचे की तरफ हो गया और उसका दिल वाला पलड़ा ऊपर हो गया।

थौट ने ओसिरिस और देवताओं से कहा — "इस आदमी ने जो कुछ भी कहा वह सब सच और ठीक है। इस आदमी ने कोई पाप नहीं किया। इसने हमारे साथ कुछ बुरा भी नहीं किया। इसे किसी भी आत्मा को खाने वाले को नहीं खाने नहीं देना चाहिये।

इसको तो ओसिरिस की कभी न नष्ट होने वाली रोटी देनी चाहिये। इसको तो होरस[184] को मानने वालों के साथ शान्ति के मैदानों[185] में जगह मिलनी चाहिये।

इसके बाद होरस ने उस मरे हुए आदमी का हाथ पकड़ा और उसको ओसिरिस के सामने यह कहते हुए ले गया — "ओ ओसिरिस, मैं आपके पास इस नये ओसिरिस को ले कर आया हूँ। इसका दिल तराजू से तौल कर देखा तो यह तो सच बोल रहा था। इसने किसी भी देवता के लिये कोई भी पाप नहीं किया।

थौट ने इसका दिल तौल लिया है और उसने उसको सच्चा पाया। अब आप इसको ओसिरिस की रोटी और बीयर दे दें जैसे कि आप होरस के मानने वालों को देते हैं।"

---

[184] Horus – the son of Osiris and Isis with the head of a falcon, and the brother of Anubis.

[185] Fields of Peace

ओसिरिस ने हॉ में अपना सिर हिलाया और वह मरा हुआ आदमी खुशी खुशी शान्ति के मैदानों में वहॉ रहने के लिये चला गया। वहॉ वह उन सब चीज़ों का आनन्द लेने लगा जिनको वह अपनी ज़िन्दगी सबसे ज़्यादा पसन्द करता था। उस जगह में उसके लिये सब कुछ था।

वह वहॉ पर तब तक रहा जब तक ओसिरिस उन सबको अपने साथ लेकर धरती पर लौटा जो उसकी जनता के रूप में धरती पर रहने लायक थे।

से–ओसिरिस की "बा" ने अपने पिता सेटना की "बा" को वहॉ यह सब और और भी बहुत कुछ दिखाया और काफी देर तक बात करने के बाद में कहा — "अब तो आप समझ गये होंगे न कि मैंने आपसे यह क्यों कहा था कि आपकी किस्मत इस गरीब आदमी जैसी क्यों होनी चाहिये, न कि उस अमीर आदमी जैसी?

क्योंकि अमीर आदमी वह है जिसकी ऑख में तीसरे दरवाजे का डंडा घूम रहा था पर गरीब आदमी तो अच्छे कपड़े पहन कर हमेशा के लिये शान्ति के मैदानों में रह रहा है। बुरे आदमी की कब्र पर जो भेंटें चढ़ाई जाती हैं वे सब भी उसी को मिल जाती हैं।"

उसके बाद दोनों "बा" ने अपने अपने सुनहरी पंख फैलाये और रात में ही थैबैस वापस आ गये। वहॉ आ कर वे अपने अपने शरीरों में घुस गये जिनकी ओसिरिस के मन्दिर में उनके "का" रखवाली कर रहे थे।

वहॉ आ कर वे फिर से साधारण आदमी बन गये – पिता और उसका बेटा, और वे ठीक समय पर फिर से सूरज को मिस्र के ऊपर कई रंगों में उगता हुआ देख सके।

14 ओसिरिस, सेट और रानी असो[186]

हालाँकि सेट के ओसिरिस को मारने वाली कहानी हमने इस पुस्तक में पहले दे रखी है पर यह रूप हमें एक और जगह से मिला है जिसे हम यहाँ दे रहे हैं।

पर उनका भाई बुरा सेट ओसिरिस से जलता था और आइसिस से नफरत करता था। जितनी ज़्यादा लोग आइसिस की प्रशंसा करते उतना ही सेट आइसिस से नफरत करता था।

और जितनी ज़्यादा लोग आइसिस की प्रशंसा करते आइसिस उतने ही ज़्यादा लोगों की भलाई करती और लोग उससे उतने ही ज़्यादा खुश होते। इससे सेट की अपने भाई ओसिरिस को मारने की और उसकी जगह राज करने की इच्छा उतनी ही ज़्यादा होती जाती।

पर आइसिस इतनी बुद्धिमान और सावधान थी कि जब वह मिस्र पर राज कर रही थी तो सेट उसको मारने और उसका राज्य लेने की कोशिश भी नहीं कर सका।

जब भला फैरो ओसिरिस अपनी यात्रा से हो कर आया तो उसका स्वागत करने वालों वालों में से और उसके आगे झुकने वालों में से सेट सबसे पहला आदमी था।

---

[186] Osiris, Set and Queen Aso. Taken from the Web Site : http://symbolankh.blogspot.com/2015/11/osiris-set-and-queen-aso.html
Queen Aso was the Queen of Ethiopia. Isis was the wife of Osiris. Seth was the brother of Osiris.

फिर भी उसने बहत्तर नीच लोगों के और इथियोपिया की नीच रानी असो के साथ मिल कर उसको मारने का अपना ही प्लान बना रखा था।

सेट ने ओसिरिस को बिना बताये ही ओसिरिस के शरीर का नाप ले लिया था। उसने उसी नाप का एक ताबूत जैसा एक बक्सा बनवाया जिसमें केवल वही फिट हो सकता था। वह डिब्बा बहुत मुश्किल से मिलने वाली और कीमती लकड़ियों से बनाया गया था।

लेबनान से इसके लिये सीडर की लकड़ी लायी गयी थी। पुन्ट देश से ऐबोनी की लकड़ी लायी गयी थी जो लाल सागर के दक्षिणी ओर था। क्योंकि मिस्र में कोई लकड़ी नहीं होती थी सिवाय खजूर की मुलायम और बेकार की लकड़ी के।

सेट ने ओसिरिस के आने की खुशी में एक बहुत बड़ी दावत दी। उस दावत में दूसरे मेहमान बहत्तर जालसाज़ी करने वाले थे। मिस्र की यह सबसे बड़ी दावत थी। खाना भी उसमें चुन चुन कर बनवाया गया था। वाइन भी कुछ ज़रा ज़्यादा ही तेज़ थी और नाचने वाली लड़कियाँ भी पहले से बहुत ज़्यादा सुन्दर थीं।

जब ओसिरिस का दिल दावत खा कर बहुत खुश हो गया तो वह डिब्बा मँगवाया गया। वहाँ मौजूद सारे लोग उस बक्से की सुन्दरता को देख कर दंग रह गये।

ओसिरिस ने सीडर लकड़ी में ऐबोनी और हाथी दाँत और सोने चाँदी का काम किये बक्से की बहुत तारीफ की। उसमें अन्दर की

तरफ देवताओं चिड़ियों और जानवरों की तस्वीरें बनी हुई थीं सो उसने उस बक्से को लेना चाहा।

सेट बोला — "यह बक्सा उसी को दिया जायेगा जो इसके अन्दर फिट हो जायेगा।"

यह सुन कर प्लान के अनुसार सबसे पहले जालसाज़ों ने उसे देखना शुरू किया कि वे उसके अन्दर फिट हो सकते थे या नहीं। अब यह तो स्वाभाविक था कि उस बक्से में ओसिरिस के अलावा कोई और फिट हो ही नहीं सकता था। कोई उसके लिये छोटा था कोई बड़ा कोई पतला था तो कोई मोटा।

अन्त में ओसिरिस बोला — "अच्छा चलो अब मैं इसमें लेट कर देखता हूँ कि मैं इसमें फिट होता हूँ या नहीं।"

यह देख कर सारे लोग उस बक्से के चारों तरफ साँस रोके खड़े थे। अब वह बक्सा तो उसी के नाप का था सो जैसे ही वह उसमें लेटा तो वह उसमें फिट हो गया। सो वह तुरन्त ही चिल्लाया — "मैं इसमें फिट हो गया अब यह बक्सा मेरा है।"

सेट ने उस बक्से का ढक्कन गिराते हुए कहा — "हाँ हाँ यह बक्सा तुम्हारा ही है और हमेशा के लिये यह तुम्हारा है।"

वहाँ जितने भी जालसाज़ खड़े हुए थे उन सबने मिल कर उस ढक्कन पर कीलें जड़ दीं और उसमें जितनी भी झिरियाँ थीं उन्हें पिघला सीसा डाल कर बन्द कर दिया। इससे ओसिरिस आदमी तो उसी बक्से में मर गया और उसकी आत्मा नील नदी के उस पार

"जॉच की जगह डुऐट"[187] और उसके पार "अमेन्ती" में चली गयी जहॉ वे लोग हमेशा के लिये रहते थे जिन्होंने धरती पर अपनी ज़िन्दगी अच्छी तरह से बितायी हो और डुऐट का फैसला पास कर लिया हो।

सेट और उसको साथियों ने उस बक्से को उठाया जिसमें ओसिरिस का शरीर था और उसे नील नदी में फेंक दिया। नील नदी का देवता हापी उसको बड़े हरे सागर की तरफ ले गया जहॉ वह कई दिनों तक बहता रहा।

बहते बहते वह बाइब्लौस के पास फोनीशिया[188] के तट पर लग गया। यहॉ ला कर वह एक फूलों वाले पेड़ के पास जा कर अटक गया जो वहीं किनारे पर खड़ा हुआ था। उसमें से कुछ शाखें निकलीं फूल पत्ते निकले और भले ओसिरिस के आराम करने की जगह बना दी। फिर वह पेड़ सारे देश में प्रसिद्ध हो गया।

[187] "Duat the Place of Testing"
[188] Phoenicia

Some Important Inormation About Egypt[189]

1. Christianity was the main religion in Egypt between the fourth and sixth centuries. There were, however, other followers also including Islam which now dominate the country.
2. Ancient Egyptians worshipped over 1,400 different Gods and Goddesses. Notable gods and goddesses include Osiris, Isis, Horus, Thoth and Ra.
3. The world's oldest dress was found in Egypt and it is around 5,000 years old. Egyptian children didn't wear clothing until they're teens since it was so hot. Men would wear 'skirts' and women would wear dresses.
4. There is around 795 square miles of unclaimed land between the borders of Egypt and Sudan and, speaking of Sudan, they actually have more pyramids than Egypt and they had them before the time of Egypt!
5. The world's largest pyramid is not actually in Egypt, it's in Mexico! And, contrary to popular belief, the pyramids were actually built by paid labourers, not slaves!
6. We all know that the French built the Statue of Liberty and gifted it to the Americans, but perhaps you did not know that the monument was actually intended for Egypt.
7. Heracleion was an ancient Egyptian city located near Alexandria whose ruins were found after 1,200 years located in the Abu Qir Bar, under the sea.
8. Ancient Egyptians hated hair. They hated it so much that both sexes would shave all of their hair away. Despite that, they would often wear wigs to protect their skin from the Sun.
9. Egyptians were actually responsible for inventing the first sailboats as well as this, they were known to have slept on stone pillows during the night. Must have been comfortable, right?
10. The whole tradition of exchanging wedding rings dates back to ancient Egyptian times. Egyptians saw the wedding ring, a circle, as a symbol of eternity and it also served to signify the never-ending love between couples.
11. In ancient Egypt, killing a cat, even if it was an accident, incurred the death penalty. Ancient Egyptians would also shave off their eyebrows to mourn the death of their cats.

[189] This piece of information has been taken from the Web Site : http://defeaty.com/24-secrets-about-ancient-egypt/?utm_content=29c05b&utm_source=yahoo&utm_medium=referral&utm_campaign=ancientegypt

12. Egypt is the most populated country in the middle east and has the world's largest Arab population. Today, Egypt has a population of 83,386,739 which is equivalent to one percent of the world's population.
13. In ancient Egypt, the national currency was actually beer and Egyptian pyramid workers were paid with it. One day's work was paid with one gallon, about four litres, of beer.
14. A woman in ancient Egypt disguised herself as a man for 43 years in order to make a living for her daughter. Also in ancient Egypt, men could take time off of work in order to take care for menstruating wives and daughters.
15. This might surprise you that Cleopatra wasn't actually Egyptian. She was the first in the dynasty of Greek rulers of Egypt who could actually speak Egyptian.
16. Egyptians were actually really advanced with in medical science. Healers could men broken bones as well as perform brain surgery. They also developed a pregnancy test system which could be conducted in different ways but were very efficient.
17. Not Given
18. Scatomancy is the act of telling the future through someone's poop. It was incredibly popular in Ancient Egypt and people would analyse the colours, shapes and more.
19. Many ancient Egyptian Pharaohs were actually overweight and unhealthy due to their typical sugary diet consisting of alcohol, bread and honey.
20. Contrary to popular belief, Egyptians didn't actually ride camels until the very end of the dynasty age. Instead, Egyptians would use donkeys for transport.
21. Egyptians are well known for mummifying their Pharaohs but not everyone was mummyfied. The process was time consuming and it was reserved for more wealthy members of society.
22. Ancient Egyptians loved board games and would relax by playing them. Games they played include Mehen and Dogs and Jackals. Some Pharaohs were even buried with their favourite board games!
23. Makeup was popular for both sexes in ancient Egypt. The Egyptians believed the makeup gave them the protection of the gods Horus and Ra. Women would stain their cheeks with red paint and use henna to colour their hands.
24. Ramses the Great had eight official wives and nearly 100 concubines. He was over 90 years old when he died in 1212 BC and has been regarded as one of the greatest, most celebrated and powerful Pharaohs of Egypt.

King Tutankhamun’s Blade Came from Space

Tue, 06/07/2016 - 2:14pm

It was three years after the discovery of King Tutankhamun’s tomb that archaeologist Howard Carter discovered something interesting tucked into the mummy’s wrappings. On the mummy’s right thigh was a blade made from iron with a handle of gold that ended in a knob of rock crystal. The sheath was engraved with floral and feather patterns.

Now, Italian and Egyptian scientists report the iron is meteoritic. That’s right, King Tutankhamun possessed a cosmic blade.

“During the Bronze Age, iron was definitely rare, its value was greater than that of gold and it was primarily used for the production of ornamental, ritual, and ceremonial objects,” the researchers wrote in a study appearing in *Meteoritics & Planetary Sciences.* “This suggests that either early iron artifacts were unsuitable for utilitarian and military purposes or working techniques for producing the metal in large quantities had not yet been mastered.”

Previously, researchers postulated that the blade’s material was extraterrestrial in origin. However, subsequent analysis were questioned, as the blade’s nickel content was inconsistent with meteoritic iron.

“Iron meteorites are mostly made of (iron) and (nickel), with minor quantities of (cobalt), (phosphorous), (sulfur), and (carbon), and trace amounts of other siderophile and chalcophile elements,” the researchers wrote.

However, using x-ray fluorescence spectrometry, the researchers discovered the blade’s high nickel content, minor cobalt content, and the ratio of nickel to cobalt meshed with an extraterrestrial origin hypothesis.

“We suggest that ancient Egyptian(s) attributed great value to meteoritic iron for the production of fine ornamental or ceremonial objects up until the 14th (century) BCE,” the researchers wrote. “Smelting of iron, if any, has likely produced low-quality iron to be forged into precious objects.”

The Egyptians weren’t the only culture crafting ornamental and symbolic objects with meteoritic iron. According to the researchers, the Inuit people and ancient civilizations from Tibet, Syria, and Mesopotamia, among others, applied significance to meteoritic iron.

List of Stories of “Folktales of Egypt”

1. Magical Flute
2. An Ugly Duckling
3. The Magician Ubaaner and His Wax Crocodile
4. The Mouse As a Vizier
5. Tale of Shipwrecked Sailor
6. The tuquise Amulet
7. Tale of the Eloquent Peasant
8. Tale of the Doomed Prince
9. Tale of the Two Brothers : Anpu and Bata
10. The Legend of Osiris
11. Setna Khamwas and the Magic Book
12. Se-Osiris and the Closed Letter
13. Journey to Land of Dead
14. Osiris, Set and Queen Aso

देश विदेश की लोक कथाओं की सीरीज़ में प्रकाशित पुस्तकें —

इस कड़ी में 100 से भी अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तक सूची की पूरी जानकारी के लिये लिखें — hindifolktales@gmail.com

नीचे लिखी हुई पुस्तकें हिन्दी ब्रेल में संसार भर में उन सबको निःशुल्क उपलब्ध है जो हिन्दी ब्रेल पढ़ सकते हैं।

1 नाइजीरिया की लोक कथाऐं–1
2 नाइजीरिया की लोक कथाऐं–2
3 इथियोपिया की लोक कथाऐं–1
4 रैवन की लोक कथाऐं–1

नीचे लिखी हुई पुस्तकें हार्ड कापी में बाजार में उपलब्ध हैं।

1 रैवन की लोक कथाऐं–1 — भोपाल, इन्द्रा पब्लिशिंग हाउस, 2016
2 इथियोपिया की लोक कथाऐं–1 — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2017, 120 पृष्ठ
3 इथियोपिया की लोक कथाऐं–2 — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2017, 120 पृष्ठ
4 शीबा की रानी मकेडा — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2019, 160 पृष्ठ
5 राजा सोलोमन : सोलोमन और सैटर्न के साथ — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2019, 144 पृष्ठ
6 रैवन की लोक कथाऐं — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2020, 176 पृष्ठ
7 बंगाल की लोक कथाऐं — देहली, नेशनल बुक ट्रस्ट, 2020, 213 पृष्ठ

Facebook Group
https://www.facebook.com/groups/hindifolktales/?ref=bookmarks

Updated in 2022

लेखिका के बारे में

सुषमा गुप्ता का जन्म उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ शहर में सन् **1943** में हुआ था। आगरा विश्वविद्यालय से समाज शास्त्र और अर्थ शास्त्र में ऐम ए किया और फिर मेरठ विश्वविद्यालय से बी ऐड किया। उसके बाद **1976** में भारत से नाइजीरिया पहुँच कर यूनिवर्सिटी औफ़ इबादान से लाइब्रेरी साइन्स में ऐम ऐल ऐस करके एक थियोलोजीकल कौलिज में **10** वर्षों तक लाइब्रेरियन का कार्य किया। उसके बाद इथियोपिया की एडिस अबाबा यूनिवर्सिटी के इन्स्टीट्यूट औफ़ इथियोपियन स्टडीज़ की लाइब्रेरी में **3** साल कार्य किया। तत्पश्चात दक्षिणी अफ्रीका के एक देश लिसोठो की नेशनल यूनिवर्सिटी में इन्स्टीट्यूट औफ़ सदर्न अफ्रीकन स्टडीज़ में **1** साल कार्य करने का अवसर मिला।

तत्पश्चात **1995** में यू ऐस ए से फिर से मास्टर औफ़ लाइब्रेरी ऐंड इनफौर्मेशन साइन्स करके **4** साल एक ओटोमोटिव इन्डस्ट्री एक्शन गुप के पुस्तकालय में कार्य किया।

1998 में सेवा निवृत्ति के पश्चात अपनी एक वेब साइट बनायी – www.sushmajee.com। तब से ये उसी वेब साइट पर काम कर रहीं हैं। उस वेब साइट में हिन्दू धर्म के साथ साथ बच्चों के लिये भी काफी सामग्री है।

भिन्न भिन्न देशों में रहने से अपने कार्यकाल में वहाँ की बहुत सारी लोक कथाओं को जानने का अवसर मिला – कुछ पढ़ने से कुछ लोगों से सुनने से और कुछ ऐसे साधनों से जो केवल इन्हीं को उपलब्ध थे। उन सबको देख कर इनको ऐसा लगा कि ये लोक कथाऐं हिन्दी जानने वाले बच्चों और हिन्दी में रिसर्च करने वालों को तो कभी उपलब्ध ही नहीं हो पायेंगी – हिन्दी की तो बात ही अलग है अंग्रेजी में भी नहीं मिल पायेंगीं।

इसलिये न्यूनतम हिन्दी पढ़ने वालों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन लोक कथाओं को हिन्दी में लिखना पारम्भ किया। सन **2022** तक **2500** से अधिक लोक कथाऐं हिन्दी में लिखी जा चुकी हैं। इनको "देश विदेश की लोक कथाऐं" और "लोक कथाओं की क्लासिक पुस्तकें" कम में प्रकाशित करने का प्रयास किया जा रहा है। आशा है कि इस प्रकाशन के माध्यम से ये लोक कथाओं को जन जन तक पहुँचायी जा सकेंगी।

विंडसर, कैनेडा
2022